निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 151 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

कोयला लदे कंटेनर में लगी आग

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के पथरिया के पास गोविंदपुर-साहेबगंज मुख्य मार्ग पर गुरुवार को एक बड़ा हादसा टल गया। राजगंज से कोयला लोड कर साहेबगंज की ओर जा रहे एक कंटेनर में अचानक शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। कंटेनर में आग लगते ही चालक ने तुरंत सूझ-बूझ दिखाते हुए वाहन को करीब एक किलोमीटर आगे एक खाली जगह पर रोक दिया। इस त्वरित निर्णय से आग को फैलने से रोकने में मदद मिली।

युवक की गला रेतकर हत्या

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। यह घटना बुधवार देर रात पड़रिया गांव में हुई। गुरुवार सुबह सड़क किनारे युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान चपरिया गांव निवासी रोहित यादव के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने शव देखकर तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। जसीडीह थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा।

घर में फांसी लगा की आत्महत्या

जमशेदपुर (नबिटा ब्यूरो)। मानगो थाना क्षेत्र के पंजाबी लाइन में गुरुवार को 41 वर्षीय अमृत पाल सिंह ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि अमृत पाल सिंह पिछले कई महीनों से मानसिक तनाव और अवसाद में थे। उनके चाचा हरदयाल सिंह ने पुलिस को बताया कि अमृत पाल का पारिवारिक जीवन उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने दो शादियां की थीं लेकिन दोनों ही पत्नियां उनसे अलग हो गईं।

चतरा में बंद मकान से लाखों की चोरी

चतरा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के सदर थाना क्षेत्र के अव्वल मोहल्ला में एक बंद मकान में लाखों रुपए की चोरी हो गई। जिस मकान में चोरी हुई है वह उदय शर्मा नामक व्यक्ति का है। चोरी का खुलासा तब हुआ जब गुरुवार सुबह सफाई करने पहुंचे एक व्यक्ति ने घर के ताले टूटे पाए। मकान मालिक उदय शर्मा ने अपने घर की साफ-सफाई के लिए संजय यादव को बुलाया था। जब संजय यादव गुरुवार सुबह मकान पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि सभी दरवाजों के ताले टूटे हुए थे।

रेलवे में विकास हमारा लक्ष्य : वैष्णव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को राजस्थान के जयपुर में 65 छोटे और मध्यम स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म अपग्रेडेशन और एक्सटेंशन और एक इंटिग्रेटेड पैसेंजर इंफोर्मेशन सिस्टम का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने जयपुर-असरवा एक्सप्रेस के सभी एसी क्लास के यात्रियों के लिए प्रिंटिड कंबल कवर भी लॉन्च किए गए। मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज रेलवे ने एक नई पहल शुरू की है। यह पहल यात्रियों के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाने का एक प्रयास है। रेलवे सिस्टम में कंबल का इस्तेमाल हमेशा से रहा है लेकिन कंबल को लेकर हमेशा एक संशय रहा है और इस संशय को दूर करने के लिए जयपुर रेलवे स्टेशन से पायलट कार्यक्रम के रूप में एक ट्रेन में कंबल कवर की व्यवस्था शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि अगर यह प्रयोग सफल रहा तो इसे पूरे देश में विस्तारित किया जाएगा। साथ ही छोटे स्टेशनों पर भी सुविधाएं बढ़ाई जाएगी, खासकर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई,

साइनबोर्ड, सूचना प्रणाली। मंत्री ने कहा कि ये अपग्रेड राजस्थान के विभिन्न मंडलों जैसे कि जोधपुर, जयपुर, अजमेर और बीकानेर में लागू किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा टिकाऊपन और आसानी से धुलने के लिए चुने गए सांगानेरी प्रिंट फैब्रिक का उपयोग करके एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है जिसमें प्रायोगिक परिणामों के आधार पर रेलवे सिस्टम में विभिन्न राज्यों के पारंपरिक प्रिंटों को शामिल करने की योजना है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि हाल ही में मैं एक दक्षिण कोरियाई कंपनी के सीईओ से मिला, जिन्होंने आते ही मेरा 'राम-राम' कहकर स्वागत किया। मुझे लगा कि भारत का प्रभुत्व बढ़ा है और उसे बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य रेलवे में विकास के माध्यम से सुविधाएं प्रदान करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सोच के साथ काम करते हैं कि कैसे हमारे विकास कार्य निम्न-आय वाले परिवारों और मध्यम वर्ग के लोगों में बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे 84 स्टेशन हैं, जिनके नाम कम ही लिए जाते हैं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने मेरे जीवन में कई संघर्षों के बाद यहां तक पहुंचने में सफलता पाई। मैं उन्हें अपना आदर्श मानता हूं। भारत का कभी एक नाम था। हमारा लक्ष्य इसकी गरिमा को दोबारा स्थापित करना है। हम सभी को मिलकर विकास के लिए काम करना चाहिए।

रांची सिटी डीएसपी का रीडर रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), रांची की टीम ने गुरुवार को रांची सिटी के वरीय डीएसपी के रीडर सिपाही सुनील पासवान को 25 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। वह मूल रूप से बिहार के लखीसराय जिले के कजरा थाना क्षेत्र के लखना गांव का रहने वाला है। शिकायतकर्ता रामगढ़ के रजरप्पा थाना क्षेत्र के पोटमदगा गांव निवास मिथुन कुमार हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, रांची में लिखित आवेदन देकर बताया था कि सिटी डीएसपी रांची रीडर सुनील पासवान ने उनके बड़े भाई वनरक्षी जितेन्द्र कुमार को दहेज प्रताड़ना के केस में बचाने, केस हल्का करने के एवज में 40 हज़ार रुपये की रिश्वत मांगी थी। वनरक्षी जितेंद्र कुमार के विरूद्ध चुटिया थाना में पांच मई 2025 को कांड संख्या 103/25 में दहेज प्रताड़ना

से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज है। पीड़ित ने रिश्वत की राशि कम कराया तो मामला 25 हज़ार पर तय हुआ। इसके बाद पीड़ित ने इसकी सूचना एसीबी को दी। सूचना के विधिवत सत्यापन के बाद रीडर सिपाही सुनील पासवान पर लगाये गये आरोपों को एसीबी ने सत्य पाया। पीड़ित के आवेदन और एसीबी के सत्यापन के आधार पर 15 अक्टूबर को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, रांची थाना में कांड संख्या-19/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके बाद आरोपित रीडर सुनील कुमार पासवान को एसीबी ने 16 अक्टूबर को 25 हज़ार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अब आगे की कार्रवाई जारी है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

साहिबगंज(नबिटा ब्यूरो)। जिले के मिर्ज़ाचौकी थाना क्षेत्र के गांधीनगर-मुरदारी रोड पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। मिनी हाइवा की चपेट में आने से अजीज अंसारी नामक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मिर्ज़ाचौकी-बुआरीजोर मुख्य सड़क को जाम कर दिया और मृतक को न्याय दिलाने की मांग की। घटना उस वक्त घटी जब मिनी हाइवा कीर्तिनया गिट्टी मंडी की ओर जा रहा था। रास्ते में निमगाक्षी चौक के पीछे साइकिल सवार अजीज अंसारी को वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद ड्राइवर के भागने की कोशिश में हाइवा बिजली के पोल से जा टकराया लेकिन मौका पाकर वह फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही मिर्ज़ाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव, एसआई महेंद्र सिंह और एसआई विक्रम कुमार बाउरी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे हैं।

झामुमो और भाजपा प्रत्याशी आज दाखिल करेंगे नामांकन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पूर्वी सिंहभूम। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव के लिए प्रमुख प्रतिद्वंदी पार्टियां झारखंड मुक्ति मोर्चा और भारतीय जनता पार्टी ने अपने-अपने प्रत्याशी के नाम की विधिवत घोषणा कर दी है। झामुमो से सोमेश चंद्र सोरेन और भाजपा से बाबूलाल सोरेन उम्मीदवार बनाए गए हैं। दोनों आज शुक्रवार को नामांकन दाखिल करेंगे। बाबूलाल सोरेन वर्ष 2024 में घाटशिला सीट पर अपनी किस्मत आजमाने उतरे थे। पिछले चुनाव में बाबूलाल सोरेन ने भाजपा के वोटों में लगभग 20 हजार का जबरदस्त इजाफा कराया था और लगभग 76 हजार वोट हासिल करने में सफलता हासिल की थी लेकिन तत्कालीन विधायक झामुमो प्रत्याशी रामदास सोरेन के पक्ष में लगभग 95 हजार वोट पड़े थे। बेहतर प्रदर्शन के बावजूद बाबूलाल सोरेन को हार का मुंह देखना पड़ा था। अब पार्टी ने फिर से बाबूलाल सोरेन पर भरोसा जताया है। बाबूलाल सोरेन दूसरी बार चुनावी अखाड़े में उतरे हैं जबकि सोमेश चंद्र सोरेन पहली बार चुनाव मैदान में हैं। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के निधन से खाली हुई इस सीट पर हो रहे उपचुनाव में झामुमो ने उनके बड़े पुत्र सोमेश सोरेन को प्रत्याशी बनाया है। वहीं, भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन पर फिर से दांव खेला है।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर हजारीबाग पुलिस पूरी तरह सतर्क

हजारीबाग(नबिटा ब्यूरो)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हजारीबाग पुलिस पूरी तरह सतर्क हो गई है। झारखंड-बिहार सीमा पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। चौपारण थाना क्षेत्र के चोरदाहा चेकपोस्ट पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यहां मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में वाहनों की गहन जांच की जा रही है। हजारीबाग के एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि बिहार के सीमावर्ती गया जिला पुलिस के साथ एक विशेष बैठक हुई है। इसमें चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों राज्यों के बीच समन्वय पर जोर दिया गया। चौपारण क्षेत्र में 24 घंटे पुलिस बल तैनात है और सीसीटीवी कैमरों से सीमा क्षेत्र की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि बिहार में चुनावी माहौल को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क है। पुलिस सीमावर्ती इलाकों में किसी भी प्रकार की सहायता के लिए तैयार है।

महापर्व छठ को लेकर पूरी तैयारी में जुटा रांची नगर निगम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम पूरी तैयारी में जुट गया है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने बताया कि इस बार निगम का फोकस सिर्फ प्राकृतिक तालाबों पर नहीं बल्कि कृत्रिम छठ घाटों पर भी रहेगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए शहर के कई इलाकों में अस्थायी यानी कृत्रिम तालाबों का निर्माण कराया जाएगा ताकि व्रतियों को किसी तरह की परेशानी न हो। नगर आयुक्त ने बताया कि छठ पर्व को लेकर निगम की टीमें लगातार इलाकेवार समीक्षा कर रही है। जल्द ही पूजा समितियों के साथ बैठक कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा। छठ घाटों पर लाइटिंग की विशेष व्यवस्था की जा रही है ताकि व्रतियों और आगंतुकों को आने-जाने में कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि आने-जाने वाले रास्तों पर स्ट्रीट लाइट और टेम्परेरी लाइटिंग दोनों की व्यवस्था होगी। संबंधित एजेंसियों को इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सुशांत गौरव ने बताया कि सभी

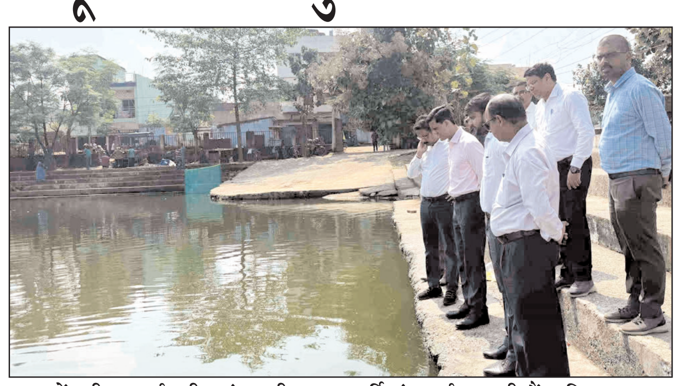

तालाबों की गहराई की जांच की जा रही है। गहरे तालाबों में सुरक्षा के लिहाज से बैरिकेडिंग की जाएगी ताकि कोई अंदर तक न जा सके। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रशासन को भी सभी जानकारी दी जा चुकी है और तालमेल बनाकर काम किया जा रहा है। नगर आयुक्त ने कहा कि छठ घाटों की साफ-सफाई और विकास कार्य लगातार जारी है। निगम द्वारा तालाबों की सफाई और मरम्मत की प्रक्रिया कंटीन्यूअस मोड पर चल रही है। दुर्गा पूजा और काली पूजा के दौरान मूर्ति विसर्जन के बाद तालाबों से समय पर मूर्तियां हटाई जा रही हैं ताकि छठ पूजा तक पानी पूरी तरह साफ रहे। उन्होंने बताया कि यदि कहीं गंदगी पाई जाती है या किसी माध्यम से कमियां उजागर होती हैं तो उन्हें तुरंत दूर किया जा रहा है। मीडिया द्वारा दिखाई गई खामियों पर भी निगम संवेदनशीलता से काम कर रहा है। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि इस बार रांची के हर छठ घाट पर बेहतर व्यवस्था हो चाहे वह प्राकृतिक हो या कृत्रिम। तैयारी युद्धस्तर पर चल रही है और छठ पर्व तक सभी आवश्यक कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।

बस और ट्रेलर के बीच टक्कर में 18 घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। जिले की चुटूपालू घाटी में गुरुवार को रांची से कोडरमा जा रही एक यात्री बस और एक ट्रेलर पलट गया। इस हादसे में दर्जनों लोग घायल हो गए। घटना के बाद रामगढ़ पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। जानकारी के अनुसार निशा रानी नामक बस यात्रियों को लेकर रांची से कोडरमा की ओर जा रही थी। इसी क्रम में घाटी में एक अनियंत्रित ट्रेलर ने बस को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस और ट्रेलर दोनों ही पलट गया जिससे घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे जिनमें से 18 घायल हुए। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से एंबुलेंस द्वारा रामगढ़ सदर अस्पताल भेजा गया। दुर्घटना के कारण रामगढ़-हजारीबाग-पटना मुख्य मार्ग बाधित हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था को सामान्य करने का प्रयास किया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने इस घटना पर नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि जब से घाटी में नई सड़क बनी है तब से यह 'मौत की घाटी' बन गई है। पिछले कई सालों से यहां आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं जिनमें लोग अपनी जान गंवा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रशासन द्वारा लगाए गए साइन बोर्ड और लाइटें भी दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने में प्रभावी साबित नहीं हो रही है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।
2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।
3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

कई तरह से लोगों की मदद कर रही इप्सोवा : हेमंत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। इंडियन पुलिस सर्विस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित तीन दिवसीय दीपावली मेले का आगाज हो गया है। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने मेले का विधिवत उद्घाटन किया। इंडियन पुलिस सर्विस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन की ओर से इस साल भी भव्य दिवाली मेले का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बता दें कि इप्सोवा के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर, इस बार का दिवाली मेला बेहद खास है। 16 अक्टूबर से शुरू हुए इस तीन दिवसीय मेले में सांस्कृतिक, सामाजिक और आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। मेले का

रांची में इप्सोवा दिवाली मेला का आगाज, मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

विधिवत उद्घाटन मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन द्वारा संयुक्त रूप से पारंपरिक स्वागत समारोह के बीच किया गया। मौके पर स्थानीय लोक कलाकारों के साथ-साथ सिक्किम और राजस्थान का लोकनृत्य विशेष आकर्षण रहा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उद्घाटन समारोह के दौरान कहा कि इप्सोवा कोई नया नाम नहीं है। इस संस्था के द्वारा कई बेहतरीन कार्य किया जा रहे हैं और पूर्व में किए भी गए हैं। संस्था के द्वारा कई तरह से लोगों की मदद की जा रही है। वर्तमान समय में यह बेहद जरूरी है कि समाज के हर तबके को अपने साथ खड़ा किया जाए। पुलिस विभाग ऐसा है जो हमारी जान माल की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर रहता है। पुलिस परिवार के द्वारा ही संस्था का संचालन होता आया है। मेले के प्रमुख आकर्षणों में लाइव पॉटरी मेकिंग, सोहराय पेंटिंग और पोर्ट्रेट मेकिंग शामिल हैं जबकि पुलिस मॉडर्नाइजेशन स्टॉल्स में हथियार, गोला-बारूद और लैंड माइंस वाहन प्रदर्शित किए जा रहे हैं, जो दिवाली मेले का स्टार आकर्षण है। परेड ग्राउंड में एयरो मॉडलिंग, यानि छोटे विमान बनाने और उड़ाने की कला और आर्चरी की भी बच्चों के लिए खास व्यवस्था की गई है।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : उपायुक्त समीरा एस की अध्यक्षता में गुरुवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में सर्वप्रथम उन्होंने जिला परिवहन पदाधिकारी जितेंद्र यादव से सितंबर महीने में हुए सड़क दुर्घटनाओं की जानकारी ली। बताया गया कि सितंबर माह में 18 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें 11 लोगों की मृत्यु व 12 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जबकि दो सामान्य रूप से घायल हैं। उपायुक्त ने सड़क दुर्घटनाओं की अद्यतन स्थिति, ब्लैक स्पॉट, अतिक्रमण व सड़क जागरूकता कार्यक्रम पर समीक्षा की। साथ ही अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान पूर्व की बैठक में दिये गये निदेशों का अनुपालन की समीक्षा की।

सितंबर में कुल 406 वाहनों की हुई जांच, 12 लाख रुपये वसूले गए जुमार्ना

बैठक में डीटीओ यादव ने बताया कि सितंबर माह में विभिन्न थाना स्तर पर कूल 406 वाहनों की जांच की गयी। इसमें 370 वाहनों से 12 लाख 97 हजार 54 रुपये बतौर जुमार्ना वसूला गया। उन्होंने बताया कि 257 बाइक सवार वगैर हेलमेट के बाइक चला रहे थे। जबकि 5 ड्रिंक एंड ड्राइव के केस में कार्रवाई की गयी है। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2022 से सितंबर 2025 तक हिट एंड रन से जुड़े 162 घटनाएं दर्ज है। इसमें से 69 मामलों में भुगतान किया जा चुका है। इसमें 28 बीमा कम्पनी के स्तर पर लंबित है यह भी जल्द ही क्लियर हो जायेगा। वहीं 43 जांच पदाधिकारी व 22 लाभुक स्तर पर लंबित है। इसी तरह इस वर्ष गुड सेमेरिटन के तहत 5 लोगों को लाभ प्रदान किया गया। उपायुक्त ने वाहन जांच का दायरा बढ़ाने पर बल दिया।

डीटीओ को एक्सीडेंट प्रोन एरिया की सूची एनएच, एनएचएआई व आरसीडी को सौंपने का दिया गया निर्देश

डीसी ने एक्सीडेंट प्रोन एरिया की समीक्षा करते हुए डीटीओ को एक्सीडेंट प्रोन एरिया की सूची एनएच, एनएचएआई व आरसीडी को उपलब्ध कराने की बात कही। इसके पश्चात उन्होंने बैठक में मौजूद तीनों एजेंसियों के प्रतिनिधियों को लिस्ट के अनुसार उन सभी स्थलों पर रोड सेफ्टी के सभी उपकरण या उपाय करने पर बल दिया। इसी क्रम उन्होंने निजी हॉस्पिटल्स द्वारा आईआरएडी के तहत एंट्री सुनिश्चित करवाने की बात कही। इसके लिए आवश्यकतानुसार सभी हॉस्पिटल प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण देने की बात कही।इसके अलावा उन्होंने हिट एंड रन के मामले, ट्रैफिक पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग अभियान, स्कूलों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता कार्यक्रम, मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना आदि की समीक्षा की। मौके पर डीएमओ, विभिन्न एसडीपीओ, उत्पाद अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी रणवीर सिंह, पलामू व चतरा सांसद प्रतिनिधि, जिला परिवहन पदाधिकारी समेत सड़क सुरक्षा समिति के विभिन्न सदस्य उपस्थित थे।

चौपारण में लूट कांड का खुलासा, तीन अपराधी गिरफ्तार

दो घंटे में पुलिस ने की वाहन व नगदी बरामद

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। जिले के चौपारण थाना क्षेत्र में लूट की बड़ी वारदात का हजारीबाग पुलिस ने महज दो घंटे में सफल उद्भेदन कर लिया। पुलिस ने लूट में शामिल तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटी गई पिकअप वैन, नकदी 21,300, मोबाइल फोन और लूट में प्रयुक्त ब्रेजा गाड़ी जब्त कर ली है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वादी रुपेश कुमार (उम्र 22 वर्ष), पिता श्री राम सजीवन राय, निवासी दरवा, थाना ताजपुर, जिला समस्तीपुर (बिहार) ने आवेदन देकर बताया कि वह 15 अक्टूबर को अपनी पिकअप वैन (संख्या BR-01GL-8677) में मेडिकल की दवाइयाँ लेकर रांची जा रहे थे। 16 अक्टूबर की रात करीब 1:00 बजे चौपारण घाटी पार करने के बाद सीएम होटल के पास एक काले रंग की ब्रेजा (संख्या JH-02BT-7723) ने ओवरटेक कर वाहन रोक लिया। आरोपियों ने वादी के साथ मारपीट की और उनकी पिकअप वैन, नकदी 21,300 और मोबाइल लूटकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही श्री अजित कुमार विमल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी एवं मानवीय संसाधनों के सहयोग से छापेमारी करते हुए पुलिस ने दो घंटे के भीतर सरदारपुर जीटी रोड से ब्रेजा वाहन के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर लूटी गई पिकअप वैन के साथ तीसरे अपराधी को भी पकड़ा गया।

गिरफ्तार अपराधी

1. शिवम् कुमार (उम्र 20 वर्ष), पिता मिथिलेश चौरसिया, निवासी बराई केंदुआ, थाना चौपारण, जिला हजारीबाग। 2. राहुल सिंह (उम्र 30 वर्ष), पिता बाबूलाल सिंह, निवासी गणपति होटल के सामने, थाना इटखोरी, जिला चतरा। 3. अरविन्द चौरसिया (उम्र 33 वर्ष), पिता परमेश्वर चौरसिया, निवासी इटखोरी, जिला चतरा।

बरामदगी

राहुल सिंह से काले रंग की ब्रेजा गाड़ी (JH-02BT-7723), मोबाइल और 21,300 नकद। अरविन्द चौरसिया से लूटा गया Oppo F25 Pro 5G मोबाइल। शिवम् कुमार से लूटी गई पिकअप वैन (BR-01GL-8677) और मोबाइल फोन।

छापामारी दल में शामिल अधिकारी

श्री अजित कुमार विमल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बरही। श्री चंद्रशेखर कुमार, पुलिस निरीक्षक, बरही अंचल। सरोज सिंह चौधरी, प्रभारी थाना चौपारण। रवि रंजन, सहायक उपनिरीक्षक, चौपारण। श्रवण कुमार पासवान (अनुसंधानकर्ता), सहायक उपनिरीक्षक, चौपारण। जगदीश चन्द्र प्रधान, सहायक उपनिरीक्षक, चौपारण। बादल कुमार महतो, सहायक उपनिरीक्षक, चौपारण।

थाना रिजर्व गार्ड दल

हजारीबाग पुलिस की इस तत्परता ने एक बार फिर अपराधियों के हौसले पस्त कर दिए हैं।

चैनपुर प्रखंड की सभी पंचायतों में पंचायत विकास समन्वय मंच की मासिक बैठक होगी आयोजित : सुनील सिंह

विकसित भारत, विकसित चैनपुर की दिशा में दो दिवसीय ब्लॉक विजनिंग कार्यशाला आयोजित

■ चैनपुर प्रमुख सुनील सिंह व बीडीओ प्रदीप कुमार दास ने किया दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। चैनपुर प्रखंड में आयोजित दो दिवसीय ब्लॉक विजनिंग कार्यशाला का समापन किया गया। कार्यशाला 14 से 15 अक्टूबर तक होटल रिवर व्यू रिसॉर्ट में आयोजित की गई थी। कार्यशाला का मुख्य संचालन मास्टर ट्रेनर रूपक घोष व आकि ब जावेद ने संयुक्त रूप से किया। दोनों ने सत्र को सहभागी, प्रेरणादायक व अनुभवजन्य बनाते हुए प्रतिभागियों को ब्लॉक स्तर की सामूहिक दृष्टि निर्माण प्रक्रिया से जोड़ा।

कार्यशाला का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख सुनील सिंह व प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रदीप कुमार दास ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सभी पंचायतों के मुखिया, क्लस्टर लेवल फेडरेशन की महिलाएं, किसान उत्पादक संगठन के प्रतिनिधि व प्रखंड स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला में विकसित भारत, विकसित चैनपुर की दिशा में एक साझा मंच बनाने व प्रशासन, जनप्रतिनिधि व सामुदायिक संगठन मिलकर प्रखंड के विकास यात्रा की नई रूपरेखा तैयार करने की कोशिश की गई। प्रतिभागियों ने सामूहिक गतिविधियों, माइक्रोलैब अभ्यास व खेलों के माध्यम से यह समझा कि ब्लॉक व पंचायत स्तर की व्यवस्थाएं भी एक संगठित प्रणाली के रूप में कार्य करती हैं। इनके प्रत्येक घटक की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में यह निर्णय लिया गया कि चैनपुर प्रखंड की सभी पंचायतों में पंचायत विकास समन्वय मंच की मासिक बैठकें आयोजित की जाएंगी। साथ ही ब्लॉक स्तर पर भी इस मंच की बैठक प्रत्येक माह आयोजित की जाएगी। टीआरआई की संदीप किरो, मोनिस खान व निखिल येड़े मौजूद थे।

बरही में आज भाजपा का कार्यकर्ता सम्मेलन

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर होगा मंथन

बरही/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बरही टाउन हॉल (नगर भवन) में आज भाजपा की ओर से ‍ह्नआत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान‍ह्व विषय पर विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में पार्टी के शीर्ष पदाधिकारी, विधायक, एवं विभिन्न मंडलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे।

मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद शामिल होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव तथा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में बरही विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी मंडलों के मंडल अध्यक्ष, मंडल पदाधिकारी, मंडल कार्यसमिति सदस्य, सभी मंच-मोर्चा के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, सक्रिय सदस्य, साथ ही प्रदेश व जिला स्तर के पदाधिकारी एवं पूर्व अध्यक्षगण आमंत्रित किए गए हैं। इस सम्मेलन का उद्देश्य संगठन को और मजबूत करना तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाना बताया गया है। बरही में पार्टी कार्यकताओं में सम्मेलन को लेकर उत्साह देखा जा रहा है।

चौपारण अस्पताल की लचर व्यवस्था पर उमाशंकर अकेला का आक्रोश

बिरहोर बच्ची की मौत को बताया स्वास्थ्य तंत्र की नाकामी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) चौपारण की बदहाल व्यवस्था को लेकर बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने बिरहोर समुदाय की 12 वर्षीय बच्ची सरस्वती कुमारी की मौत को स्वास्थ्य विभाग की नाकामी बताते हुए कहा कि यदि समय पर इलाज और सही सुविधा मिलती, तो मासूम की जान बचाई जा सकती थी।

पूर्व विधायक ने कहा कि पूर्व प्रभारी चिकित्सक डॉ. फरहाना महफुज लंबे समय से अस्पताल से अनुपस्थित रहती थीं और ज्यादातर समय कोडरमा स्थित अपने निजी नर्सिंग होम में देती थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस लापरवाही का सबसे ज्यादा असर गरीब और आदिवासी वर्ग के मरीजों पर पड़ा, जिन्हें इलाज के अभाव में परेशान होना पड़ा।

उन्होंने यह भी कहा कि सरस्वती कुमारी के शव को एंबुलेंस से बीच रास्ते में छोड़ दिया जाना बेहद शर्मनाक और अमानवीय घटना है। इससे चौपारण अस्पताल की संवेदनहीनता उजागर होती है।

हालांकि प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पूर्व प्रभारी को हटा दिया है और धर्मनाथ ठाकुर को नया प्रभारी चिकित्सक नियुक्त किया गया है। उमाशंकर अकेला ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि अब अस्पताल की कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

साथ ही उन्होंने प्रशासन से मांग की कि अस्पताल में डॉक्टरों की संख्या बढ़ाई जाए, नियमित निगरानी की व्यवस्था हो, और गरीब व आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। पूर्व विधायक ने कहा कि चौपारण जैसे पिछड़े इलाके में स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ होना अत्यावश्यक है, क्योंकि आज भी यहां की जनता बुनियादी चिकित्सा सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है।

जन सुराज के मनिहारी विधायक प्रत्याशी बबलू सोरेन का हुआ जोरदार स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। 67 मनिहारी सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज के मनिहारी विधायक प्रत्याशी बनाये गये फुलहारा पंचायत के मुखिया बबलू सोरेन को पटना से टिकट लेकर कटिहार लौटे। कटिहार लौटने पर उनका कटिहार स्टेशन पर जहाँ जमकर स्वागत किया गया। वहीं मनसाही पहुंचने पर पंचायत जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकताओं एवं समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया और इसे मनसाही के लिए गौरव की बात बताया। प्रत्याशी बबलू सोरेन ने टिकट मिलने के बाद फुलहारा अपने निवास स्थान पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि पहली बार किसी पार्टी ने मनिहारी विधानसभा क्षेत्र से मूल आदिवासी को टिकट देने का काम किया हैं। इसके लिए जन सुराज के प्रशांत किशोर एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह को ह्रदय से धन्यवाद हैं। उन्होंने कहा कि मनिहारी में बाढ़, कटाव, पलायन, बेरोजगारी,भ्रष्टाचार एवं खस्ताहाल शिक्षा व्यवस्था आदि मुख्य समस्या हैं । और स्थानीय उम्मीदवार होने के नाते इन समस्याओं को वह व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। जिसे जीतने के बाद उनके और उनके पार्टी विचारधारा के अनुसार इन समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों का सहयोग एवं पार्टी का विश्वास उनके साथ हैं और इसी विश्वास के साथ जीत भी हासिल करेंगे। इस अवसर पर जन सुराज पार्टी के सैफ अली खान,संजीव देव,जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद, मुखिया सह संघ के अध्यक्ष शंकर कुमार यादव, संतोष कुमार यादव, मुखिया शशि कुमार मंडल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक साथ रहे।

पीपीआईडी पार्टी से मनीषा कुमारी ने सदर विधानसभा क्षेत्र से किया नामांकन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार नगर। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गलियारों में सरगर्मी तेज हो गई है। इसी कड़ी में, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया डेमोक्रेटिकपीपीआईडी की उम्मीदवार मनीषा कुमारी ने गुरुवार को सदर विधान क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

नामांकन दाखिल करने के साथ ही उन्होंने चुनावी मैदान में ताल ठोक दी है और अपनी जीत का दावा भी किया है। नामांकन प्रक्रिया पूरी करने के बाद मनीषा कुमारी ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य उद्देश्य क्षेत्र का चहुंमुखी विकास करना है और जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करना है। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के मुद्दों पर जोर देते हुए कहा कि क्षेत्र में इन मूलभूत सुविधाओं की कमी है, जिसे दूर करने के लिए वह प्रतिबद्ध हैं। पीपीआईडी उम्मीदवार ने कहा कि उनकी पार्टी जनता के बीच एक मजबूत विकल्प बनकर उभरी है और उन्हें सदर विधान क्षेत्र की जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस चुनाव में जनता उन्हें मौका देगी ताकि वह क्षेत्र के विकास के लिए ईमानदारी से काम कर सकें। मनिषा कुमारी के नामांकन के दौरान पीपीआईडी पार्टी के कई स्थानीय नेता और समर्थक मौजूद रहे।

आप ने राजेश गुरनानी को बनाया उम्मीदवार

कटिहार नगर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी आप ने कटिहार विधानसभा सीट से राजेश गुरनानी को अपना आधिकारिक उम्मीदवार घोषित कर दिया है। पार्टी के इस निर्णय के बाद स्थानीय कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह की लहर दौड़ गई है। टिकट लेकर घर आने के बाद गुरनानी के आवास एवं स्टेशन प्रांगण पर समर्थकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिन्होंने माला और गुलाब के फूलों से उनका स्वागत किया। गुरनानी ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "यह टिकट केवल राजेश गुरनानी को नहीं मिला है, बल्कि यह कटिहार के हर उस आम नागरिक को मिला है, जो बदलाव चाहता है। आम आदमी पार्टी का मुख्य एजेंडा शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना है, और मैं कटिहार की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि इन मुद्दों पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा।"

ओ जाने वाले फिर कल लौट कर आना?

जसीम अंसारी /अमदाबाद / कटिहार/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ओ जाने वाले फिर कल लौट कर आना। यह नजारा प्रतिदिन अमदाबाद प्रखंड में देखने को मिलता है। प्रतिदिन सैकड़ो की तादाद में मजदूर रोजगार हेतु भारत के विभिन्न शहरों में जाते हैं। मजदूर के परिजन बड़ी तादाद में रोते बिलखते हुए अपने पुत्र एवं पति को बस स्टैंड, ऑटो स्टैंड, छोड़ने आते हैं। सभी के आंखों में आंसू भरे रहते हैं। कि तुम जल्दी लौट के आना। वह दृश्य काफी मार्मिक एवं हृदय विदारक होता है। पत्नी बच्चों का कसम दिलाती हैं,तो मां पूर्वजों का उसे समय जो भी आम लोग होते हैं। उनके आंसू थमने का नाम नहीं लेता। इस प्रखंड में 80 के दशक के बाद से लेकर आज तक हजारों मजदूरों ने अन्य राज्यों को संवारने में अपनी जान गवा दी। लेकिन आज भी हम बिहार सबसे पिछड़े हुए राज्यों में गिने जाते हैं। मामला एक - 29 सितंबर को उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा, सेक्टर 100 में अमदाबाद प्रखंड के पूर्वी करीमुल्लापुर पंचायत, वार्ड संख्या 10 निवासी शेख रामजु की छत ढलाई कार्य के दौरान करंट लगने से मौत हो गई। मामला दो - 5 मई को दिल्ली के तुगलकाबाद स्थित बाल्मीकि नगर में शेटरिंग का काम करते हुए दक्षिणी करीमुल्लापुर पंचायत, वार्ड सदस्य नंदलाल मंडल के पुत्र शंकर मंडल की करंट लगने से मौत हो गई। मामला तीन - दिल्ली से अमदाबाद लौटते समय मुगलसराय स्टेशन के पास चलती ट्रेन से गिरने के कारण भवानीपुर खट्टी निवासी रतन मंडल की मौत हो गई।

एस. के. मंडल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन के जन्मदिन पर 25 छात्रों को मिलेगी निःशुल्क शिक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एस. के. मंडल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन श्री एस. के. मंडल के जन्मदिन के अवसर पर समूह की ओर से एक महत्वपूर्ण सामाजिक एवं शैक्षणिक पहल की घोषणा की गई। इस अवसर पर श्री मंडल ने घोषणा की कि समूह के अंतर्गत संचालित संस्थानों में अध्ययनरत कुल 25 विद्यार्थियों को 'एस. के. मंडल छात्रवृत्ति योजना' के तहत पूर्ण रूप से निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जाएगी।

इस विशेष छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत चयनित छात्रों को ओ.टी. असिस्टेंट, डी.एम. एल.टी., तथा ड्रेसर जैसे प्रमुख चिकित्सा एवं पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण एवं शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह योजना एस. के. मंडल ग्रुप के अंतर्गत संचालित निम्नलिखित संस्थानों में लागू होगी।

कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस, समस्तीपुर। विद्यापति इंस्टिट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, समस्तीपुर। कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस, पूर्णिया। कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, पटना। कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, मधेपुरा।

इस छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन मेधावी छात्रों को गुणवत्तापूण 'शिक्षा प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। हमारा लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में इस योजना का दायरा बढ़ाया जाए ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी इसका लाभ प्राप्त कर सकें। समूह के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने चेयरमैन श्री एस. के. मंडल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा उनके इस प्रेरणादायक एवं समाजोपयोगी कदम की सराहना की। यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

धनतेरस पर बुलेट की जबरदस्त मांग : राइडर्स प्वाइंट शोरूम में युवाओं की लगी लंबी कतारें

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। धनतेरस का पर्व नजदीक आते ही शहर के टू-व्हीलर शोरूमों में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। विशेष रूप से राइडर्स प्वाइंट बुलेट बाइक शोरूम में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। धनतेरस को शुभ माना जाता है और इस दिन नई वस्तुओं की खरीदारी को विशेष रूप से लाभदायक समझा जाता है। इसी कारण बुलेट बाइक की बिक्री में इस वर्ष जबरदस्त वृद्धि देखी जा रही है।

त्योहारी सीजन को लेकर राइडर्स प्वाइंट हजारीबाग ने ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफर्स और फाइनेंस योजनाएं शुरू की हैं। शोरूम के संचालक शेखर लाल ने बताया कि जीएसटी दर 28% से घटकर 18% हो जाने के कारण ग्राहकों में बुलेट खरीदने का उत्साह बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों को 7 वर्ष तक के लोन की सुविधा दी जा रही है, साथ ही बाइक खरीदने पर हेलमेट मुफ्त दी जा रही है। इसके अलावा ?4,999 के न्यूनतम डाउन पेमेंट पर बुलेट बाइक उपलब्ध है। शेखर लाल ने कहा कि युवाओं में बुलेट बाइक को लेकर अलग ही दीवानगी है। दमदार परफॉर्मेंस, आकर्षक लुक और रॉयल अहसास के चलते यह युवाओं की पहली पसंद बनी हुई है। उन्होंने अनुमान जताया कि इस धनतेरस पर बुलेट की बिक्री पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक होगी। त्योहार की रौनक के बीच बुलेट शोरूमों की बढ़ती भीड़ यह दर्शाती है कि हजारीबाग में रॉयल एनफील्ड का क्रेज लगातार नए मुकाम पर पहुंच रहा है।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने रचा इतिहास

13वीं नेशनल गतका चैंपियनशिप में नेहा टोप्पो और अंशु कुमारी ने जीते पदक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। झारखंड बरही के श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों ने 13वीं नेशनल गतका चैंपियनशिप में अपनी प्रतिभा का डंका बजाया है। देवचंदा मोड़ बरही, स्थित इस स्कूल के सात युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी कला और साहस का शानदार प्रदर्शन किया।।जिसमें दो खिलाड़ियों ने पदक जीतकर स्कूल और राज्य का नाम रोशन किया।

■ स्कूल का लक्ष्य बच्चों को हर क्षेत्र में चमकने का अवसर देना है : विकास सिंह

नेहा टोप्पो ने अंडर-17 व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया, जबकि अंशु कुमारी ने अंडर-14 टीम स्पर्धा में कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। यह उपलब्धि न केवल इन खिलाड़ियों की मेहनत का सबूत है, बल्कि स्कूल के समर्पण और अनुशासन का भी परिचय देती है। प्रतियोगिता में स्कूल के सात छात्र-छात्राएं अलग-अलग आयु वर्गों में उतरे थे। अंडर-14 कैटेगरी में कुमार (कक्षा 7) ने अपनी तेजी और तकनीक से सबको प्रभावित किया। अंडर-17 कैटेगरी में अंशु कुमारी, लक्की कुमार और नेहा टोप्पो ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें नेहा ने व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक और अंशु ने टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। अंडर-19 कैटेगरी में रौशन चौबे और एम.डी. राजा ने भी अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। कोच हर्ष, जिनके मार्गदर्शन में ये बच्चे तैयार हुए, उन्होंने कहा हमारे खिलाड़ी पूरी तरह तैयार थे और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। नेहा और अंशु के पदक हमारी मेहनत का इनाम हैं। ये बच्चे हमारे लिए सच्चे चैंपियन हैं, और हमें विश्वास है कि ये आगे भी ऐसे ही झंडे गाड़ेंगे स्कूल प्रबंधक विकास सिंह ने भी इस मौके पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, "श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल का लक्ष्य बच्चों को हर क्षेत्र में चमकने का अवसर देना है। नेहा और अंशु की सफलता हमारी उस सोच का परिणाम है, जिसमें पढ़ाई के साथ-साथ खेल और संस्कारों को भी महत्व दिया जाता है। ये बच्चे झारखंड का नाम पूरे देश में ऊंचा कर रहे हैं।"

14 लाख की नकली अंग्रेजी शराब जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। लौहनगरी से सटे सरायकेला जिले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में लगभग 14 लाख रुपये मूल्य की नकली अंग्रेजी शराब बरामद की है। साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार कर अवैध शराब कारोबार के नेटवर्क पर करारा प्रहार किया गया है। सरायकेला जिला पुलिस अधीक्षक मुकेश लूनायत ने बताया कि जिले में अवैध शराब के विरुद्ध निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि सरायकेला थाना क्षेत्र के हाथीमारा गांव में नकली अंग्रेजी शराब का अवैध कारोबार हो रहा है। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई और मौके पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 248 पेटी विभिन्न ब्रांड की नकली शराब, स्टीकर, सीलिंग मशीन और पैकिंग में प्रयुक्त अन्य सामग्री जब्त की। मौके से दो आरोपितों दीपक नामित और लुगनी हेंब्रम, दोनों निवासी खरसावां थाना क्षेत्र को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने कई अन्य तस्करों के नामों का खुलासा किया है। पुलिस ने बताया कि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान जारी है। एसपी ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध शराब के खिलाफ यह अभियान आगामी दिनों में और तेज किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके।

पीवीयूएनएल ने यूनिट-1 के सफल ट्रायल ऑपरेशन के साथ हासिल किया एक बड़ा माइलस्टोन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातू। एनटीपीसी की सहायक इकाई और झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के संयुक्त उद्यम पतरातू विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) ने अपनी प्रमुख विद्युत परियोजना (चरण-I, 3x800 मेगावाट) की यूनिट-1 का 72 घंटे का सफल ट्रायल ऑपरेशन 16 अक्टूबर 2025 को पूर्ण कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। यह सफलता झारखंड की विद्युत अवसंरचना को सुदृढ़ करने, राज्य की आत्मनिर्भरता को बढ़ाने तथा भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं में सार्थक योगदान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस परियोजना की नींव भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 25 मई 2018 को रखी गई थी।

इस माइलस्टोन अवसर पर ए.के. सहगल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), पीवीयूएनएल; अनुपम मुखर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (परियोजना); मनीष क्षेत्रपाल, महाप्रबंधक (ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस); विष्णु दत्ता दास, महाप्रबंधक (परियोजना); ओ.पी. सोलंकी, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस); तथा संगीता दास, महाप्रबंधक (टी एंड एस) सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस सफलता का साक्षी बना गया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में ए.के. सहगल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पीवीयूएनएल ने कहा कि पीवीयूएनएल राज्य झारखंड को अपनी कुल विद्युत उत्पादन का लगभग 85% हिस्सा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि हमारे कर्मियों के अथक प्रयासों, झारखंड सरकार के सहयोग और सभी हितधारकों के समर्थन से ही संभव हो सकी है। पीवीयूएनएल में नवीनतम उन्नत तकनीकों को अपनाया गया है जैसे कि पूरी तरह से ड्राई ऐश यूटिलाइजेशन सिस्टम जो सर्कुलर इकॉनमी को प्रोत्साहित करता है, अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल तकनीक जो कार्बन उत्सर्जन को न्यूनतम करती है, और एयर-कूल्ड कंडेंसर प्रणाली जो जल संरक्षण एवं सतत विकास सुनिश्चित करती है। यूनिट-1 के सफल ट्रायल ऑपरेशन की यह उपलब्धि पीवीयूएनएल, एनटीपीसी, झारखंड सरकार तथा सभी साझेदार संस्थाओं की सामूहिक प्रतिबद्धता और समन्वित प्रयासों का परिणाम है, जिसने राष्ट्र के लिए एक विश्वसनीय, पर्यावरण-अनुकूल और कुशल ऊर्जा तंत्र के निर्माण के लक्ष्य को एक नई दिशा प्रदान की है। परियोजना के पूर्ण रूप से चालू हो जाने पर 3x800 मेगावाट की यह परियोजना झारखंड राज्य में ऊर्जा की उपलब्धता और विश्वसनीयता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाएगी, जिससे राज्य के आर्थिक एवं औद्योगिक विकास को नई गति प्राप्त होगी।

दस्तावेजों से छेड़छाड़ करने वालों के साथ कड़ी कार्रवाई करने का दिया निर्देश

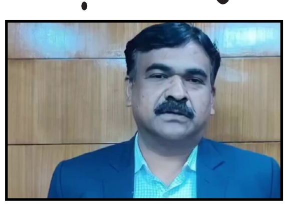

वोटर आईडी बनाने के क्रम में उम्र से संबंधित दस्तावेजों में छेड़छाड़ की मिल रही सूचना पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने लिया संज्ञान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सभी विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को पत्र के माध्यम से सूचित किया है कि प्रपत्र 6, 7 एवं 8 का निष्पादन विदित रीतियों द्वारा किया जाता रहा है। परंतु ऐसी सूचना प्राप्त हो रही है कि अन्य सरकारी लाभ लेने के उद्देश्य से कतिपय व्यक्तियों/ प्रज्ञा केंद्रों/ साइबर कैफे इत्यादि द्वारा आयु हेतु वांछित दस्तावेजों के आयु में छेड़–छाड़ कर वोटर आईडी के लिए आवश्यक दस्तावेजों के रूप में संलग्न कर अपलोड किया जा रहा है। के. रवि कुमार ने सभी विधानसभा के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि यदि वोटर आईडी बनाने के क्रम में ऐसे संदिग्ध दस्तावेज पाए जाते हैं तो संलिप्त व्यक्तियों / प्रज्ञा केंद्रों/ साइबर कैफे इत्यादि पर आवश्यक कार्यवाही की जाए।

मदनपुर बाजार में सार्वजनिक शौचालय नहीं होने से ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मदनपुर बाजार में 1500 से अधिक दुकानें हैं परंतु सार्वजनिक शौचालय की नहीं होने से ग्रामीणों की परेशानी होती है। खासकर महिलाओं और दुकानदारों को शौच के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। बाजार में आने वाले लोगों को खुले में शौच करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्य को ठेस पहुंचती है। महिलाओं को सार्वजनिक शौचालय की कमी के कारण सबसे ज्यादा परेशानी होती है, क्योंकि उन्हें शौचालय की सुविधा नहीं मिल पाती है। दुकानदारों को भी परेशानी होती है, क्योंकि ग्राहक परेशान होकर बिना समान लिए लौट जाते हैं। खुद दुकानदार भी शौच करने के लिए यहां-वहां भटकते हैं। बता दें कि मदनपुर संगत रोड पर और थाना के गेट के बगल में बना सार्वजनिक शौचालय भी बदहाल स्थिति में है। शौचालय के कमरों में कचड़े की अंबार लगा हुआ है और उसका उपयोग नहीं हो पा रहा है। इससे लोगों को और भी परेशानी हो रही है। मदनपुर मेला में प्रत्येक रविवार को लगने वाले साप्ताहिक पशु मेला में पशुओं और साग-सब्जी, फल, रोजमर्रा की सामग्री तक की बिक्री होती है, जिसमें औरंगाबाद के अलावा गयाजी और झारखंड राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र के लोग बेचने या खरीदारी करने आते हैं। उन्हें शौचालय की सुविधा नहीं मिल पाती है जिससे उन्हें काफी परेशानियां झेलनी पड़ती है।

देवघर के गोबर के दीयों से इस दीपावली घर-घर में फैलेगा उजाला, महिलाएं बन रहीं आत्मनिर्भर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। इस दीपावली झारखंड के देवघर की खुशबू देशभर में फैलने वाली है। यहां की महिलाएं गोबर से पर्यावरण के अनुकूल दीये बनाकर न केवल घरों को रोशन कर रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी पेश कर रही हैं। गो-वर क्राफ्ट नामक पहल के तहत स्थानीय महिलाओं को गोबर से दीये बनाने का प्रशिक्षण दिया गया है। इस पहल की शुरुआत सोनाली मेहता और रौशन सिंह ने की है। सोनाली का कहना है कि इन महिलाओं के लिए दीये बनाना सिर्फ आजीविका का साधन नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और स्वावलंबन का प्रतीक है। दीये बनाने की प्रक्रिया पूरी तरह पारंपरिक और पर्यावरण हितैषी है। महिलाएं सुबह से शाम तक मेहनत कर सूखे गोबर को बारीक पाउडर में पीसती हैं। इसमें ताजा गोबर और प्री-मिक्स पाउडर मिलाकर मिश्रण तैयार किया जाता है। फिर सांचों में डालकर दीयों का आकार दिया जाता है। लगभग तीन दिन सुखाने के बाद इन दीयों को रंगा जाता है

और बाजार में बेचने के लिए तैयार किया जाता है। इन दीयों की बिक्री से जहां एक ओर दीपावली पर घर-घर में देसी रोशनी फैलेगी, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में भी आर्थिक उजाला आएगा। इस अनोखी पहल से झारखंड की पारंपरिक संस्कृति को नई दिशा मिल रही है और साथ ही स्वच्छ, हरित और आत्मनिर्भर भारत का संदेश भी घर-घर तक पहुंच रहा है।

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

विद्युत/क०वि० विभाग के लिये खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबंधक/विद्युत/पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्र०सं० 01, ई–निविदा संख्या : TRD-OT-26-FOB-KSHR-25-26, कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि :** GC Section:-Provision of 3.0M wide FOB at KSHR & BNSL . **कार्य समापन की अवधि–** (06) छः माह। **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रूपया 12,72,291.89/– निविदा प्रपत्र का मूल्य – शून्य/–, **03. बीड सिक्युरिटी:** 25,500/–, **04. ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय :** ई–निविदा बंद होने की तिथि 06.11.2025 को 11:00 बजे, ई–निविदा खुलने की तिथि 06.11.2025 को 11:30 बजे, **05. वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट : www.ireps.gov.in ई निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक/क०वि०/धनबाद

पीआर/1161/डीएचएन/टीआरडी/टी/25–26/28

लाखों रुपए के पटाखे जब्त, कई दुकानें सील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। झारखंड की उप राजधानी दुमका में नियमों को ताक पर रखकर अवैध रूप से पटाखा का कारोबार कर रहे दुकानदारों के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में लाखों रुपए के पटाखे जब्त किए गए हैं। कई दुकानों और गोदामों को भी सील कर दिया गया है। दीवाली को लेकर भारी मात्रा में पटाखे स्टॉक किए गए थे। प्रशासन के इस कार्रवाई से पटाखा के अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। दुमका में बुधवार की देर शाम एसडीएम कौशल कुमार के नेतृत्व में अवैध रूप से पटाखों का कारोबार कर रहे दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसमें एसडीपीओ विजय कुमार महतो, सीओ अमर कुमार समेत भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। यह छापेमारी टीम पहले शहर के सनसाइन गली में पहुंची और वहां कई दुकानों में दबिश दी जहां भारी मात्रा में पटाखे रखे गए थे। पटाखों का यह कारोबार खिलौने दुकान की आड़ में संचालित हो रहा था। इसके बाद एसडीएम कौशल कुमार के निर्देश पर इन दुकानों को सील कर दिया गया। बाद में प्रशासन की टीम धर्मशाला रोड पहुंची जहां पटाखों के एक दुकान का शटर गिरा था। अचानक एसडीएम और अन्य अधिकारी पहुंचे और जब उस दुकान का शटर उठाया गया तो भारी मात्रा में पटाखे बरामद हुए। साथ ही दुकान के ऊपर ही एक गोदाम बनाया गया था जिसमें अवैध रूप से पटाखे स्टॉक किए गए थे, इसे भी सील कर दिया गया है। इन सभी दुकानदारों से जब लाइसेंस की मांग की गई तो उन्होंने कहा कि इसके लिए लाइसेंस तो बनाया ही नहीं है। इस पूरे कार्रवाई पर एसडीएम कौशल कुमार ने कहा कि गुप्त सूचना मिली थी कि शहर के भीड़भाड़ वाले बाजार और रिहायशी इलाकों में अवैध रूप से पटाखे की बिक्री की जा रही है। यहां भारी मात्रा में इसका स्टॉक रखा गया है। इसी सूचना के आधार पर यह छापेमारी की गई है। उन्होंने कहा कि पटाखा बेचने के लिए जिला प्रशासन ने लाइसेंस धारियों के लिए यज्ञ मैदान और गांधी मैदान में जगह चिन्हित किया है। कोई भी व्यक्ति इस तरह से पटाखे नहीं बेच सकता है। यह बेहद खतरनाक है। इससे कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है। एसडीएम ने कहा कि इस छापेमारी में जिन

रांची में धनतेरस में पांच हजार करोड़ से ज्यादा के कारोबार की उम्मीद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। धनतेरस को लेकर बाजार सज चुका है। सोने-चांदी की कीमतों में अप्रत्याशित तेजी के बावजूद सर्राफा बाजार चमक रहा है। यही स्थिति बनी रही तो इस साल रिकॉर्ड कारोबार होने के आसार हैं। रांची जिला सोना-चांदी आभूषण विक्रेता संघ के अध्यक्ष संतोष सोनी की मानें तो पिछले साल की तुलना में इस बार तीन गुणा बिक्री होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पिछले साल झारखंड में करीब 1700 करोड़ का कारोबार धनतेरस के मौके पर हुआ था। इस साल 5000 करोड़ पार करने की संभावना है। ग्राहकों के इस रूझान से उत्साहित सर्राफा व्यवसायियों का मानना है कि खरीदारी में आई तेजी के पीछे सोने चांदी में हर दिन आ रहे उछाल से प्रभावित होकर लोग जमीन में निवेश करने के बजाय गोल्ड पर इन्वेस्टमेंट करने में लगे हैं, जिसे कम समय में उन्हें ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल रहा है। कुछ ऐसे भी ग्राहक हैं जिनके परिवार में शादी विवाह आने वाले समय में होने हैं, वह अभी ज्वेलरी खरीद करके रखना चाहते हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि सोना 2 लाख से ऊपर और चांदी 7 लाख से ऊपर जाएगा, इससे बचने के लिए लोगों में होड़ मची है। धनतेरस के मौके पर सोने चांदी से बने आभूषण खरीदने की परंपरा रही है। ऐसे में कीमतों में हर दिन आ रहे उछाल को देखते हुए लोग अपने बजट में ही हल्के गहनों और चांदी के सिक्कों की खरीदारी पर जोर दे रहे हैं। हालांकि कुछ ऐसे भी ग्राहक हैं जो निवेश को ध्यान में रखकर जमीन के बजाय सोने-चांदी में निवेश कर रहे हैं। इन सब के बीच धनतेरस को ध्यान में रखकर बाजार में एक से बढ़कर एक डिजाइन के गहने उतारे गए हैं। आमतौर पर लोग दीपावली के अवसर पर लक्ष्मी-गणेश के सिक्के खरीदते हैं। 10 ग्राम के सोने के सिक्के की कीमत 2500रुपया है। इसके अलावा बाजार में चांदी की लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति 10 ग्राम से लेकर 1 किलो तक के वजन में उपलब्ध है। इसके साथ ही 1 से 5 ग्राम के लाइट वेट गोल्ड टॉप्स, अंगूठियां, लॉकेट और मंगलसूत्र की

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल विद्युत अभियंता (जी), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा नीचे उल्लिखित विवरण के अनुसार निम्नलिखित विद्युतीय कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा सूचना संख्या: इलेक्ट-जी-एडीए-2025-45, दिनांक: 15.10.2025। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में भागा (2 अदद), मधुकुण्डा (2 अदद) तथा ओन्दाग्राम (3 अदद) स्टेशनों में 07 अदद लिफ्टों के प्रावधान के लिए विद्युतीय कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 17,19,759। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा सूचना संख्या: इलेक्ट-जी-एडीए-2025-46, दिनांक: 15.10.2025। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में 09 अदद अभियांत्रिकी फाटकों (केए-102, केए-106, एएम-7, केए-142, केए-160, केए-147, पीके-3, आरए-8 एवं बीजी-5) के लिए एमएलबी से ईएलबी फाटकों में बदली के लिए विद्युतीय कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 6,41,097। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा सूचना संख्या: इलेक्ट-जी-एडीए-2025-47, दिनांक: 15.10.2025। कार्य का विवरण:** भारतीय रेल के 40 मौजूदा फ्रेट यार्डों की टेक्नोलॉजी चालित फ्रेट यार्डों (स्मार्ट यार्ड) चरण-I में बदली हेतु विद्युतीय कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,13,359। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा सूचना संख्या: इलेक्ट-जी-एडीए-2025-48, दिनांक: 15.10.2025। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में तीन (03) अदद नॉन-इंटरलॉक्ड समपार फाटकों (डीके-6, केए-63 एवं एमआर-32) की इंटरलॉकिंग के लिए विद्युतीय कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,32,772। **क्रम संख्या:** 5। **निविदा सूचना संख्या: इलेक्ट-जी-एडीए-2025-49, दिनांक: 15.10.2025। कार्य का विवरण:** दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में समपार फाटक संख्या टीबी-15 (इस्पात नगर-चास), टीबी-21 (एन/केबिन-इस्पात नगर) और एमआर-38 (राधागांव-बोकारो स्टील सिटी ए/सी) के एलसी बूम के स्थानांतरण के लिए विद्युतीय कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 6,37,368। ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: **11.11.2025 को दोपहर 12.00 बजे** तथा निविदा **11.11.2025 को दोपहर 12.30 बजे** के बाद खोली जाएगी। उपर्युक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(PR-729)

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईपीडी/डब्ल्यू/कॉन/एसएल-30/03/25-26, दिनांक 09.10.2025; उप मुख्य विद्युत अभियंता (पीएंडडी), पूर्व रेलवे, कांचरापाड़ा वर्कशॉप-743145 द्वारा पूर्व रेलवे, कांचरापाड़ा वर्कशॉप में नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए प्रमाणित अनुभवी ठेकेदारों से खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा सं.** ईपीडी/डब्ल्यू/कॉन/एसएल-30/03/25-26, **कार्य का नामः** एसएल-30 विद्युत रेल इंजनों का पुनरुद्धार, मात्रा: 36 अदद। **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 1,81,17,072.96; **ई-पेमेंट गेट वे अथवा बैंक गारंटी बांड के जरिए जमा की जाने वाली बोली सुरक्षा रकम:** रु. 2,40,600/-। रेलवे बोर्ड के पत्रांक 2022/सीई-I/सीटी/जीसीसी-2022/पॉलिसी दिनांक 27.04.2022 (एडवांस करेक्शन स्लिप सं. 1, दिनांक 14.07.2022 एवं एडवांस करेक्शन स्लिप सं. 2, दिनांक 13.12.2022) के अनुसार, निविदादाता कथित रकम की बोली जमानत राशि बैंक गारंटी बांड के रूप में भी जमा कर सकते हैं। मूल बैंक गारंटी डेपुटी सीईई/पीएंडडी/केपीए को बोलियां जमा करने की अंतिम तारीख से पहले (यानी बोलियां जमा करने की अंतिम तारीख को छोड़कर) डिलीवरी की जानी चाहिए। बीजी बांड का प्रारूप जीसीसी-अप्रैल 2022 में उल्लेखित है। निविदादाताओं से इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जीसीसी-अप्रैल 2022 (संशोधन सहित) का अनुसरण करने का अनुरोध किया जाता है। **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। जीसीसी-अप्रैल 2022 के अधीन पार्ट-1 के अनुच्छेद नं. 3 के अनुसार सभी निविदादाताओं को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। **कार्य समापन अवधिः** 24 महीने। **बोली जमा शुरू होने की तारीखः** 21.10.2025। **बोली जमा की अंतिम तारीखः** 04.11.2025 को 14.45 बजे तक। **निविदा खुलने की तारीख एवं समयः** 04.11.2025 को अपराह्न 3.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण तथा सूचना पट्ट का स्थान जहां निविदा का परिपूर्ण विवरण देखे जा सकते हैं** www.ireps.gov.in।

(MISC-236/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

महादलित बस्तियों में डीडीसी ने वोटरों ने किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर। मदनपुर प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 373 के अनुसूचित जाति की बस्ती में महादलित सामुदायिक की महिलाओं को वोट की महता की जानकारी निर्वाची पदाधिकारी 224 रफीगंज सह डीडीसी अनन्या सिंह ने दी और कहा कि वे अपने मतदान केन्द्र पर समय से अपने निर्भिक होकर वोट डालने जाएं। किसी से लोभ लालच और बिना किसी के दवाब में वोट निष्पक्षता से करें। वोट आप लोगों का अनमोल और बहुमूल्य है। मदनपुर प्रखंड के मतदान केंद्र संख्या 373 के अनुसूचित जाति की बस्ती में जाकर मतदाताओं के बीच स्वीप कार्यक्रम के तहत जागरूकता अभियान चलाया गया। सभी मतदाताओं को मतदान के दिन निर्भीक होकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि महिला पुरुष जिनका वोटर लिस्ट में नाम अंकित है। खास कर नये युवा वोटर्स जरुर वोट करने जाएं। चुनाव एक पर्व है। उत्साह और उमंग के साथ वोट करने जाएंगे। इस अवसर पर बीडीओ डॉ अवतुल्य कुमार आर्य ने लोगों से अपील किया कि मतदान अपने केन्द्र पर निर्धारित समय पर वोट डालने के लिए अवश्य पहुंचेंगे। अधिक से अधिक संख्या में जाएं। पहले वोट डाले फिर जलपान करें।

'हमहूं वोट देवे जैबो, तुहुं घरे न रहिह, 11 नवंबर के चलिह'

जहानाबाद/नबिटा ब्यूरो। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी, जहानाबाद के निर्देश पर स्वीप कार्यक्रम के तहत 218 मखदुमपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 174, महादलित टोला पलेया में मतदाता जागरुकता अभियान आयोजित किया गया।कार्यक्रम में जीविका समूह की सक्रिय भागीदारी रही। जीविका दीदियों ने डोर टू डोर जाकर मतदाताओं को मतदान के महत्व से अवगत कराया और 11 नवंबर 2025 को अपने नामित मतदान केंद्र पर शत-प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया। इस अभियान में जिला स्वीप आइकॉन सह जिला परियोजना पदाधिकारी, नमामि गंगे, अमित कुमार एवं कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत मखदुमपुर, अनु राय उपस्थिति रहे।

चुनाव को लेकर वाहन जांच अभियान शुरू, लाखों रुपये बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर जहानाबाद जिला प्रशासन और पुलिस सतर्क मोड में आ गई है। चुनाव आयोग के निर्देश तथा पुलिस अधीक्षक और नगर थानाध्यक्ष के आदेश पर जिले के सभी प्रवेश द्वारों, सीमाओं और चौक-चौराहों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान वाहनों के कागजातों की जांच, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी, तथा वाहनों में रखी नकदी की सख्त जांच की जा रही है। बरामद बड़ी राशि के मामलों में संबंधित व्यक्तियों से उसका पूरा विवरण और वैध प्रमाण मांगा जा रहा है। वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने पर राशि को छोड़ दिया जाता है, जबकि संदिग्ध मामलों में पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। वाहन जांच अभियान के दौरान अलगाना मोड़ पर एक दोपहिया वाहन से 2,58,000 नकद बरामद किए गए। पुलिस ने राशि को जब्त कर संबंधित व्यक्ति से उसका विवरण मांगा है। वहीं घोसी मोड़ पर एक चारपहिया वाहन से 2,80,000 नकद बरामद हुए। वैध दस्तावेज दिखाए जाने के बाद इस राशि को छोड़ दिया गया।

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, आसनसोल स्टेशन रोड, पिन-713301 द्वारा निम्नानुसार संविदा प्रदान करने के लिए आईआरईपीएस पोर्टल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है: **नीलामी की श्रेणी:** पार्सल की जगह (एसएलआर) पट्टे पर प्रदान करना। **ई-नीलामी सूचीपत्र सं.:** एएसएन-पीएआरसी-301025; **नीलामी शुरू होने की तारीख:** 30.10.2025 को 11.00 बजे। **ट्रेन सं.:** (1) 12942 आसनसोल-भावनगर (टी) पारसनाथ एक्सप्रेस-आरएसएलआर-1. (2) 19436 आसनसोल-अहमदाबाद साप्ताहिक एक्सप्रेस-आरएसएलआर-1. (3) 13509 आसनसोल-गोंडा एक्सप्रेस-एफएसएलआर-1. (4) 13509 आसनसोल-गोंडा एक्सप्रेस-आरएसएलआर-1. (5) 12361 आसनसोल-मुंबई सीएसएमटी सुपरफॉस्ट एक्सप्रेस-एफएसएलआर-1. सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को दिनांक 30.10.2025 को 11.00 बजे आयोजित होने वाली ऊपर उल्लेखित ई-नीलामी के सम्पूर्ण विवरण तथा उसमें भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

(ASN-211/2025-26) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: डब्ल्यू_2_623_यूएसएफडी_2025-26, दिनांक 14.10.2025; प्रधान मुख्य अभियंता, पूर्व रेलवे, 17, एन.एस. रोड, कोलकाता-700001 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नामः** रेलों एवं वेल्डों की अल्ट्रासोनिक जांच के लिए भारतीय रेल मानक विनिर्देश, आरडीएसओ द्वारा जारी संशोधित 2022 के साथ नवीनतम दिशानिर्देश के अनुसार पूर्व रेलवे के सियालदह, हावड़ा, आसनसोल एवं मालदा मंडलों के चिन्हित रूटों पर डिजिटल यूएसएफडी मशीनों द्वारा रेलों एवं वेल्डों की अल्ट्रासोनिक जांच। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 19,87,00,723.29। **बयाना राशि :** रु. 11,43,500। **समापन अवधि :** 24 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय :** 07.11.2025 को 14.00 बजे तक। निविदा दस्तावेज का विवरण वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(MISC-235/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा–711101 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस अथवा अन्य किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के साथ पंजीकृत सहित समतुल्य प्रकृति के कार्य का अनुभव एवं अपेक्षित वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं : **सीनि. डीईएन/1/हावड़ा। एआईटी सं. : 158_2025-26, दिनांक 14.10.2025, कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल में विभिन्न निर्माण कार्यों (एलएचएस, पुलों, बिल्डिंगों, एफओबी इत्यादि कार्यों) के लिए भू-तकनीकी जांच कार्य रिपोर्टों को तैयार एवं प्रस्तुत करना। **अनुमानित लागतः** रु. 70,82,182.77; **बयाना राशिः** रु. 1,41,700। **निविदा प्रपत्र की कीमतः** शून्य। **समापन अवधिः** 6 महीने। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः** 04.11.2025 को 14.00 बजे। निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लेखित बंद होने की तारीख को किसी भी कारणवश छुट्टी का दिन/बंद/हड़ताल घोषित होने पर भी ऑनलाइन निविदा बंद होने की तारीख में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा, क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में एप्लीकेशन निविदा बंद होने की तारीख एवं समय के उपरांत कोई भी प्रस्ताव जमा करने की अनुमति नहीं देती है। हालांकि, ऑनलाइन निविदा अगले कार्यकारी दिवस को खोली जाएगी। निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदादाताओं से अपने प्रस्ताव उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने का अनुरोध किया जाता है। ई-निविदा से संबंधित बयाना राशि जमा (ईएमडी) तथा निविदा दस्तावेज की कीमत (टीडीसी) का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग अथवा ऊपर उल्लेखित वेबसाइट के जरिए पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(HWH-346/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट ww.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

डीजीजीआइ की टीम को स्वर्णकार ने कराया इंतजार

जमशेदपुर, एजेंसी। छापेमारी के दौरान जब डीजीजीआइ की टीम जाती है, तो वह किसी का इंतजार नहीं करती है, लेकिन बुधवार को साकची कार्यालय में टीम के पदाधिकारियों को एक स्वर्णकार का एक घंटे से भी अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा। छापेमारी के दौरान जब डीजीजीआइ की टीम जाती है, तो वह किसी का इंतजार नहीं करती है, लेकिन बुधवार को साकची कार्यालय में टीम के पदाधिकारियों को एक स्वर्णकार का एक घंटे से भी अधिक समय तक इंतजार करना पड़ा। डीजीजीआइ की टीम चास से प्रतीक कलबलिया को गिरफ्तार कर जमशेदपुर ले आयी थी। जब उसे जेल भेजे जाने की तैयारी हो रही थी, तो अधिकारियों ने देखा कि प्रतीक के हाथ में सोने का एक बड़ा कड़ा है। उसे पहले खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन जब वह नहीं खुला तो फिर उसे काटने के लिए स्वर्णकार की मदद लेने का फैसला किया गया। धनतेरस-दीपावली का बाजार होने के कारण कोई भी स्वर्णकार समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रहा था। एक घंटा इंतजार करने के बाद प्रतीक के हाथ का कड़ा काटने के लिए एक स्वर्णकार वहां पहुंचा।

नयी कोल सैंपलिंग नीति पर विवाद सुलझने की उम्मीद जगी

धनबाद, एजेंसी। ऑल इंडिया कोल ट्रेडर्स एसोसिएशन और कोल सचिव के बीच बुधवार को नयी दिल्ली में नयी कोल सैंपलिंग नीति को लेकर अहम बैठक हुई। इसमें सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी भी शामिल थे। इस दौरान एआइसीटीए की ओर से ऋषभ जैन और संदीप केडिया ने कोयला व्यापारी समुदाय की चिंताओं को विस्तार से रखा। कोल सचिव ने कहा कि कोयला मंत्री जी। किशन रेड्डी स्वयं इस मामले से अवगत हैं। कोल सचिव ने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों की चिंताओं को ध्यान में रख नीति पर पुनर्विचार किया जायेगा। एसोसिएशन ने सुझाव दिया कि जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक नयी सैंपलिंग नीति को स्थगित रखा जाये। सचिव ने इस सुझाव पर कार्यालय में चर्चा करने व व्यावहारिक समाधान निकालने की दिशा में कदम उठाने का आश्वासन दिया। सूत्रों के अनुसार, डायरेक्टर (मार्केटिंग) के जापान यात्रा से लौटने के बाद इसपर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

चिल्ड्रेन पार्क हीरापुर में 46 साल से हो रही काली पूजा

धनबाद, एजेंसी। काली पूजा 20 अक्तूबर को है। शहर के चिल्ड्रेन पार्क हीरापुर में काली पूजा का भव्य आयोजन होता है। श्रीश्री श्यामा पूजा समिति झरना पाड़ा पार्क मार्केट की ओर से यहां काली पूजा का आयोजन किया जाता है। समिति के विकास सिंह बताते हैं समिति की ओर से चिल्ड्रेन पार्क हीरापुर में पूजा का यह 46 वां साल है। समिति हर साल खास प्रतिमा और पंडाल बनाने का प्रयास करती है। यहां चंदन नगर के इलेक्ट्रीशियन द्वारा आकर्षक विद्युत सज्जा की जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समिति के स्वयं सेवक सक्रिय रहते हैं। इस बार नारियल के छिलके से यहां काल्पनिक मंदिर की थीम पर पंडाल बनाया जा रहा है। चिल्ड्रेन पार्क में 20 से 22 अक्तूबर तक काली पूजा होगी। 23 अक्तूबर को मां की प्रतिमा खोखन तालाब जेसी मल्लिक रोड में विसर्जित की जायेगी। मां काली की पूजा 20 अक्तूबर को रात में होगी। महा आरती के बाद भक्तों के बीच भोग वितरित किया जायेगा। पूजा के अवसर पर यहां तीन दिन तक मेला लगेगा। यहां दूर-दराज से भक्त मां के दर्शन के लिए आते हैं। अध्यक्ष दिनेश प्रधान, सचिव विकास रंजन सिंह कोषाध्यक्ष संजय पाठक, ओमियो गोपाल, विकास सिंह चौधरी, राजकुमार साव, प्रशांत चटर्जी, चित्तरंजन दूबे, दीपक सिंह चौधरी।

गया पुल नये अंडरपास व बरमसिया ओवरब्रिज का काम छठ बाद होगा शुरू

धनबाद, एजेंसी। गया पुल नये अंडरपास व बरमसिया ओवरब्रिज का काम छठ बाद शुरू होगा। बुधवार को धनबाद रेल मंडल प्रबंधक के ऑफिस में हुई उच्चस्तरीय बैठक में इस पर सहमति बनी। दोनों जगह नवंबर के पहले सप्ताह में काम शुरू होगा। बैठक में डीआरएम अखिलेश मिश्र, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग व बिजली विभाग के अधिकारियों के अलावा रेलवे के कई अधिकारी उपस्थित थे। पथ निर्माण विभाग ने अंडरपास के लिए आइआइटी द्वारा तैयार डिजाइन सौंपी। इस पर डीआरएम श्री मिश्र ने कहा कि डिजाइन अप्रूवल के लिए मुख्यालय भेजा जायेगा। अंडरपास का काम शुरू करें, रेलवे पूरा सहयोग करेगा। बरमसिया ओवरब्रिज का काम भी नवंबर के पहले सप्ताह में शुरू होगा। ओवरब्रिज का काम पैसे के कारण प्रभावित नहीं होगा। बरमसिया ओवरब्रिज की मरम्मत पर 1.43 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पथ निर्माण विभाग ने 40 लाख रुपये रेलवे को ट्रांसफर कर दिये हैं। शेष 1.03 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है। कार्यपालक अभियंता मिथिलेश प्रसाद ने बताया कि बरमसिया ओवरब्रिज के रिटर्निंग वॉल व अप्रोच रोड के लिए रेलवे ने 1.43 करोड़ का प्राक्कलन तैयार किया है।

अंतरिक्ष यानों की डॉकिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बना भारत, इसरो अध्यक्ष बोले- मैं बहुत खुश हूं

रांची, एजेंसी। बीआईटी मेसरा वर्षों से सर्वाधिक उच्च श्रेणी निर्धारण वाले और उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों में से एक रहा है, जो उच्च मानक स्थापित करता है। इसरो में होने के नाते मुझे यह जानकर भी खुशी हो रही है कि बीआईटी मेसरा के पास राकेट्री और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के पहले भारतीय विभाग की अग्रणी विरासत है।

यहां के प्रबंधन और संकाय ने छात्रों को सच्ची शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, ऐसी शिक्षा जो ज्ञान के संचय और अनुभव की सराहना सुनिश्चित करती है। इसरो अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने कहा हम सभी इस समय बहुत खुश हैं क्योंकि हमारे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचने और पृथ्वी पर सुरक्षित वापस लौटने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

मुझे इसरो में उनके सहयोगी होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और मैं इस एक्सिओम मिशन से भी बड़े पैमाने पर जुड़ सका। इसरो के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद हमने कुछ महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं। स्पैडेक्स मिशन की सफलता के साथ, जिसमें हमने चेजर और टारगेट की सटीक डाकिंग का प्रदर्शन किया, भारत अंतरिक्ष में डाकिंग और अनडाकिंग में सफलता प्राप्त करने वाला चौथा देश बन गया है। हमने जनवरी 2025 में ही श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी एफ15 एनवीएस 2 मिशन का 100वां सफल प्रक्षेपण भी किया था। परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में भी हमने उल्लेखनीय प्रगति की है और वर्तमान में हमारे पास तारापुर से शुरू होकर भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र सहित 8 प्रमुख परमाणु संयंत्रों में 23 परमाणु रिएक्टर हैं। वर्तमान में, हमारे पास 8180 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है...।

विंग्स ऑफ फायर से सीखा : मैंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की आत्मकथा विंग्स आफ फायर से काफी कुछ सीखा है। जो लोग अपने पेशे के शिखर पर पहुंचना चाहते हैं, उनके लिए पूर्ण प्रतिबद्धता एक महत्वपूर्ण गुण है। यह सच है, मैंने स्वयं इसका अनुभव किया है। बौद्धिक शिक्षा मन को प्रभावित करती हैं जबकि मूल्य आधारित शिक्षा हृदय को प्रभावित करती है। व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों तरह की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम कैसे सोचते हैं, कैसे कार्य करते हैं और हम किसमें विश्वास करते हैं। चरित्र की आंतरिक शक्ति विकसित करें। आपको हमेशा ईमानदार और भरोसेमंद होना चाहिए। बड़े सपने देखें और लक्ष्य बनाएं, ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करें और उनके लिए काम करें। सपने आंतरिक मॉनिटर होते हैं और किसी व्यक्ति के लिए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शक्तिशाली उपकरण होते हैं। उन्होंने छात्रों को कल्पनाशील, नवोन्मेषी और रचनात्मक बनने की प्रेरणा दी। जब हम इसरो को देखते हैं, तो पाते हैं कि यह संगठन डॉ. विक्रम साराभाई से शुरू होकर कई पीढ़ियों के नेताओं द्वारा निर्मित है। इसरो के कार्यक्रमों की सफलता का श्रेय इसकी खुली कार्य संस्कृति, टीम वर्क, राष्ट्र को व्यक्ति से ऊपर रखने और कई पीढ़ियों के नेताओं के उत्कृष्ट नेतृत्व को जाता है। आपको हमेशा हृदय से नेक होना चाहिए जिससे चरित्र में सुंदरता आती है, चरित्र में सुंदरता घर में सद्भाव लाती है, घर में सद्भाव राष्ट्र में व्यवस्था लाता है और राष्ट्र में व्यवस्था विश्व में शांति लाती है।

भारत लगभग 2 माह पूर्व ही अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यानों की डाकिंग करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। हमारे उपग्रहों ने संचार, मौसम विज्ञान, मानचित्रण, आपदा चेतावनी, टेलीमेडिसिन, टेली शिक्षा, ग्राम संसाधन केंद्र, सुदूर संवेदन, समुद्र विज्ञान, खनिज संसाधन मानचित्रण जैसे कई अनुप्रयोग प्रदान किए हैं। भारत ने सभी सार्क देशों के लाभ के लिए एक उपग्रह उपहार में दिया है। भारतीय नाविक प्रणाली में अंतरिक्ष यान का एक समूह है जो विभिन्न क्षेत्रों में देश की सेवा भी कर रहा है। हमारे देश में 9100 ट्रेनों में से 8700 ट्रेनों के लिए रीयल टाइम ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की गई है। उपग्रहों ने आपदा चेतावनी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिससे हजारों लोगों की जान बच रही है। यद्यपि दूरसंचार में हमारी उल्लेखनीय उपलब्धि है, फिर भी 8600 से अधिक ट्रेनों के लिए ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की गई है। गूगल के समकक्ष भुवन पोर्टल भी विकसित और तैनात किया गया है। वर्तमान में, हम अपने मानव अंतरिक्ष मिशन, गगनयान के उन्नत चरणों में हैं, जिसमें हम पहली बार भारतीयों को अंतरिक्ष में ले जाएंगे और उन्हें सुरक्षित वापस लाएंगे। इस कार्यक्रम की दिशा में, पहले मानवरहित मिशन की योजना जल्द बनाई जाएगी।

मंगल आर्बिटर मिशन में मिली सराहना : मंगल आर्बिटर मिशन भी एक बहुप्रशंसित मिशन था, जिसके बारे में हमारे प्रधानमंत्री ने बताया था कि प्रति किमी यात्रा का खर्च ऑटो के किराए से भी कम था और कुल खर्च कई हॉलीवुड फिल्मों से भी कम था। हम पहले प्रयास में ही इस मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले पहले देश थे।भारत ने कुछ वर्षों तक एक ही प्रक्षेपण में सर्वाधिक उपग्रहों (104 उपग्रहों) को कक्षा में स्थापित करने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम रखा। हमने पहले प्रयास में ही एसआरई 1 में अंतरिक्ष यान कैप्सूल का सफल पुनः प्रवेश भी किया।

हजारीबाग के केरेडारी में सनसनीखेज मामला, वार्ड सदस्यों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

हजारीबाग, एजेंसी। जिले के केरेडारी प्रखंड की ग्राम पंचायत कंडाबेर में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। पंचायत के सभी वार्ड सदस्यों ने मुखिया पर गंभीर आरोप लगाते हुए सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। वार्ड सदस्यों ने मुखिया पर दबंगई, मनमानी और 15वें वित्त आयोग की राशि के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

वार्ड सदस्यों का कहना है कि मुखिया द्वारा 15वें वित्त आयोग की राशि का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे वे लंबे समय से परेशान थे। बार-बार आपत्ति जताने के बावजूद उनकी शिकायतों की कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके चलते सभी वार्ड सदस्यों ने सामूहिक रूप से त्यागपत्र देने का निर्णय लिया। वार्ड सदस्यों ने आरोप लगाया है कि पंचायत कार्यों में से चहारदीवारी निर्माण का कार्य एनटीपीसी के सहयोग से पहले ही पूरा हो चुका था। इसके बावजूद, मुखिया ने उसी कार्य के लिए 15वें वित्त आयोग की राशि से 4, 90,000 रुपये अवैध रूप से निकाल लिए। ग्रामीण प्रतिनिधियों ने उपायुक्त को आवेदन सौंपकर इस अवैध निकासी और पंचायत कार्यों में मनमानी की शिकायत की है।

ग्रामीणों और वार्ड सदस्यों ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों पर शीघ्र कानूनी कार्रवाई हो। सामूहिक इस्तीफे के कारण पंचायत की गतिविधियों पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि ग्रामीणों और वार्ड सदस्यों का आवेदन प्राप्त हुआ है। इसके आधार पर मामले की जांच की जाएगी और उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

झारखंड में पांच दिन रहेगा शुष्क मौसम : रांची समेत कई जिलों में आंशिक बादल

रांची, एजेंसी। झारखंड में मौसम अगले पांच दिनों तक लगभग शुष्क बना रहेगा। मौसम केंद्र, रांची के अनुसार 19 अक्टूबर तक राज्य के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं, जबकि उत्तरी झारखंड में आसमान साफ रहेगा। इस दौरान किसी भी जिले के लिए कोई विशेष वेदर वॉर्निंग जारी नहीं की गई है।

विभाग के मुताबिक, इन पांच दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। रांची और आसपास के इलाकों में अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है।

मौसम विभाग ने बताया कि 17 अक्टूबर तक पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां) तथा मध्य झारखंड के रांची, बोकारो, खूंटी, हजारीबाग, गुमला, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा, चतरा और धनबाद के कुछ इलाकों में आंशिक बादल रहेंगे। हालांकि, इन जिलों में भी बारिश की कोई संभावना नहीं है। उत्तरी झारखंड के पलामू, गढ़वा, लातेहार, दुमका, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। मौसम केंद्र द्वारा जारी आउटलुक के मुताबिक 20 और 21 अक्टूबर को पूरे राज्य में आसमान साफ रहेगा और मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहेगा। इस दौरान दिन में हल्की धूप और रात में ठंडी हवाओं के कारण मौसम सुहावना रहेगा। लोगों को सुबह और शाम के समय हल्की ठंड का एहसास हो सकता है। यह मौसम दिवाली पूर्व ठंड की शुरुआत का संकेत माना जा रहा है।

मौसम विभाग के जिला-वार पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के ज्यादातर जिलों में दिन का तापमान 30 से 33 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 17 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। गोड्डा और पलामू में सबसे अधिक तापमान 33 से 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

उत्तरी-पूर्वी जिलों देवघर, गिरिडीह, दुमका और साहिबगंज में तापमान 31 से 34 डिग्री के बीच रहेगा। वहीं राजधानी रांची और खूंटी में दिन का तापमान 29 से 30 डिग्री और न्यूनतम 18 से 20 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

रांची में साउथ एशियन गेम्स का आयोजन, 24 से 26 अक्टूबर तक मोरहाबादी स्टेडियम में जुटेंगे छह देशों के खिलाड़ी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेलों का गवाह बनने जा रहा है। 24 से 26 अक्टूबर तक मोरहाबादी एथलेटिक स्टेडियम में साउथ एशियन (सैफ) गेम्स का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भारत समेत छह देशों के करीब 300 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और 150 तकनीकी अधिकारी हिस्सा लेंगे।

राजधानी में होने वाला यह आयोजन झारखंड के खेल प्रेमियों के लिए दीपावली से पहले एक खास तोहफा साबित होगा। खेल विभाग की ओर से तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं ताकि प्रतियोगिता का संचालन सुचारू और भव्य तरीके से किया जा सके। 17 अक्टूबर को राज्य के खेल मंत्री द्वारा कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ और मैस्कॉट का अनावरण किया जाएगा। खिलाड़ियों के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव एवं भारतीय ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक ने बताया कि यह इंटरनेशनल इवेंट झारखंड के लिए गर्व का अवसर है। तैयारी को लेकर खेल मंत्री की अध्यक्षता में बैठक हुई है। इसके बाद विकास आयुक्त ने भी विभिन्न समितियों के साथ समीक्षा की है। सभी कमेटियां काम पर लगी हैं और तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। चाहे वह आवास, परिवहन, सुरक्षा, उद्घाटन समारोह या तकनीकी संचालन से जुड़ी हों। हमें विश्वास है कि यहां आने वाले सभी खिलाड़ी बेहतरीन अनुभव लेकर जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रतियोगिता में पाकिस्तान को छोड़कर सभी टीमें भाग ले रही हैं भारत, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका। करीब 40 से 50 ओलंपियन रांची में खेलते नजर आएंगे, जो झारखंड के खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए प्रेरणादायक होगा।खेल निदेशक शेखर जमुआर ने बताया कि चैंपियनशिप की लगभग सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। स्टेडियम में पहले जो तकनीकी दिक्कतें थीं, उन्हें दूर कर लिया गया है। रंग-रोगन और स्वच्छता का काम अंतिम चरण में है। ट्रैफिक और सुरक्षा की रूपरेखा तय कर ली गई है। प्रशासनिक तैयारियां भी पूरी हैं। यह आयोजन झारखंड की खेल क्षमता को नई ऊंचाई देगा। मोरहाबादी स्टेडियम में तीन दिनों तक चलने वाले इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन के दौरान झारखंड खेल इतिहास का एक नया अध्याय लिखने जा रहा है।

जेएमएम के सोमेश सोरेन और बीजेपी के बाबूलाल सोरेन में कांटे की टक्कर, नामांकन सभा में होंगे शामिल सीएम हेमंत

घाटशिला, एजेंसी। झारखंड के घाटशिला विधानसभा में 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा से दिवंगत मंत्री रामदास सोरेन के पुत्र सोमेश सोरेन को उम्मीदवार बनाया गया। पिता के निधन के बाद घाटशिला विधानसभा की राजनीति में सक्रिय हुए थे। बीते 13 अक्टूबर को ही सोमेश ने घाटशिला अनुमंडल कार्यालय से नामांकन प्रपत्र खरीदा था। सोमेश पहली बार झामुमो की टिकट पर ये विधानसभा उपचुनाव लड़ेंगे। वहीं भाजपा के उम्मीदवार के रूप में बाबूलाल सोरेन के नाम की घोषणा की गई। वे पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पुत्र है।

पिछले विधानसभा चुनाव में वे झामुमो के प्रत्याशी रामदास सोरेन से चुनाव हार गए थे। महज कुछ दिनों के बाद ही रामदास सोरेन के निधन के बाद दोबारा हो रहे उपचुनाव में भी भाजपा ने बाबूलाल सोरेन को दोबारा प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा। राजनीति के जानकारों की मानें तो इस उपचुनाव में दोनों ही दल के बीच कांटे की टक्कर होने की प्रबल संभावना है।

घाटशिला उपचुनाव के रणभेरी में सीएम हेमंत सोरेन भी अब झामुमो प्रत्याशी सोमेश सोरेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए मैदान में उतरेंगे। आगामी 17 अक्टूबर को घाटशिला के दाहीगोड़ा सर्कस मैदान में झामुमो की नामांकन सभा होगी।

इस नामांकन सभा में सीएम हेमंत सोरेन शामिल होंगे।

देवघर में मातम में बदली खुशियां, बेटी का तिलक चढ़ाने जा रहे पिता की सड़क हादसे में मौत

देवघर, एजेंसी। वह माता-पिता धनवान होते हैं जिनके घर लक्ष्मी आती है। राजेश के घर भी तीन लक्ष्मी आई। दो बेटियों की शादी कर तीसरी नैना की शादी करने के बाद निश्चिंत होने की बार-बार घर में चर्चा करने वाले राजेश का यह अरमान पूरा नहीं हो सका और तीसरी बेटी का तिलक लेकर जाते वक्त रास्ते में एक सड़क दुर्घटना में वह दुनिया को अलविदा कह गया।

बेटी नैना के नयन की धार और उसकी दहाड़ से उनके स्वजन की कौन पूछे, उसके ससुराल वालों का दिल भी पिघल गया। हृदय विदारक इस घटना की खबर सुनकर गोड्डा से ससुराल के सभी सदस्य राजेश के घर आ गए। वह लड़का भी आया जिसके साथ नैना की शादी होनी है।

सबने मानवता की ऐसी पटकथा लिखी कि समाज को यह जता दिया कि केवल फिल्मों में ही नहीं ऐसा होता है। रीयल लाइफ में भी इंसानियत जिंदा है। हंसडीहा-गोड्डा मुख्य मार्ग पर दुमका जिला के हंसडीहा थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात हुए सड़क हादसे में एक अधेड़ की मौत हो गई। मृतक 50 वर्षीय राजेश शर्मा देवघर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र के डहुआ गांव का रहने वाला था। वह अपनी छोटी बेटी नैना का तिलक चढ़ाने के लिए गोड्डा जिला के तेलडीहा गांव जा रहा था।

नैना की शादी तेलडीहा गांव निवासी सुनील कुमार शर्मा से तय हुई थी। इस दौरान दुमका जिले के हंसडीहा-गोड्डा मुख्य मार्ग पर हंसडीहा थाना क्षेत्र के रेलवे फाटक हाइवा ने धक्का मार दिया। टक्कर मारने के बाद हाइवा उसे दो किमी तक सड़क पर घसीटते हुए ले गया।

उसे गंभीर हालत में इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल लाया गया। सदर अस्पताल में जांच के बाद डाक्टर ने किया मृत घोषित।

घटना के संबंध में बताया गया कि छोटी बेटी नैना का तिलक चढ़ाने के लिए राजेश व अन्य लोग मोहनपुर से गोड्डा की ओर जा रहे थे। बड़ा दामाद किशन राणा, साढ़ू राजेन्द्र राणा तिलक का सामान आटो पर लादकर जा रहे थे।

गाड़ी में उन तीनों के अलावा आटो चालक था। रेलवे फाटक बंद होने के कारण राजेश आटो से नीचे उतर गया। कुछ आगे जाकर देखने लगा। इस दौरान फाटक खुल गया और पीछे से तेज रफ्तार में आ रही हाइवा ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में राजेश हाइवा में फंस गया।

हादसे के बाद भागने के प्रयास में हाइवा राजेश को करीब दो किमी तक घसीटते हुए ले गया। उसके बाद हाइवा चालक गाड़ी लेकर मौके पर से फरार हो गया। उसके बाद उसका दामाद, साढ़ू व अन्य लोग वहां पहुंचे। हादसे में राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची।

घायल राजेश को इलाज के लिए देवघर सदर अस्पताल ले जाया गया। सदर अस्पताल में जांच करने पर डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

पल भर में शादी की खुशी पर छाए गए गम के काले बादल : मृतक राजेश के साढ़ू राजेन्द्र राणा ने बताया कि राजेश पेशे से बढ़ई का काम करता था। उसकी दो अन्य बेटी बड़ी नेहा व मंझली निशा की पहले शादी हो चुकी है। छोटी बेटी नैना की शादी होनी थी। मृतक का एक आठ वर्ष का बेटा भी है। नैना की शादी की तैयारी घर पर चल रही थी। उसकी बड़ी बेटी नेहा और बड़ा दामाद आ चुके थे। उसके साढ़ू राजेन्द्र राणा भी आए थे। बताया गया कि तिलक चढ़ाने के बाद शादी की तारीख तय होनी थी। राजेश छोटी बेटी की शादी को लेकर काफी उत्साहित था। उसे लग रहा था कि तीसरी बेटी की शादी कर वह एक तरह से निश्चिंत हो जाएगा। बढ़ई का काम करके उसने बड़ी मुश्किल से पहले दो बेटी की शादी की थी। तीसरी की भी तैयारी कर ली थी। लेकिन इसी बीच उसकी मौत की खबर सुनकर घर में खुशी के माहौल पर एकदम से गम के काले बादल छा गए। घर में चीख पुकार गूंजने लगी। लोग सदर अस्पताल पहुंचे और महिलाएं दहाड़ मारकर रोने लगी। राजेश परिवार में कमाने वाले एकमात्र व्यक्ति था। उसकी कमाई पर ही पूरे घर का खर्च निर्भर करता था। ऐसे में हादसे में उसकी मौत हो जाने से पूरे परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है। वहीं इस घटना की खबर सुनते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गयी। उसके घर पर गांव वाले पहुंच गए हैं।

नैना के ससुराल वालों ने बंधाया ढांढस : राजेश के होने वाले दामाद सुनील कुमार शर्मा ने इंसानियत की नायाब मिसाल पेश की है। उसके घर में तिलक चढ़ाने के लिए लोग आने वाले थे। उनके घर में इसकी तैयारी चल रही थी। इसी बीच अचानक हादसे की खबर पहुंची। उनके घर में भी खुशी का माहौल गम में तब्दील हो गया। सुनील व उसके घर वालों ने इस दुख की घड़ी में नैना व उसके घर वालों के साथ खड़ा रहने का निर्णय लिया। सुनील, उसकी मां चांदो देवी, बड़ा भाई अनिल मिस्त्री, छोटा भाई जितेन्द्र शर्मा नैना के घर पहुंचे। वे लोग नैना व उसके घर वालों के साथ दुख की इस घड़ी में साथ खड़े नजर आए।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में फिर बनेगी एनडीए सरकार : डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशी सिद्धार्थ सौरभ के पक्ष में जनसभा को किया संबोधित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मैं विक्रमादित्य की नगरी से आता हूं और विक्रम विधानसभा में आने का अलग ही आनंद है। विक्रम नाम से ही सुशासन, दान वीरता का भाव प्रकट होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार मध्यप्रदेश में विकास के अनेक कार्य कर रही है। बिहार में नीतीश कुमार एनडीए सरकार में मुख्यमंत्री है। उन्होंने सुशासन के सिद्धांतों से बिहार को विकास की नई गति प्रदान की है। बिहार प्रत्येक काल में अच्छा ही करता है। अवंतिका उज्जैनी और पाटिलपुत्र का 2 हजार साल पुराना रिश्ता है। जब सम्राट अशोक को गद्दी संभालने का अवसर मिला तो वे उज्जैन में थे और वहीं से बिहार लौटे थे। बिहार महात्मा गौतम बुद्ध की धरती है। इस चुनाव में हमारे प्रत्याशी सिद्धार्थ ने निःस्वार्थ भाव से जनता की सेवा की है। बिहार की जनता ने कभी जंगलराज भी झेला है। कांग्रेस और विपक्षी दलों की सरकारों में लाइसेंस, कोटा और परमिट राज चलता था। कांग्रेस के राज में देश की हालत दयनीय हो गई थी। कांग्रेस ने युवाओं की योग्यता का गला घोटा और बिहार को बर्बाद किया और बाद में लालटेन पकड़ा दिया। देश में सबसे अधिक आईएएस बिहार से निकलते हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने लोकतंत्र की रक्षा की। हमारी पार्टी और एनडीए में एक चाय बेचने वाला भी प्रधानमंत्री बन सकता है क्योंकि यहां लोकतंत्र है। नीतीश जी का भी इतिहास यही है। आज लोकतंत्र को बचाने की चुनौती है। दूसरी ओर लाल किताब वाले को बुद्धि का अजीरण हो गया। भाषा और भाव कैसा हो, पता ही नहीं। सुप्रीम कोर्ट में बार-बार माफी मांगते हैं, लेकिन सुधरने को तैयार ही नहीं हैं। कांग्रेस परिवारवादी पार्टी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के आर्थिक तंत्र में बदलाव आया है। आज गरीबों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। दुनिया में भारत की साख बढ़ रही है। कांग्रेसी तो भगवान श्रीराम के अस्तित्व पर भी सवाल उठाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने रामजी के लिए फैसला दे दिया है, अब बारी मथुरा की है। जमना किनारे भी कन्हैया मुस्कुराएंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में लगातार तीसरी बार एनडीए की सरकार बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी सिद्धार्थ सौरभ के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया और विधानसभा चुनाव में युवा नेता सिद्धार्थ सौरभ को विजयी बनाने आह्वान किया। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुम्हरार सीट पर भी प्रचार किया।

पटना साहिब से चुनाव मैदान में उतरे डा. अजय प्रकाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना साहिब के कार्यकर्ताओं और जनता को दरकिनार करते हुए बाहर से उम्मीदवार थोपे जाने से लोगों के बीच काफी निराशा है। यह केवल एक निर्णय नहीं बल्कि पटना साहिब की स्वाभमिान पर आघात है। वहीं डा. अजय प्रकाश पटना साहिब विधानसभा से चुनाव मैदान में उतरे हैं। डा. अजय प्रकाश ने कहा कि यह चुनाव किसी व्यक्ति के विरूद्ध नहीं बल्कि पटना साहिब के अधिकार और स्वाभिमान की लड़ाई है। क्षेत्र के लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि आइए मिलकर अपने पटना साहिब की आवाज बुलंद करें। आपका सहयोग, समर्थन और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है।

कुम्हरार विधानसभा उम्मीदवार संजय कुमार गुप्ता के समर्थन में जनसभा का आयोजन, जुटे एनडीए के दिग्गज नेतागण

कार्यकर्ताओं का सम्मान सिर्फ भाजपा की परंपरा : मोहन यादव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के सभी सहयोगी दलों द्वारा गुरुवार को कदम कुआं स्थित कांग्रेस मैदान में भाजपा के कुम्हरार विधानसभा उम्मीदवार संजय कुमार गुप्ता के समर्थन में जनसभा का आयोजन किया गया। इस जनसभा को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान, पटना साहिब सांसद रविशंकर प्रसाद, भाजपा राष्ट्रीय सचिव ऋतुराज सिन्हा, दीघा विधायक संजीव चौरसिया, कुम्हरार निवर्तमान विधायक अरुण कुमार सिन्हा, भाजपा पटना महानगर अध्यक्ष रूपनारायण मेहता, जदयू जिलाध्यक्ष आसिफ कमाल, बिहार भाजपा प्रदेश नेता दीपक कुमार अग्रवाल, सुधीर शर्मा सहित सहित सभी वार्ड पार्षदों एवं गठबंधन के नेताओं ने संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करते हुए सभी नेताओं ने कुम्हरार विधानसभा उम्मीदवार संजय कुमार गुप्ता के समर्थन में लोगों से वोट देने की अपील की। अपने संबोधन में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता को शीर्ष तक पहुंचाने का काम सिर्फ भाजपा की ही सुखद परंपरा है। उन्होंने अरुण सिन्हा का आभार जताते हुए कहा कि अरुण जी ने अपने क्षेत्र के उत्तराधिकारी के रूप में संजय कुमार गुप्ता को उम्मीदवार के रूप में आगे बढ़ाया है जिसे यहां की जनता को जीताकर सदन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि कुम्हरार के हर कार्यकर्ता को तन, मन, धन से लगकर अपने प्रत्याशी को जिताना है। वहीं उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान, सांसद रविशंकर प्रसाद, भाजपा महामंत्री ऋतुराज सिन्हा, दीघा विधायक संजीव चौरसिया, कुम्हरार निवर्तमान विधायक अरुण कुमार सिन्हा सहित अन्य नेताओं ने भी कुम्हरार की जनता से संजय कुमार गुप्ता को भारी बहुमत से जिताने की अपील की। संजय कुमार गुप्ता ने सभी नेताओं का आभार जताया और कहा कि मैं पार्टी द्वारा दिए गए जिम्मेदारी को अच्छे से निभाकर कुम्हरार की जनता के उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। मंच संचालन कर रहे दीपक कुमार अग्रवाल ने संजय कुमार गुप्ता के समर्थन में जनसभा में एकजुट होने के लिए एनडीए के सभी वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद किया।

शिक्षा विभाग की ई-पत्रिका में शिक्षक मृत्युंजय की कविता प्रकाशित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा निपुण बालमंच ई-पत्रिका का तीसरा अंक जारी किया गया है। इस त्रैमासिक पत्रिका में राज्यभर के शिक्षकों और विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों को स्थान दिया गया है। नवसृजित प्राथमिक विद्यालय खुटौना यादव टोला, पताही, पूर्वी चंपारण के शिक्षक मृत्युंजय कुमार जो देश की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी 'टीचर्स ऑफ बिहार' के प्रदेश मीडिया संयोजक भी हैं की स्वरचित काव्य रचनाएं 'स्कूल चले हम' एवं 'आओ खेलें खेल' को इस अंक में प्रकाशित किया गया है। निपुण बालमंच ई-पत्रिका शिक्षा विभाग की एक नवाचारी पहल है जिसका उद्देश्य बच्चों और शिक्षकों में रचनात्मकता, लेखन व अभिव्यक्ति के कौशल को प्रोत्साहन देना है। पत्रिका के संपादकीय संदेश में बच्चों से कहा गया है– 'प्यारे बच्चों! कल्पना की दुनिया में खो जाइए! बालमंच का तीसरा अंक आपके सामने है जिसमें मजेदार कहानियां, कविताएं और गतिविधियों का खजाना है। आपकी लिखी कहानियां, आपकी पेंटिंग्स और भी बहुत कुछ... तो पढ़िए, सीखिए और आनंद लीजिए। इस अवसर पर शिक्षक मृत्युंजय कुमार ने कहा शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही 'निपुण बालमंच' जैसी पहल शिक्षकों और विद्यार्थियों दोनों के लिए प्रेरणादायी है। मेरी कविताओं को इसमें स्थान मिलना न केवल व्यक्तिगत सम्मान है, बल्कि यह सभी शिक्षकों के लिए एक संदेश है कि हम अपने शब्दों और विचारों से बच्चों के मन में सृजनात्मक ऊर्जा भर सकते हैं।

गांधी, शास्त्री और पटेल को समर्पित बी.डी. कॉलेज में प्रेरक सांस्कृतिक कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा गुरूवार को महात्मा गांधी, लाल बहादुर शास्त्री और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 'गांधी की करुणा, शास्त्री की सादगी, पटेल की दृढ़ताः प्रेरणा के तीन दीप' विषय पर एक प्रेरणादायक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ जिसमें तीनों महापुरुषों के जीवन मूल्यों और राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम की

शुरुआत गांधी के प्रिय भजन वैष्णव जन तो तेणे कहिए जे की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुई, जिसने पूरे सभागार में करुणा और आत्मचिंतन का वातावरण बना दिया। इसके बाद लाल बहादुर शास्त्री के ऐतिहासिक भाषण के अंशों का वाचन किया गया, जिससे उनकी सादगी, ईमानदारी और नेतृत्व की भावना झलकी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सरदार पटेल के जीवन पर आधारित लघु नाटिका रही जिसे विद्यार्थियों ने मंचित किया। इस नाटिका ने पटेल की दृढ़ता और राष्ट्रीय एकता के संदेश को प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। महाविद्यालय की प्रधानाचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने अपने संबोधन में कहा 'गांधी की करुणा हमें संवेदनशील बनाती है, शास्त्री की सादगी हमें विनम्रता सिखाती है और पटेल की दृढ़ता हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव देती है। यदि हमारी युवा पीढ़ी इन मूल्यों को आत्मसात कर सके, तो यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. दिव्या कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मनीता कुमारी यादव ने प्रस्तुत किया। मीडिया प्रभारी डॉ. अमित कुमार ने बताया कि यह आयोजन न केवल ऐतिहासिक स्मृतियों को पुनर्जीवित करने का माध्यम बना, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, नेतृत्व और एकता के मूल्यों का भी संचार किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। आयोजन का वातावरण उत्साहपूर्ण और भावनात्मक दोनों रहा, जिसने सभी को तीनों महापुरुषों की प्रेरक जीवन गाथाओं से जोड़ने का कार्य किया।

समाचारों के प्रसारण में आकाशवाणी की विश्वसनीयता सर्वोत्तम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना में आकाशवाणी समाचार द्वारा जिला संवाददाताओं के लिए एकदिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य विधानसभा चुनाव के दौरान निष्पक्ष, तथ्यपूर्ण और सटीक रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन आकाशवाणी पटना के केंद्राध्यक्ष हेमंत डी. सिहाग ने किया। उन्होंने कहा कि चुनावी रिपोर्टिंग पत्रकारिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है जिसमें सटीकता, तटस्थता और संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। कार्यशाला के प्रमुख वक्ताओं में दूरदर्शन समाचार पटना के प्रादेशिक प्रमुख सलमान हैदर, आकाशवाणी समाचार पटना के प्रादेशिक प्रमुख अजय कुमार, समाचार संपादक धर्मेंद्र कुमार और सबिता पारिक शामिल रहे। सभी वक्ताओं ने जिला संवाददाताओं को चुनाव आचार संहिता, समाचार चयन और प्रसारण की नैतिकता पर मार्गदर्शन दिया। वक्ताओं ने संवाददाताओं से कहा कि किसी भी प्रकार के वाद-विवाद या आरोप-प्रत्यारोप से जुड़े समाचारों से बचते हुए केवल प्रमाणित तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया की गरिमा बनाए रखने के लिए पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। कार्यशाला में अन्य वक्ताओं के रूप में आकाशवाणी संवाददाता कमल किशोर ने भी अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान बक्सर के संवाददाता शशांक शेखर और नवादा के संवाददाता अशोक प्रियदर्शी भी मौजूद रहे। कार्यशाला के दौरान जिला संवाददाताओं ने चुनाव कवरेज से जुड़ी चुनौतियों, क्षेत्रीय मुद्दों और निष्पक्ष पत्रकारिता के सिद्धांतों पर चर्चा की। कार्यक्रम का समापन आकाशवाणी समाचार के अधिकारियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान करने के साथ हुआ।

भारतीय जीवन बीमा निगम की नई जन सुरक्षा और बीमा लक्ष्मी योजना का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जीवन बीमा निगम के सी.ई.ओ. एवं एम.डी., आर. दुरैस्वामि ने दो नई योजनाएं, एलआईसी की जन सुरक्षा और एलआईसी की बीमा लक्ष्मी शुरू कीं। ये नई अगली पीढ़ी जी.एस.टी. व्यवस्था में एलआइसी द्वारा पेश किए गए पहले दो उत्पाद हैं। वर्तमान परिवेश में जब ब्याज दरें अत्यधिक अस्थिर हैं, ये दोनों योजनाएं पॉलिसी अवधि के दौरान गारंटीड ॲडीशन्स प्रदान करती हैं। दोनों योजनाओं के तहत तीन वर्षों के प्रीमियम का भुगतान करने के बाद ऑटो कवर सुविधा उपलब्ध है।

एलआईसी की जन सुरक्षा - योजना (880)

एलआईसी की जन सुरक्षा एक जीवन सूक्ष्म बीमा योजना है। इस योजना का उद्देश्य कम आय वर्ग के लोगों की जरूरतों को पूरा करना है। इसमें ऑटो कवर सुविधा और गारंटीड ॲडीशन्स शामिल हैं। ये गारंटीड ॲडीशन्स, पॉलिसी अवधि के दौरान प्रत्येक पॉलिसी वर्ष के अंत में वार्षिक प्रीमियम के 4% की दर से अर्जित होते हैं। यह योजना पॉलिसी अवधि के दौरान पॉलिसीधारक की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करती है और परिपक्वता के समय जीवित पॉलिसीधारक को एकमुश्त राशि प्रदान करती है। यह योजना बिना किसी चिकित्सीय जांच के केवल सामान्य स्वस्थ जीवन के लिए उपलब्ध है।

प्रदूषण नियंत्रण पर्षद द्वारा की जा रही वायु गुणवत्ता एवं ध्वनि स्तर की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद् द्वारा दीपावली पर्व के दौरान पटना शहर में परिवेशीय वायु गुणवत्ता का अनुश्रवण कार्य 13 अक्टूबर से 27 अक्टूबर, 2025 तक जिसमें 7 दिन दीपावली के पूर्व 20.10.2025 को दीपावली के दिन तथा 7 दिन दीपावली के बाद चलाया जा रहा है। साथ ही ध्वनि स्तर का अनुश्रवण दीपावली के पूर्व 14.10.2025 को एवं दीपावली के दिन संध्या 06:00 बजे से मध्यरात्रि 12:00 बजे तक कराया जायेगा। पटना शहर के निम्नांकित स्थलों पर परिवेशीय वायु गुणवत्ता एवं ध्वनि स्तर की जांच की जा रही है- बोरिंग रोड चौराहा के पास, पटना, बेलट्रॉन भवन परिसर, शास्त्रीनगर, पटना, परिवेश भवन परिसर, पाटलिपुत्र औद्योगिक क्षेत्र, पटना, जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया का परिसर, कंकड़बाग, पटना। उपर्युक्त स्थलों से प्राप्त नमूनों का विश्लेषण राज्य पर्षद् की केन्द्रीय प्रयोगशाला में किया जायेगा। इसके अतिरिक्त राज्य पर्षद् द्वारा 14.10.2025 से 17.10.2025 तक निम्नांकित स्थलों पर परिवेशीय ध्वनि स्तर की जांच पटना नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न प्रमुख स्थलों पर की जा रही है। 14.10.2025 एवं 15.10.2025। कुर्जी मोड़ के पास, पटना, साई मंदिर, पाटलिपुत्र के पास, पटना, पाटलिपुत्र चौराहा के पास, पटना, अटल पथ (राजीव नगर-इन्द्रपुरी) ओवर ब्रिज के नीचे, पटना। 16.10.2025 एवं 17.10.2025 ए.एन कॉलेज के समीप, पानी टंकी के समीप, पटना, बोरिंग रोड चौराहा के समीप, पटना, पटना उच्च न्यायालय, पटना, सचिवालय चौराहा, पटना, डाक बंगला चौराहा, पटना, एक्जीबिशन रोड चौराहा, पटना, स्टेशन चौराहा, पटना, जी.पी.ओ. चौराहा, पटना, आर. ब्लॉक चौराहा, पटना। इन स्थलों पर ध्वनि स्तर अनुश्रवण कार्य में राजकीय कन्या महाविद्यालय, गर्दनीबाग की छात्राओं का सहयोग प्राप्त है।

एचडीएफसी बैंक ने दी डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव की सलाह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एचडीएफसी बैंक ने नागरिकों से डिजिटल धोखाधड़ी की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करने की अपील की है। बैंक ने 'एलबीडब्ल्यू' नाम से तीन चरणों की सरल प्रक्रिया बताई है लॉ इन्फोरस्मेंट एजेंसी, बैंक और वाइप। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे 1930 हेल्पलाइन नंबर या साइबर क्राइम डॉट जीओवी डॉट इन वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करें, अपने बैंक को तुरंत अनधिकृत लेनदेन की सूचना दें और भुगतान माध्यम (कार्ड/यूपीआई/नेट बैंकिंग) को ब्लॉक करवाएं। साथ ही उपकरणों को वाइप कर सभी पासवर्ड रीसेट करें। एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा डिजिटल लेन देन में सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है। कुछ सरल कदम धन की वसूली की संभावना बढ़ाते हैं और भविष्य के जोखिमों से बचाते हैं। बैंक ने 'डिजिटल गिरफ्तारी', निवेश और एपीके जैसे घोटालों से सावधान रहने की चेतावनी दी है। एचडीएफसी बैंक देशभर में साइबर जागरूकता कार्यशालाओं के माध्यम से सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग प्रथाओं को बढ़ावा दे रहा है।

बिहार ने पकड़ी विकास की रफ्तार, जनता का भरोसा सिर्फ एनडीए सरकार : अनुराग सिंह ठाकुर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री व हिमाचल की हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से पांचवी बार के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दृष्टिगत पटना के बांकीपुर से एनडीए प्रत्याशी नितिन नवीन व अररिया की सिकटी विधानसभा से प्रत्याशी विजय कुमार मंडल, सहरसा के नामांकन कार्यक्रम में भागीदारी कर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए के शासनकाल में बिहार विकास की रफ्तार पकड़ चुका है और इसलिए जनता इस विधानसभा चुनाव में फिर एक बार एनडीए सरकार अपना भरोसा जतायेगी और सुशासन व

सर्वकल्याण वाली एनडीए सरकार बनाएगी। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा बिहार की यह धरती बुद्ध, चाणक्य और जननायक जयप्रकाश नारायण की है। यह वही बिहार है जिसने देश को दिशा दी, लोकतंत्र को ताकत दी और आज एक बार फिर विकास की नई कहानी लिखने जा रहा है। बिहार में सुशासन की सरकार चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बिहार में लगातार विकास करने का काम किया है। बिहार आज विकास की एक प्रेरणादायक गाथा लिख रहा है। पिछले एक दशक में केंद्र सरकार द्वारा राज्य को दी गई अभूतपूर्व वित्तीय सहायता ने बिहार की समृद्धि की राह खोल दी है। मोदी जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के दौरान, 2004-14 की तुलना में बिहार को मिलने वाली आर्थिक सहायता तीन गुना से अधिक बढ़कर 2014-24 के दौरान 9.23 लाख करोड़ तक पहुंच गई। यह निवेश न केवल राज्य की सामाजिक और आर्थिक संरचना को बदल रहा है, बल्कि बिहार को पूर्वी भारत का प्रमुख आर्थिक हब बनाने में भी मददगार बन रहा है। अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा एनडीए सरकार ने बिहार के सर्वांगीण विकास में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। 2 नए एयरपोर्ट का निर्माण और 6 नए एयरपोर्ट की स्वीकृति, एयरपोर्ट का विस्तारीकरण, 5 एक्सप्रेस-वे, 2 एम्स, 2 सेंट्रल यूनिवर्सिटी, नए महासेतु, पटना में मेट्रो, मखाना बोर्ड की स्थापना, 1.5 करोड़ से अधिक शौचालय, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 1 करोड़ एलपीजी गैस कनेक्शन रेलवे ट्रैक विस्तार के मामले में बिहार ने 2014 के बाद एक अभूतपूर्व गति पकड़ी है। 2009 से 2014 के दौरान राज्य में औसतन केवल 63.6 किलोमीटर नए ट्रैक प्रतिवर्ष बने थे। लेकिन 2014 से 2025 तक यह औसत बढ़कर 172.6 किलोमीटर प्रतिवर्ष हो गया। बिहार में रेलवे का यह विस्तार सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि इससे रेल यात्रियों के लिए सुविधआएं भी तेजी से बढ़ रही हैं। 2014 से अब तक 115 नई ट्रेनों की शुरुआत हुई है। बिहार के रेलवे बजट में पिछले एक दशक में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। 2009-2014 के बीच जहां वार्षिक औसत आवंटन केवल 1,132 करोड़ था, वहीं 2025-26 तक यह बढ़कर 10,066 करोड़ हो गया है। यह लगभग नौ गुना की बढ़ोतरी है। इस बजट से न केवल ट्रैक और स्टेशन का विकास हुआ है, बल्कि नई ट्रेनें, पुल, इलेक्ट्रिफिकेशन और यात्रियों की सुविधाएं भी बेहतर हुई हैं।

प्रो डॉ रश्मि प्रियदर्शनी को मिला गोवर्द्धन प्रसाद सदय सम्मान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था शब्दवीणा की संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो डॉ रश्मि प्रियदर्शनी को गया जी की प्रतिष्ठित संस्था साहित्य महापरिषद द्वारा गोवर्द्धन प्रसाद सदय सम्मान प्रदान किया गया। डॉ रश्मि को यह सम्मान साहित्यकार स्वर्गीय गोवर्द्धन प्रसाद सदय की शताब्दी जयंती समारोह के अवसर पर दिया गया। साहित्य महापरिषद तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामसिंहासन सिंह ने डॉ रश्मि को शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया। कवयित्री रानी मिश्रा ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। तत्पश्चात समारोह के उद्घाटनकर्ता प्रो. उपेन्द्रनाथ वर्मा, सदस्य, बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग, पटना, मुख्य अतिथि प्रो. रणजीत कुमार वर्मा, पूर्व कुलपति, मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर, विशिष्ट अतिथि साहित्यकार डॉ शिरोमणि सिंह एवं डॉ रामसिंहासन सिंह ने डॉ रश्मि को गोवर्द्धन प्रसाद सदय सम्मान के तहत प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जिसमें यह वर्णित है कि डॉ रश्मि को यह सम्मान उनकी अनवरत साहित्य साधना, साहित्य सेवा, अध्ययनशीलता, विद्या वैभव को समृद्ध करते रहने की लगन, एकांत चिंतन-मनन करके समाज के हितार्थ लेखनी की सक्रियता के लिए प्रदान किया गया है। डॉ रश्मि की रचनाओं में व्यक्ति, जीव, प्रकृति, देश तथा समाज के हितार्थ गंभीर चिंतन-मनन निहित होता है। उनकी रचनाओं में सत्य का अन्वेषण और शिव का सौंदर्य रहता है। उन्हें यह सम्मान उनके समुज्ज्वल कृतित्व एवं सतत साहित्य साधना के लिए प्रदान किया गया है। गोवर्द्धन प्रसाद सदय सम्मान मिलने पर डॉ रश्मि को शब्दवीणा की राष्ट्रीय समिति व देश भर में गठित विभिन्न प्रदेश तथा जिला समितियों से लगातार शुभकामनाएं मिल रहीं हैं। उन्हें मिले इस सम्मान से समस्त शब्दवीणा परिवार गौरवान्वित है। शब्दवीणा साधक इसे पूरी संस्था के लिए हर्ष तथा गौरव का विषय बता रहे हैं। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल ने भी उन्हें हार्दिक बधाइयां तथा शुभकामनाएं दीं।

एवीबीपी बोधगया के प्रतिनिधि मंडल ने वीसी को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गयाजी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बोधगया के प्रतिनिधि मंडल ने गुरुवार को मगध विश्वविद्यालय कुलपति को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर उपस्थित प्रांत सह मंत्री मंतोष सुमन ने कहा कि मगध विश्वविद्यालय परिसर में युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद जी की आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए और एसएमएसजी कॉलेज, शेरघाटी में स्नातकोत्तर की पढ़ाई शीघ्र प्रारंभ की जाए। जिला सह संयोजक अमित कुमार सिन्हा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन युवाओं में उत्साह, आत्मविश्वास और राष्ट्रभावना का संचार करता है। विश्वविद्यालय परिसर में उनकी प्रतिमा स्थापित होने से छात्रों को प्रेरणा मिलेगी।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल में पुलिस और कानून-व्यवस्था की लाचारगी

पिछले कुछ समय में पश्चिम बंगाल में बलात्कार की लगातार कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे राज्य सरकार पर सवाल उठे हैं। मगर जिम्मेदारी लेने के बजाय सरकार आक्रामक होकर अपना बचाव करने की कोशिश करती है।पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक मेडिकल छात्रा से सामूहिक बलात्कार के बाद राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जहां इस अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई से लेकर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस उपाय करने पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए था, वहां वे अपना पल्ला झाड़ने के लिए पीड़ित को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश करती दिखती हैं। गौरतलब है कि दुर्गापुर में कालेज के प्रवेश द्वार के पास से अगवा करके कुछ लोगों ने छात्रा से सामूहिक बलात्कार किया।व्यवस्था की लाचारगी का ही सबूत है कि आपराधिक तत्त्वों ने एक तरह से बेखौफ होकर इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। अफसोसनाक यह है कि कानून-व्यवस्था की इस स्तर की नाकामी के बाद राज्य की मुख्यमंत्री को जहां पहले जिम्मेदारी लेने और राज्य के पुलिस तंत्र को सवालों के कठघरे में खड़ा करना चाहिए था, वहां उन्होंने कहा कि छात्राओं को देर रात बाहर नहीं निकलना चाहिए।सवाल है कि एक जघन्य अपराध के बाद ममता बनर्जी राज्य में कानून-व्यवस्था की हकीकत को स्वीकार करने के बजाय पीड़ित को ही जिम्मेदार बता कर क्या हासिल करना चाहती हैं। क्या एक राज्य की मुख्यमंत्री होने के बावजूद वे यह स्वीकार कर रही हैं कि उनके शासन में रात के समय बलात्कार और अन्य जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले लोगों पर पुलिस या कानून की कोई लगाम नहीं होती? दरअसल, महिलाओं को देर रात घर से निकलने पर अपराधियों से खतरा होने को लेकर ममता बनर्जी का बयान न केवल लापरवाही से भरा है, बल्कि अपराधियों के दुस्साहस को और मजबूत करता है।पिछले कुछ समय में पश्चिम बंगाल में बलात्कार की लगातार कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनसे राज्य सरकार पर सवाल उठे हैं। मगर जिम्मेदारी लेने के बजाय सरकार आक्रामक होकर अपना बचाव करने की कोशिश करती है। इस क्रम में पीड़ित पर ही सवाल उठाने की प्रवृत्ति बेहद गैरजिम्मेदाराना है। किसी दुखद घटना का सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटनाओं को रोकने के लिए हर स्तर पर पुख्ता इंतजाम किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा के सवाल से सरकार खुद ही पल्ला झाड़ने में लगी है।इतनी संवेदनशीलता किसी भी इंसान के भीतर होनी चाहिए कि वह बलात्कार और उसके बाद पीड़ित की मनःस्थिति की गंभीरता को समझे।

दुनिया के तमाम मुल्कों पर कब्जा करने वाले अंग्रेज अफगानिस्तान पर कभी तसल्ली से शासन नहीं कर पाए। हालिया इतिहास की बात करे तो दुनिया की दो महाशक्तियां सोवियत संघ और अमेरिका दोनों अफगानिस्तान में बड़े-बड़े अरमान लेकर आए लेकिन उन्हें बेहिसाब बर्बादी और निराशा के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ।

सिकंदर को झुकाया, ब्रिटेन-रूस-अमेरिका जैसे 3 सुपरपॉवर को हराया, उस अफगानिस्तान से क्या पाक जीत सकता है?

(अभिनय आकाश)

सदियों पुरानी एक कहानी है, सिकंदर महान की जिसे दुनिया विश्व विजेता का तमगा पहनाती थी। जब सिकंदर ने अपने अभियान की शुरुआत की। उसके रास्ते में पड़ने वाले साम्राज्य एक-एक कर नतमस्तर होते चले गए। एक साल के भीतर उसने एंटोलियो, मेसोपोटामिया और पर्सिया पर कब्जा कर लिया। आगे अफगानिस्तान था। सिकंदर को लगा ये तो कुछ दिनों की बात है। लेकिन वहां पहुंचने पर उसका गणित उल्टा पड़ गया। एक अंतहीन जंग शुरू हो गई। छोटे-छोटे अफगान कबिलों ने सिकंदर की सेना को हांफने पर मजबूर कर दिया। इसमें तीन बरस बीत गए। कुछ लोगों का मानना है कि सिकंदर के हिंदुस्तान न जीत पाने की एक वजह ये भी थी। अफगानिस्तान की सेना ने उसे खूब थका दिया था। उसी समय से एक कुख्यात लाइन चलने लगी अफगानिस्तान इज ग्रेवेरीड आफ एमपायर ये केवल सिकंदर की बात नहीं है 19वीं सदी में ब्रिटिश राज में भी यही रवायत देखने को मिली। दुनिया के तमाम मुल्कों पर कब्जा करने वाले अंग्रेज अफगानिस्तान पर कभी तसल्ली से शासन नहीं कर पाए। हालिया इतिहास की बात करे तो दुनिया की दो महाशक्तियां सोवियत संघ और अमेरिका दोनों अफगानिस्तान में बड़े-बड़े अरमान लेकर आए लेकिन उन्हें बेहिसाब बर्बादी और निराशा के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ।

जब दिल्ली में अफगानिस्तान का डेलीगेशन आया हुआ था। तभी पाकिस्तान ने काबुल पर अटैक कर दिया। लेकिन क्या पाकिस्तान ने ये सोचकर अटैक किया कि अफगानिस्तान भला उसका क्या ही बिगाड़ लेगा। क्योंकि अगर इतिहास को देखे तो पाकिस्तान के लिए ये किसी बहुत बड़े बल्डर से कम नहीं था। अफगानिस्तान इस हमले के जवाब में पाकिस्तान पर जबरदस्त अटैक कर दिया। ये अटैक पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा जिले के डेरा इस्माइल खां इलाके से शुरू हुआ। यहां पुलिस ट्रेनिंग सेंटर के पास एक कार ब्लास्ट हुआ, जिसके बाद कई हमलावर पुलिस ट्रेनिंग परिसर में घुस गए। दो दिनों तक दोनों देशों के बीच लड़ाई चलती रही और आखिरकार दोनों के बीच लड़ाई को अभी रोक दिया गया है। अफगानिस्तान का दावा है कि उसके 9 जवान शहीद हुए और पाकिस्तानी सेना के करीब 58 सैनिक मारे गए। वहीं पाकिस्तान कहां पीछे रहने वाला था, उन्होंने दावा किया कि हमने 200 तालिबानी लड़ाके मार गिराए हैं। इस बीच पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान अपनी सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा। हर उकसावे का मजबूत तरीके से जवाब दिया जाएगा। लेकिन शायद शहबाज शरीफ भूल रहे हैं कि अफगानिस्तान को असल में सामाज्यों का कब्रिस्तान कहा जाता है।

ब्रिटश साम्राज्य के साथ क्या हुआ

चाहे वो 19वीं सदी में ब्रिटिश राज हो, 20वीं सदी में सोवियत संघ हो या 21वीं सदी में अमेरिका, किसी भी विदेशी महाशक्ति को आज तक अफगानिस्तान में उस तरह की राजनीतिक सफलता नहीं मिल सकी, जिसकी मंशा से वो अपनी सैन्य शक्ति के साथ अफगानिस्तान में घुसे। ब्रिटिश एंपायर ने कभी पूरी ताकत के साथ अफगानिस्तान को जीतने की कोशिश की थी। जब ब्रिटिश एंपायर अपने चरम पर था तब उसका सबसे बड़ा डर सोवियत रूस था। ब्रिटेन के लिए भारत ताज का मोती था और अफगानिस्तान उसकी सुरक्षा की ढाल यानी एक तरह से बफर। ब्रिटेन को डर था कि अगर रशिया ने अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया तो भारत पर उसका खतरा बढ़ जाएगा। इसी डर से शुरू हुई ब्रिटिश और अफगान युद्धों की कहानी जिसे इतिहास में द ग्रेट गेम कहा गया। ब्रिटेन ने अफगानिस्तान में कुल तीन युद्ध लड़े लेकिन इन युद्धों ने उसे बर्बाद ही कर दिया। जब 1842 में ब्रिटिश सेना काबुल से निकली तो 16,000 सैनिक गए थे। इसमें से सिर्फ एक आदमी डॉक्टर विलियम ब्राइडन जिंदा बचे। बाकी सब के सब मारे गए। ये इतिहास की सबसे बड़ी मिलिट्री तबाहियों में से एक थी। ऐसे ही 1878 से 1880 के बीच दूसरा एंग्लो अफगान वॉर हुआ। इस बार ब्रिटेन ने यहां पर दोस्ताना सरकार तो बनाई लेकिन डायरेक्ट कंट्रोल फिर भी नहीं पा सका। मजबूरी में डूरंड लाइन खींचकर एक समझौता करना पड़ा। 1919 में इन्होंने ब्रिटेन के खिलाफ तीसरा युद्ध छेड़ा। यह लड़ाई कुछ ही महीनों चली लेकिन रिजल्ट यह हुआ कि अफगानिस्तान को भारत से भी पहले आजादी मिल गई और यहां से ब्रिटिश इंपैक्ट पूरी तरह से खत्म हो गया।

सोवियत संघ को भी छोड़ना पड़ा काबुल

20वीं सदी के सबसे ताकतवर देश सोवियत संघ ने भी अफगानिस्तान पर कब्जे की चाह के साथ एंट्री ली। सोवियत संघ ने 1979 में अफगानिस्तान पर अटैक किया था। वजह थी यहां की कम्युनिस्ट सरकार को बचाना जिसे कि इस्लामिक विद्रोही गिराने की कोशिश कर रहे थे। अफगान मुजाहिद्दीनों ने गोरिल्ला युद्ध शुरू कर दिया। अमेरिका, पाकिस्तान, सऊदी अरब और चाइना ने उन्हें हथियार दिए। खासकर स्टिंगर मिसाइल सिस्टम जिससे सोवियत हेलीकॉप्टर और उनके जेट्स गिराए जाने लगे। 10 साल के अंदर यूएसएसआर को 1 लाख सोवियत सैनिक तैनात करने पड़े। इस दौरान 15,000 सोवियत सैनिक मारे गए और 1989 में मिखाइल गोरबाचेव ने यह माना कि यह सोवियत संघ का वियतनाम बन चुका है। अफगानिस्तान से हार के बाद सोवियत संघ का पतन होना शुरू हो गया। 1991 में यह टूट कर 15 देशों में बट गया।

अमेरिका ने खड़ा किया मुजाहिदीन

ये 1970 की बात है कम्युनिस्ट सरकार को बचाने के लिए सोवियत संघ रूस ने अफगानिस्तान पर हमला किया। शीत युद्ध की वजह से अमेरिका की दुश्मनी रूस के साथ अपने चरम पर थी। फिर अफ़ग़ानिस्तान का भाग्य लिखने के लिए पाकिस्तान, सऊदी अरब और अमेरिका ने नया गठजोड़ बनाया। तीनों देशों को देवबंद और उसके पाकिस्तानी राजनीतिक पार्टी जमात-ए-उलेमा-ए-इस्लाम में उम्मीद नज़र आयी। पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा के एक देवबंदी हक्कानी मदरसे और फिर देवबंद के कराची मदरसे में पढ़ने वाले मुहम्मद उमर को ज़िम्मेदारी देकर मुल्ला मुहम्मद उमर बनाया गया। किसी को खबर हीं नहीं लगी कि कब मुल्ला उम्र ने पहले पचास और 15 हज़ार छात्रों के मदरसे खोल लिए। इसके लिए पाकिस्तान, अमेरिका और सउदी अरब ने खूब पैसे खर्चने शुरू किए। अमेरिका ने 1980 में यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फ़ॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट बनाया जिसके जरिए देवबंद के नफ़रती विचारों वाली शिक्षण सामग्री को छपवाकर देवबंदी मदरसों में बांटा जाने लगा। सोवियत से लड़ने के लिए अफ़गानिस्तान में मुजाहिदीनों की एक फ़ौज खड़ी हो गई। 1989 में सोवियत की वापसी के साथ इस युद्ध का एक पन्ना ख़त्म हो गया। सोवियत जा चुका था। मगर उससे लड़ने के लिए खड़े हुए मुजाहिदीन लड़ाकों ने हथियार नहीं रखे थे। वो अब अफ़गानिस्तान के अलग-अलग हिस्सों में वर्चस्व बनाने के लिए लड़ रहे थे। 11 सितंबर 2001 को चार हवाई जहाजों को हाईजैक कर अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की इमारत और पेंटागन पर अल कायदा के आतंकियों ने हमला किया था। जिसमें करीब तीन हजार लोगों की मौत हुई थी। जब इस आतंकी संगठन ने अमेरिका में 9/11 के हमले को अंजाम दिया तो फिर अमेरिका ने इस आतंकवादी संगठन को सबक सिखाने की ठानी। 29 फरवरी 2020 को दुनिया की एक बड़ी ताकत, दुनिया के दरोगा की हैसियत रखने वाला अमेरिका ने दुनिया के एक छोटे से भूभाग में तालिबान के आगे घुटने टेक दिए।

पाकिस्तान अफगानिस्तान को कभी हरा ही नहीं सकता

पाकिस्तान को लग रहा था कि उसके बॉस जिसकी चमचागिरी करते शहबाज शरीफ इन दिनों देखे भी गए वो अमेरिका बचाने के लिए आ जाएंगे। सऊदी अरब से भी डील की है। वो भी बचाने के लिए आ जाएंगे। लेकिन दोनों में से कोई नहीं आया। सऊदी अरब ने भी अपने हाथ पीछे खींच लिए और ट्रंप तो बयानवीर खैर है ही। जब एयर स्ट्राइक काबुल पर की गई पाकिस्तान की तरफ से उसके बाद कैसा जवाब मिलेगा तालीबान से उस बात का अंदाजा पाकिस्तान को नहीं था। तालिबान की तरफ से कहा गया कि हमने अपनी ताकत के सिर्फ 10 फीसदी के साथ तुमसे मुकाबला किया है और तुम अपनी चौकियों से भाग गए। अगर तुमने फिर से अफगानिस्तान की जमीन पर कब्जा करने की हिमा हिम्मत की तो तुम्हारे खिलाफ अपनी 100 फीसदी ताकत लगा देंगे। तालिबान के कमांडर का ये कहना है। अगर 10 प्रतिशत ताकत लगाने के बाद पाकिस्तानी सेना भाग गई तो अगर 100सदी इन्होंने ताकत लगा दी तो फिर क्या होगा? आपको तालिबान के विदेश मंत्री का वो बयान तो याद ही होगा जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान को तालीबान की ताकत देखनी है तो वो जाकर यूएसएसआर से पूछे वो जाकर अमेरिका से पूछे उस अमेरिका से जो 20 साल तक अफगानिस्तान में रहा लेकिन तालीबान को हरा नहीं पाया। उसके बावजूद भी पाकिस्तान तालिबान से टक्कर ले रहा है।

मारिया की राजनीति और राहुल गांधी की सियासी उलझन

हरीश शिवनानी

वैश्विक राजनीति अक्सर ऐसी जटिल उलझनें पैदा कर देती है जहाँ सिद्धांत और व्यावहारिक राजनीति के बीच का अंतर पेचीदा हो जाता है। नोबेल शांति पुरस्कार 2025 विजेता वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो और भारत के कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर एक दिलचस्प परिदृश्य उत्पन्न हो गया गया है। मारिया अपने देश में सरकार के खिलाफ, लोकतंत्र, मतदान में धांधली, भ्रष्टाचार आदि को लेकर संषर्ष कर रही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनकी इस राजनीति की सराहना करते हैं क्योंकि ऐसा ही वे भारत में अपनी राजनीति में कर रहे हैं। कांग्रेसी मारिया और राहुल को एक ही डाल का पंछी मानते हैं। यहाँ तक कि कांग्रेस के एक आधिकारिक प्रवक्ता ने तो राहुल गांधी के लिए भी नोबेल की मांग कर डाली। वे मारिया को राहुल गांधी की समर्थक मानते हैं। मारिया ने एक बार राहुल गांधी की तारीफ में ट्वीट भी किया था। दूसरी ओर वास्तिवकता यह है कि राहुल गांधी और कांग्रेस की सियासत और मारिया की राजनीति और विचारधारा में गहरा अंतर्विरोध है। यह अंतर्विरोध ही राहुल और कांग्रेस के लिए जटिल उलझन और गले की फांस बन गया गया है। मारिया की राजनीति अपनी जगह उनके लिए मुफ़ीद है लेकिन राहुल गांधी की सियासत अलग है।

मारिया को नोबेल की घोषणा करते हुए नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने उन्हें 'लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और तानाशाही के खिलाफ अथक प्रयास' के लिए सराहा। हालांकि, माचाडो की धुर दक्षिणपंथी विचारधारा—जिसमें डोनाल्ड ट्रम्प का समर्थन, इजराइल की नीतियों की पक्षधरता और आर्थिक निजीकरण की वकालत शामिल है— ने कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए पसोपेश वाली स्थिति पैदा कर दी है। मारिया कोरिना माचाडो का राजनीतिक उदय वेनेजुएला की समाजवादी सरकारों के खिलाफ प्रतिरोध पर आधारित है। 1967 में जन्मी माचाडो, एक पूर्व सांसद और इंजीनियर, 2012 से विपक्षी गठबंधन की प्रमुख रही हैं। उन्होंने ह्यूगो चावेज और निकोलास मादुरो की सरकारों पर चुनावी धांधली, भ्रष्टाचार और मानवाधिकार उल्लंघनों के आरोप लगाए। ऐसा ही राहुल गांधी भारत में भाजपा सरकार के खिलाफ करते हैं।

2024 के राष्ट्रपति चुनावों में, मादुरो सरकार ने मारिया को अयोग्य घोषित कर दिया, जिसके बाद उन्होंने एडमुंडो गोंजालेज को समर्थन देकर विपक्ष को एकजुट किया। इन प्रयासों ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय मान्यता दिलाई, जिसमें अमेरिकी प्रतिबंधों और विदेशी सहायता की मांग शामिल थी। मारिया की विचारधारा की अपनी राजनीति है। उन्होंने अपना पुरस्कार ट्रम्प को समर्पित करते हुए उन्हें 'हमारे संघर्ष का निर्णायक समर्थक' बताया। मारिया ने अपने देश मे अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप की भी वकालत की, जिससे वेनेजुएला में आर्थिक संकट बढ़ा। इजराइल के प्रति उनका रुख साफ है। उन्होंने इजराइल को 'स्वतंत्रता का सच्चा सहयोगी' कहा और गाजा संघर्ष में इजराइली कार्रवाइयों का समर्थन किया। इसके अलावा, माचाडो राज्य तेल कंपनी पीडीवीएसए के निजीकरण की भी पक्षधर हैं, जो समाजवादी विचारधारा के विपरीत है।

इस बीच मारिया को नोबेल की घोषणा होते ही भारत में कांग्रेस ने मारिया के पुरस्कार को अपने राजनीतिक नैरेटिव से जोड़ने का प्रयास किया। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि मारिया ने वेनेजुएला में लोकतंत्र के लिए जो संघर्ष किया, वही राहुल गांधी भारत में कर रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने सोशल मीडिया पर माचाडो की तुलना राहुल गांधी से की, उन्हें 'संविधान बचाने का योद्धा' बताते हुए उनके लिए भी नोबेल पुरस्कार की मांग कर डाली। यह तुलना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा है, जहां राहुल गांधी को चुनावी धांधली, संस्थागत क्षरण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मुखर दिखाया जाता है। विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखें तो यह नैरेटिव बहुत सतही है और राहुल तथा मारिया के बीच वैचारिक विरोधाभासों को अनदेखा करता है। कांग्रेस की ऐतिहासिक विचारधारा समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और साम्राज्यवाद-विरोध पर टिकी है। पार्टी ने फिलिस्तीन मुद्दे पर हमेशा समर्थन दिया, जो उसके मुस्लिम मतदाता आधार और वामपंथी सहयोगियों से जुड़ा है।

इस्राइल-हमास युद्धविराम: आशा की किरण या अस्थायी विराम?

(ललित गर्ग)

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे।

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की 'कूटनीति की जीत' से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्टपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 16-10-2025 22:16 Page 1

राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष पहुंचीं खूंटी, की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी। झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष-सह-सदस्या शबनम परवीन ने आज खूँटी जिला का दौरा किया। खूँटी आगमन पर अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा द्वारा जिला प्रशासन की ओर से प्रभारी अध्यक्ष-सह-सदस्या का स्वागत किया गया।

अपने दौरे के क्रम में प्रभारी अध्यक्ष-सह-सदस्या ने परिषदन भवन में जिले के पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत संचालित योजनाओं की वस्तुस्थिति, प्राप्त शिकायतों के निष्पादन की स्थिति, तथा झारखण्ड राज्य आकस्मिक खाद्यान्न कोष के जिला एवं पंचायत स्तर पर आवंटन एवं व्यय की समीक्षा की।

बैठक से पूर्व उन्होंने जिले के विभिन्न प्रखंडों में पीडीएस दुकानों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं विद्यालयों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभुकों को निर्धारित मात्रा में एवं समय पर 100 प्रतिशत राशन वितरण, मेनू अनुसार मध्याह्न भोजन, धात्री/गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को दिए जाने वाले लाभ को सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा बैठक के दौरान राशन कार्ड निर्माण, सदस्यों के नाम जोड़ने, समय पर राशन वितरण में विलंब, निर्धारित मात्रा से कम वितरण, आईसीडीएस एवं मध्याह्न भोजन योजना से संबंधित शिकायतों की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। प्रभारी अध्यक्ष-सह-सदस्या ने निर्देश दिया कि लंबित सभी शिकायतों का एक सप्ताह के भीतर निष्पादन कर रिपोर्ट आयोग को भेजी जाए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राशन वितरण में विलंब की शिकायतों की स्थिति में संबंधित लाभुक को सवा गुना मुआवजे के साथ राशन उपलब्ध कराया जाए।

बैठक में आकस्मिक खाद्यान्न कोष के आवंटन, वार्ड स्तर पर राशि की उपलब्धता, व्यय की स्थिति एवं लाभान्वित लाभुकों की संख्या का भी विस्तृत रूप से अवलोकन किया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री परमेश्वर मुण्डा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी भीम उरांव, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर, जिला शिक्षा अधीक्षक अभय कुमार शील, तथा सभी बीडीओ उपस्थित थे।

छापेमारी में सैकड़ों लीटर शराब नष्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में अवैध महुआ शराब निर्माण एवं बिक्री के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में गठित टीमों ने व्यापक छापेमारी अभियान चलाया और भारी मात्रा में अवैध शराब एवं जावा महुआ को नष्ट किया थाना क्षेत्र के हरिला पंचायत अंतर्गत हरिनवाटांड में पुलिस ने बैजू दास के घर के पीछे छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने करीब 20 लीटर देशी महुआ शराब तथा 40 किलो जावा महुआ बरामद किया, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया वहीं, मानजोरी पंचायत के बहादुरपुर गांव में भी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। यहां गुरुचरण साह एवं मित्तन साह के घर के पीछे छिपाकर रखे गए 100 किलो जावा महुआ एवं 15 लीटर देशी महुआ शराब को पुलिस ने जब्त कर नष्ट कर दिया थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम लगातार ऐसे लोगों पर निगरानी रखे हुए है।

उपायुक्त ने की योजनाओं की समीक्षा, दिए कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। लक्ष्य अनुरूप प्रगति नहीं होने पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई, निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने का निर्देश उपायुक्त, रामनिवास यादव ने आज समाहरणालय सभागार में मनरेगा, पीएम आवास योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, अबुआ आवास योजना समेत विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की बारी-बारी समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा के क्रम में कार्यों में कोताही बरतने वाले कर्मियों को सख्त निर्देश दिया गया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं में प्रगति सुनिश्चित करें और लोगों को इसका लाभ दें।

उपायुक्त के द्वारा मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में वैसे सभी योजनाओं जो वर्षों से पेंडिंग पड़े हुए हैं उन्हें अविलंब पूर्ण कराने, मानव दिवस सृजन में प्रगति लाने तथा शत-,प्रतिशत जियो टैगिंग कराने एवं पोटो हो खेल मैदान सहित अन्य योजना को पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया। बैठक में अबुआ आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर आवास योजना के तहत आवास निर्माण कार्य की भौतिक प्रगति, आवास योजना के लाभुकों की राशि की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी लंबित आवास निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

किस्तों का भुगतान भी समय पर किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी योग्य लाभुक इन योजनाओं से वंचित न रहे। इस क्रम में सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को लंबित योजनाओं में अगले एक हफ्ते के अंदर प्रगति लाने का सख्त निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने बारी-बारी से सभी महत्वकांक्षी योजनाओं की समीक्षा की तथा मनरेगा के सभी आयामों में प्रगति सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संचालन में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आगे उपायुक्त ने कहा कि सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता बरतें, ताकि सुनियोजित ढंग से योजनाओं को पूरा किया जाए और लोगों को उसका लाभ मिले। बैठक के क्रम में अबुआ आवास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 23-24 एवं 24-25 में दिए गए लक्ष्य, स्वीकृति, प्रथम/ द्वितीय एवं तृतीय किस्त भुगतान, फेल्यर पेमेंट, हाउस कंप्लीशन, जियो टैगिंग आदि के संबंध में जानकारी ली। वहीं प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत किए जा रहे कार्यों के लक्ष्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया।

पुराने नगर निगम परिसर की दुकानों पर चला बुलडोजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज टावर चौक स्थित पुराने नगर निगम परिसर की दुकानों को खाली कराने पहुंची नगर निगम की टीम ने पुलिस बल के साथ कार्रवाई की। इस अभियान का नेतृत्व उप नगर आयुक्त प्रशांत कुमार लायक ने किया। मौके पर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार, सहायक नगर आयुक्त अशोक हांसदा, अर्बन प्लानर मंजूर आलम सहित निगम अधिकारी और भारी संख्या में पुलिस जवान मौजूद रहे नगर निगम ने पूरे परिसर की 22 दुकानों को अपने अधीन लेते हुए अंदर से तोड़ने की प्रक्रिया शुरू कर दी। उप नगर आयुक्त ने बताया कि हाई कोर्ट के निर्देशानुसार नगर निगम कार्यालय के समीप संचालित इन दुकानों को खाली कराया गया है। सभी 22 दुकानदारों को मकतपुर स्थित सब्जी मंडी में लॉटरी के माध्यम से नया स्थान आवंटित किया गया था हाई कोर्ट ने आदेश दिया था कि 15 अक्टूबर तक दुकानदारों को नया दुकान देकर शिफ्ट कराया जाए और पुराने परिसर को खाली कराया जाए। आदेश की अवधि समाप्त होने के बाद निगम टीम ने कार्रवाई कर पुरानी दुकानों को खाली कराया। अधिकारियों ने दुकानदारों को जल्द ही नए स्थान पर दुकान लगाने की सलाह दी।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई समाज कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में आज जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं एवं क्रियान्वित कार्यों की गहन समीक्षा बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभागीय अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लाभुकों तक सेवाओं की पहुँच और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की गुणवत्ता को लेकर कई आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य रूप से आंगनबाड़ी केंद्रों में सेविका एवं सहायिका की रिक्तियां, आंगनबाड़ी केंद्रों में गर्भवती और धात्री महिलाओं को प्रदत्त लाभ, 6 माह से 3 वर्ष एवं 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों के पोषण लाभ, सेविका-सहायिकाओं के कार्य निष्पादन, आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना एवं भवन निर्माण, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना 2025-26, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, विधवा पुनर्विवाह, पोषण ट्रैकर, लो बर्थ वेट शिशु की स्थिति, एमटीसी केंद्रों का संचालन, तथा वीएचएसएनडी एवं सीबी दिवस के आयोजन आदि विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने अड़की प्रखंड में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत संतोषजनक आवेदन संख्या प्राप्त नहीं होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित एलएस एवं अन्य जिम्मेदार पदाधिकारियों के विरुद्ध नाराजगी जताते हुए उनके कार्य प्रदर्शन में त्वरित सुधार लाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि पात्र लाभुकों की पहचान कर समय पर आवेदन सुनिश्चित किए जाएं ताकि योजनाओं का लाभ वास्तविक लाभुकों तक पहुँच सके।

उन्होंने लो बर्थ वेट बेबी की संख्या को लेकर चिंता जताते हुए सभी सीडीपीओ, एलएस, एएनएम एवं सेविका-सहायिकाओं को निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच समय पर की जाए, तथा गर्भवती और धात्री महिलाओं को दिए जाने वाले सभी लाभ—जैसे आयरन-फोलिक एसिड, पोषण आहार, मातृत्व लाभ आदि—समय पर सुनिश्चित किए जाएं।

उपायुक्त ने वीएचएसएनडी के आयोजन को प्रभावी बनाने पर बल देते हुए कहा कि इस दिन गांव स्तर पर गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं और बच्चों की स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण, पोषण परामर्श तथा जनजागरूकता गतिविधियों का समुचित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अगले एक माह के भीतर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य पूर्ण कर लिए जाएं, केंद्रों में पेयजल की व्यवस्था हेतु आरओ वॉटर फिल्टर की स्थापना, तथा शौचालय की सुविधा अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। प्रतिमाह आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन समर्पित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में उप विकास आयुक्त आलोक कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी प्रतिभा कुजूर, सभी बीडीओ, सीडीपीओ, महिला पर्यवेक्षिका, कार्यपालक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता समेत समाज कल्याण विभाग एवं संबंधित शाखाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि समाज कल्याण विभाग की योजनाएं सीधे महिला एवं बच्चों के उत्थान से जुड़ी हैं, अतः सभी पदाधिकारी सक्रिय रहकर योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक लाभुक तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचे।

वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान और दीपावली मिलन समारोह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। इनरव्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन द्वारा हाल ही में दो विशेष आयोजनों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जो भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहे। 15 अक्टूबर को नेचर व्यू में क्लब की वरिष्ठ सदस्यों के सम्मान में एक हृदयस्पर्शी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उनका पारंपरिक तिलक, पुष्पवर्षा और कविता पाठ के साथ गर्मजोशी से स्वागत किया गया। वरिष्ठ सदस्याओं ने रैम्प वॉक और खेलों में भाग लेकर माहौल को आनंदमय बना दिया। क्लब की ओर से उन्हें सैश, क्राउन और उपहार भेंट किए गए। वरिष्ठों ने कहा कि ऐसा आत्मीय और आनंददायक अनुभव उन्हें पहले कभी नहीं मिला

केडिया धर्मशाला की जमीन पर बने अवैध पीएम आवास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पचंबा केडिया धर्मशाला की जमीन पर बने अवैध रूप से पीएम आवास मामले में नगर विकास विभाग झारखंड सरकार का नगर निगम विभाग गिरिडीह को तत्काल कार्रवाई का आदेश बताया जाता है कि केडिया धर्मशाला, पचम्बा की जमीन पर नगर-निगम ने ना केवल अवैध रूप से प्रधानमंत्री आवास आवंटित कर दिया, अपितु सारी जाँच में गड़बड़ के उजागर हो जाने के उपरांत भी नगर निगम ने कार्रवाई में अपनी कोई रुचि नहीं दिखाई धर्मशाला से जुड़े लोगों ने बताया कि लाभुकों कृष्णा पाडेय उर्फ नुनु पाडेय, नीरज पांडेय और दिनेश पांडेय का मनोबल काफी बढ़ गया है और वे लोग धर्मशाला के कर्मचारी के साथ आए दिन गाली गलौज और मारपीट करते हैं,जिसकी जानकारी भी पचंबा थाना को दी गई है।बताया जाता है कि केडिया जनकल्याण ट्रस्ट जो कि केडिया धर्मशाला, पचंबा का संचालन करता है, ने 2021 में तत्कालीन उपायुक्त राहुल सिन्हा को आवेदन देकर धर्मशाला की जमीन पर अवैध रूप से प्रधानमंत्री आवास बना दिये जाने का आरोप गिरिडीह नगर निगम पर लगाया था, जिसपर उपायुक्त ने मामले का संज्ञान लेते हुए अंचलाधिकारी, गिरिडीह से विस्तृत जाँच कराई जिसमें ट्रस्ट के आरोप को सही पाया गया लेकिन नगर-निगम द्वारा कोई कारवाई नहीं होता देख, ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री से कारवाई करने की गुहार लगाई थी, जिसपर मुख्यमंत्री ने से संज्ञान लेते हुए तत्कालीन उपायुक्त नमन-प्रियेश लकड़ा को कारवाई का आदेश दिया था, जिसपर उपायुक्त ने जांचोपरान्त आरोपों को सही पाते हुए नगर निगम को दोषी लाभुकों पर कठोर कारवाई का आदेश दिया था,लेकिन नगर निगम ने दो लाभुकों दिनेश पांडेय पिता परमानंद पांडेय एवं नीरज कुमार पांडेय पिता कृष्णा पांडेय उर नुनु पांडेय को प्रधानमंत्री आवास मद में आवंटित राशि की सिर्फ रिकवरी का नोटिस जारी कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली बताया जाता है कि रिकवरी का नोटिस मिलने के 18 महीनों बाद भी दोषी लाभुकों ने ना तो पैसा वापस किया और ना ही नगर निगम द्वारा उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई अब, ट्रस्ट की शिकायत पर नगरीय प्रशासन निदेशालय ने उप नगर आयुक्त गिरिडीह से तीन दिनों में जवाब तलब किया है,जिससे नगर निगम में हड़कंप मचा हुआ है केडिया जनकल्याण ट्रस्ट के ट्रस्टी श्रवण कुमार केडिया के कहा है कि नियम कानूनों के इतने स्पष्ट उल्लंघन और सभी जगह गुहार लगाने के बाद और आरोप सिद्ध होने के बाद भी दोषी लाभुकों पर कोई कारवाई न होना, नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार को दर्शार्ता है केडीया ने बताया दोषियों का मनोबल काफी बढ़ गया है और धर्मशाला से सटी से पास की परती खाली जमीन जो कि मंदरडीह मौजा में है।

पर्व त्योहार को ले खाद्य सुरक्षा विभाग सतर्क

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। उपायुक्त रामनिवास यादव के निदेर्शानुसार आज खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी राजा कुमार ने विभिन्न मिठाई दुकान, रेस्टुरेन्ट का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में बस स्टैण्ड स्थित गोपाल मिष्ठान भण्डार से खोवा का सैम्पल लिया गया एवं उनके प्रबंधक को परिसर में साफ-सफाई रखने का निदेश दिया गया। भवानी मिष्ठान भण्डार के प्रबंधक को साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया गया, बाबा मिष्ठान भण्डार के रसुल्ले में मख्खी पाया गया, जिससे उसी समय नष्ट कर दिया गया, दुर्गा मिष्ठान भण्डार, कोर्ट रोड स्थित में लड्डू में हानिकारक रंग पाया गया, जिसे उसी समय नष्ट किया गया, गणेश मिष्ठान भण्डार, सवर्ण सिनेमा हॉल स्थित भण्डारीडीह का चटनी में हानिकारक रंग पाया गया, जिसे उसी समय नष्ट किया गया, ओम भोजनालय को साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया गया, झारखण्ड फास्ट फुड, भण्डारीडीह स्थित के प्रबंधक को साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया गया। शिवम होटल एण्ड रेस्टुरेन्ट से बियर जब्त किया गया एवं रसायनिक जाँच हेतु सैम्पल लिया गया, रेस्टुरेन्ट के प्रबंधक को ै।ए लाईसेंस लेने हेतु निर्देशित किया गया, रजनीकान्त डोसा सेन्टर, अमुल पार्लर, गरम मसाला रेस्टुरेन्ट निरीक्षण के क्रम में मानकों का पर्याप्त अनुपालन होते हुए पाया गया। विभिन्न दुकानों एवं रेस्टुरेन्ट से पनीर, मसालों, खोवा, चटनी, मिठाई इत्यादि का कुल 10 नमूनें संग्रहित कर रसायनिक जाँच हेतु भेजा गया एवं लगभग 20 खाद्य नमूनों का स्पॉट पर ही जाँच किया गया। उपायुक्त के निदेशानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग, गिरिडीह के द्वारा अगामी दिवाली एवं छठ पूजा को देखते हुए मिलावट के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जाली नोट खपाने वाला गिरोहका पर्दाफाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जमुआ थाना अन्तर्गत जाली नोट खपाने वाला एक गिरोह चितरडीह रोड़ में सकिय है। प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस अधीक्षक, गिरिडीह द्वारा राजेन्द्र प्रसाद, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खोरीमहुआ के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। उक्त दल द्वारा क्षेत्र में सघन तलाशी व जॉच के कम में चन्दा मोड़ पर 02 मोटरसाईकिल के साथ 04 लोग पुलिस की गाड़ी को देख कर भागने लगे, सशस्त्र बल द्वारा पीछा करने पर 02 व्यक्ति को पकड़ा गया एवं 02 अन्य व्यक्ति भागने में सफल रहे। पुलिस के द्वारा पकडे गये व्यक्तियों से नाम-पता पुछने पर उन लोगों के द्वारा अपना नाम कमश अभिषेक कुमार राणा, पिता सुरेश प्रसाद राणा ग्राम-फुफंदी, थाना-बेंगाबाद, जिला-गिरिडीह।नितीन कुमार उम्र पिता हरि मंडल ग्राम-बेरिया, थाना-हिरोडीह, जिला-गिरिडीह बताया गया, तथा भागने वाले 02 व्यक्तियों का नाम-पता पुछने पर उसका नाम कमशः . योगेश मंडल पिता यमुना मंडल ग्राम-ग्राम-बैरिया, थाना-हिरोडीह, जिला-गिरिडीह राज उर्फ राजेश मंडल पिता बिनोद मंडल ग्राम मंडरो, थाना-हिरोडीह जिला-गिरिडीह बताया गया। तलाशी के कम में अभिषेक कुमार राणा के जेब से एक जाली नोट का बडल कुल-45,000 , मोबाईल एवं मोटरसाईकिल तथा नितीन कुमार के जेब से एक मोबाईल बरामद हुआ, जिसके संबंध में पुछ-ताछ करने पर पकड़ाये व्यक्तियों द्वारा बताया गया कि हम सभी लोग जाली नोट को जगह-जगह पर खपाने का काम करते हैं। तत्पश्चात बरामद सामानों को विधिवत जप्त किया गया एवं पकड़ाये दोनों व्यक्तियों को विधिवत गिरफ्तार कर थाना लाया गया, जिसके संबंध में जमुआ थाना कांड 3 दर्ज किया गया है।

महिलाओं के बीच पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। सिविल सर्जन कार्यालय, खूंटी में जिला स्तर पर अधिक जोखिम वाली गर्भावस्था महिलाओं के लिए पोषण टोकरी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सिविल सर्जन नागेश्वर मांझी, डी.डी.एम. श्वेता सिंह, डी.पी.सी. डॉ. उदयन शर्मा, ए.सी.एम.ओ. विजय किशोर रजत, डॉ. रजनी नीलम टोप्पो, उक्तककर्मी एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा एच.आर.पी. महिलाओं के बीच पोषण टोकरियों का वितरण किया गया। साथ ही बताया गया कि आगामी दिनों में मुरहू एवं अड़की प्रखंडों में 50-50 पोषण टोकरियों का वितरण प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर किया जाएगा, ताकि अधिक जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। कार्यक्रम का उद्देश्य एच.आर.पी. महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार लाना, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी करना तथा गर्भवती महिलाओं में पोषण स्तर को

सब जूनियर स्टेट बैडमिंटन टूर्नामेंट में गिरिडीह के खिलाड़ियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला प्रशासन द्वारा खेल प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि गिरिडीह के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकें 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक लोहरदगा में आयोजित योनेक्स सनराइज मिनी सब जूनियर स्टेट बैडमिंटन टूर्नामेंट 2025ह्व में गिरिडीह जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनेक उपलब्धियाँ अर्जित कीं। गिरिडीह के डी. राजवीर ने अंडर-13 बॉयज सिंगल्स वर्ग में राज्य चैंपियनशिप का खिताब जीता। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय बैडमिंटन चैम्पियनशिप में भाग लेने हेतु हुआ है, जो आगामी दिनों में गया (बिहार) में आयोजित होगी। इसी प्रतियोगिता में डे-बोर्डिंग बैडमिंटन प्रशिक्षण केन्द्र, गिरिडीह में प्रशिक्षणरत खिलाड़ी वैभव कृष्ण ने अंडर-13 बॉयज डबल्स वर्ग में रनर-अप स्थान प्राप्त किया, जबकि काश्वी कृष्णा ने अंडर-13 गर्ल्स सिंगल्स वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया इन सभी खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर उपायुक्त रामनिवास यादव और पुलिस अधीक्षक ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, जिला नजारत उप समाहर्ता सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे और खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की मौके पर उपायुक्त ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ह्लगिरिडीह के नन्हें खिलाड़ी सीमित संसाधनों के बावजूद अपने मेहनत, अनुशासन और लगन से राज्य स्तर पर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है ह्व उन्होंने आगे कहा कि ह्लजिला प्रशासन द्वारा खेल प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा, ताकि गिरिडीह के खिलाड़ी भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकें जिला खेल पदाधिकारी, गिरिडीह ने भी खिलाड़ियों की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि गिरिडीह के युवा लगातार राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही उपायुक्त महोदय ने मुख्य प्रशिक्षक श्री मुकेश कुमार के योगदान की भी सराहना की और कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं निरंतर प्रयासों से जिले के खिलाड़ियों ने यह सफलता प्राप्त की है।

फ्लोर टेस्ट में सीएम का साथ देने वाले विधायक का पत्ता कटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। महागठबंधन से अलग होकर भाजपा (राजग) के साथ सरकार बनाने वाले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नई राजनीतिक जुगलबंदी अब अपने ही सहयोगियों के लिए संकट का कारण बन गई है। 2023 में फ्लोर टेस्ट के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार को समर्थन देने वाले राजद के बागी तीन विधायकों में शामिल सूर्यगढ़ा के विधायक प्रहलाद यादव को एनडीए ने टिकट से बेदखल कर दिया है।सूर्यगढ़ा सीट से जदयू जिलाध्यक्ष रामानंद मंडल को उम्मीदवार घोषित किया गया है। यह फैसला भाजपा और जदयू के बीच खींचतान के बीच लिया गया।

बताया जाता है कि प्रहलाद यादव को भाजपा से टिकट दिलाने के लिए लखीसराय के विधायक सह उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा लगातार पैरवी कर रहे थे, जबकि मुंगेर सांसद सह केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह इसके विरोध में थे।

ललन सिंह किसी भी सूरत में यह सीट जदयू से छोड़ने को तैयार नहीं थे।

अंततः टिकट वितरण की इस रस्साकशी में विजय सिन्हा को सियासी हार का सामना करना पड़ा और प्रहलाद यादव को टिकट नहीं मिला। यादव सूर्यगढ़ा से पांच बार विधायक चुने जा चुके हैं और हर बार उनका मुकाबला एनडीए प्रत्याशी से ही रहा है।

टिकट कटने के बाद भावुक प्रहलाद यादव ने कहा 23 सितंबर को मेरे जवान बेटे की मौत हुई और अब एनडीए ने मेरी राजनीतिक हत्या कर दी। मैंने नीतीश सरकार को बचाने के लिए राजद छोड़ा था। पांच बार एनडीए को हराकर विधायक बना, लेकिन आज उसी गठबंधन ने मुझे धोखा दिया।

CMYK

पहले ही दिन 600 रुपये के पार रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड की शेयर बाजार में जबरदस्त शुरुआत हुई है। कंपनी के शेयर पहले ही दिन 600 रुपये के पार पहुंच गए हैं। रुबिकॉन रिसर्च के शेयर गुरुवार को बीएसई में 27.86 पर्सेंट या 135.10 रुपये के फायदे के साथ 620.10 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। वहीं, एनएसई पर रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयर 27.84 पर्सेंट या 135 रुपये के प्रीमियम के साथ 620 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयर का दाम 485 रुपये था। कंपनी के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 1377.50 करोड़ रुपये तक का था। शानदार लिस्टिंग के बाद रुबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के शेयरों में कुछ मुनाफावसूली देखने को मिली है। लिस्टिंग के ठीक बाद रुबिकॉन रिसर्च के शेयर बीएसई में 4 पर्सेंट से अधिक की गिरावट के साथ 590 रुपये पर पहुंच गए। वहीं, एनएसई पर कंपनी के शेयर 587.35 रुपये के निचले स्तर पर जा पहुंचे। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 77.67 पर्सेंट थी। आईपीओ से जुटाए गए फंड का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को चुकाने और इनऑर्गेनिक ग्रोथ की फंडिंग में करेगी। रुबिकॉन रिसर्च के आईपीओ पर टोटल 109.35 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 37.40 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, एंप्लॉयीज कैटेगरी में 17.68 गुना दांव लगा। रुबिकॉन रिसर्च के आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों का कोटा 102.70 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 137.09 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशक कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 30 शेयर थे। यानी, आम निवेशकों को एक लॉट के लिए 14,550 रुपये का निवेश करना पड़ा।

204 करोड़ प्रॉफिट के बावजूद 9 प्रतिशत टूट गया का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर में गुरुवार को 9 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि कंपनी ने सितंबर तिमाही में 31.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ अच्छे नतीजे दिए। शेयर एनएसई पर आज 4435 रुपये पर खुला और देखते ही देखते 4,031.90 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। सुबह साढ़े 10 बजे के करीब केईआई का शेयर 5.13 प्रतिशत नीचे 4193.70 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 204 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के समान तिमाही के 155 करोड़ रुपये से बढ़ा है। ऑपरेशन से राजस्व 19.4 प्रतिशत बढ़कर 2,726 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। कंपनी के ई बी आई टी डी ए (ब्याज, टैक्स, डीप्रीसिएशन और अमोर्टाइजेशन से पहले कमाई) में भी 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है और ई बी आई टी डी ए मार्जिन लगभग समान 9.9 प्रतिशत पर बना हुआ है। हालांकि, बाजार में शेयर प्राइस पर दबाव बना हुआ है, क्योंकि निवेशक संभवत: प्लांट के ऑपरेशन में देरी और बाजार की बिकवाली की वजह से सतर्क हैं। टल गया है और फेज 1 का रोलआउट अब नवंबर 2025 में होगा, जो सितंबर में हाने वाला था। शेयर के लिए 3,950 रुपये का सपोर्ट लेवल और 4,400 रुपये के आसपास रुकावट मानी जा रही है। वर्तमान में बाजार में बिक्री के दबाव के कारण शेयर कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। एंजेल वन के इक्विटी तकनीकी और डेरिवेटिव विश्लेषक राजेश भोसले के अनुसार, केईआई इंडस्ट्रीज के शेयर की कीमतों में सुबह के सत्र में 9 प्रतिशत से अधिक की भारी गिरावट देखी गई है। हालांकि कीमतें सुबह के निचले स्तर 4,000 से बढ़कर 4,200 (खबर लिखे जाने के समय) पर पहुंच गई हैं।

16,000 कर्मचारियों की छंटनी करने का ऐलान

घट गया है कंपनी का प्रॉफिट

मुंबई, एजेंसी।
नेस्ले इंडिया लिमिटेड के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। शेयरों में इस तेजी के पीछे सितंबर तिमाही के नतीजे हैं। दरअसल, आज कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं। दैनिक उपभोग का घरेलू सामान बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में नेट प्रॉफिट 17.37 प्रतिशत घटकर 743.17 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने पिछले साल इसी दौरान 899.5 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। आज कंपनी के शेयर 4 पर्सेंट तक चढ़ गए और 1,268.60 रुपये पर आ गए।

इसके अलावा, दुनिया की सबसे बड़ी पैकेज्ड फूड कंपनी नेस्ल ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 16,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी। कंपनी का उद्देश्य बिक्री मात्रा बढ़ाना और कारोबार को अधिक कुशल बनाना है। नए ष्टश्वह्र फिलिप

नव्राटिल ने कहा कि कंपनी ने कॉफी और कन्फेक्शनरी उत्पादों में कीमतों में वृद्धि के कारण उम्मीद से बेहतर बिक्री वृद्धि दर्ज की है। नव्राटिल के अनुसार यह कदम कंपनी की वृद्धि रणनीति और परिचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए आवश्यक है।

नेस्ले इंडिया ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में राजस्व 11 प्रतिशत बढ़कर 5,630.23 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 5,074.76 करोड़ रुपये था। कुल खर्च 12.9 प्रतिशत बढ़कर 4,616.73 करोड़ रुपये रहा। जुलाई-सितंबर तिमाही में नेस्ले इंडिया की घरेलू बिक्री 10.8 प्रतिशत बढ़कर 5,411.02 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 4,883.14 करोड़ रुपये थी। इसका निर्यात 14.4 प्रतिशत बढ़कर 219.21 करोड़ रुपये रहा। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि घरेलू बिक्री में दोहरे अंक की दर से वृद्धि हुई, जिसका मुख्य कारण मात्रा में वृद्धि है।

नए संवत वर्ष में रॉकेट बनेगा यह पेनी शेयर

मुंबई, एजेंसी। दिवाली के मौके पर नए संवत वर्ष 2082 (अक्टूबर 2025 से अक्टूबर 2026 तक) की शुरुआत होगी। इस नए संवत में निवेशकों के लिए अलग-अलग ब्रोकरेज शेयर खरीदने की सलाह दे रहे हैं। कई ऐसे शेयर हैं जिनमें तेजी के अनुमान लगाए जा रहे हैं। इनमें साउथ इंडियन बैंक के शेयर भी हैं। अब बैंक ने तिमाही नतीजे भी जारी किए हैं। आइए डिटेल जान लेते हैं। बैंक ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट आठ प्रतिशत बढ़कर 351 करोड़ रुपये हो गया। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर तिमाही में 325 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय 1,875 करोड़ रुपये पर स्थिर रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 1,878 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान डूबे कर्ज के लिए प्रावधान घटकर 63 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में 110 करोड़ रुपये था। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) दूसरी तिमाही के दौरान घटकर 2.93 प्रतिशत रह गईं, जो सितंबर, 2024 में कुल कर्ज पर 4.40 प्रतिशत थीं।

10 लाख से 50 करोड़ रुपये तक...

लखनऊ के इस बंदे ने किया कुछ ऐसा कि लोग पूछते हैं- क्या करता है भाई

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी भी कारोबार की शुरुआत छोटी या बड़ी नहीं होती। जरूरत होती है तो उसे बस शुरू करने की। इसके बाद मेहनत और जुनून से उसे सफलता के मुकाम तक पहुंचाया जा सकता है। ऐसा ही कुछ किया लखनऊ के अमन गुप्ता ने। उन्होंने साल 2018 में महज 10 लाख रुपये की शुरुआत से अपनी सौर ऊर्जा (सोलर टेक्नोलॉजी) कंपनी की शुरुआत की थी और आज वे 50 करोड़ रुपये की कंपनी खड़ी कर चुके हैं। अमन की कंपनी 'स्मार्ट सोलर टेक' अब उत्तर भारत की चौथी सबसे बड़ी सौर सेवा प्रदाता बन गई है। सोलर पैनल इंस्टॉलेशन के क्षेत्र में काम करने वाली इस कंपनी ने अब तक 8000 से अधिक सोलर पैनल इंस्टॉल किए हैं, जिनमें से 4000 इंस्टॉलेशन अकेले लखनऊ में किए गए हैं। कंपनी न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि हरियाणा और राजस्थान में भी सक्रिय है। शुरुआत में अमन और उनकी प प्रतिशती दीप्ति चौहान अकेले काम करते थे। साल 2017 में उन्होंने नेडा में अपनी कंपनी रजिस्टर कराई और साल

2018 में अपनी एमबीए प प्रतिशती दीप्ति चौहान के साथ मिलकर काम शुरू किया। आज कंपनी में 75 से अधिक प्रशिक्षित कर्मचारी काम कर रहे हैं। अमन गुप्ता ने बताया कि उनकी कंपनी देश की पहली ऐसी श्वक्ष्ट फर्म बनने जा रही है, जो कस्टमर फीडबैक और सर्विसिंग के लिए मोबाइल ऐप लॉन्च कर रही है। इस ऐप के जरिए ग्राहक कंपनी से सीधी सेवा प्राप्त कर सकेंगे। बॉटैनिक विभाग में नौकरी करते थे, लेकिन सौर ऊर्जा के बढ़ते अवसरों को देखते हुए उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ उद्यमिता की राह चुनी। उनका कहना है कि अगर आप में जुनून है तो कोई भी सपना असंभव नहीं। आज अमन गुप्ता युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। अमन बताते हैं कि उनकी कंपनी देश की पहली ऐसी ईपीसी फर्म बनने जा रही है।

अदाणी डिफेंस की जांच के बीच केंद्र का बड़ा कदम, मिसाइल पुर्जों के आयात पर टैक्स छूट नीति वापस

मुंबई एजेंसी। केंद्र सरकार ने मिसाइल के पुर्जों के आयात पर दी गई टैक्स छूट नीति को वापस ले लिया है, जो इस समय अदाणी समूह की रक्षा इकाई पर चल रही जांच के बीच एक अहम कदम माना जा रहा है। सरकार ने 9 अक्तूबर को जारी अधिसूचना में सितंबर में घोषित छूट नीति में संशोधन करते हुए मिसाइल शब्द को हटा दिया। इसके बाद अब केवल लंबी दूरी मिसाइलों के कुछ पुर्जों को ही आयात शुल्क में छूट मिलेगी, जबकि शॉर्ट-रेंज (कम दूरी) की मिसाइलों के पुर्जों पर पहले की तरह कस्टम ड्यूटी लागू रहेगी। सितंबर में जारी अधिसूचना के तहत सरकार ने रक्षा उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सभी प्रकार की मिसाइलों लंबी और छोटी दूरी के पुर्जों को टैक्स-फ्री आयात की अनुमति दी थी। इससे कई रक्षा कंपनियों को लाभ मिलने की संभावना थी, जिनमें अदाणी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज भी शामिल थी। हालांकि, नई अधिसूचना के माध्यम से यह छूट वापस ले ली गई है। सरकार ने इस निर्णय के पीछे कोई कारण नहीं बताया है। ग्रांट थॉर्नटन इंडिया के पार्टनर कृष्णन अरोड़ा ने कहा कि यह सुधार नीति को फिर पुराने ढांचे में ले आता है। उन्होंने बताया, पहली बार सरकार ने सभी मिसाइल पुर्जों पर टैक्स छूट देने का निर्णय किया था, लेकिन अब वह फैसला वापस ले लिया गया है। अदाणी समूह पहले ही कह चुका है कि उसने अपनी आयात संबंधी सभी जानकारियां और दस्तावेज अधिकारियों को सौंप दिए हैं।

उच्च स्तरीय आईफोन मशीनरी के स्वामित्व पर टैक्स नहीं देने के लिए यह पैरवी कर रही है

भारी टैक्स से बचने कानून में बदलाव की लॉबिंग कर रही एपल, भारत सरकार से चल रही बातचीत

नई दिल्ली, एजेंसी।
एपल भारत में आयकर कानून में बदलाव करने की पैरवी कर रहा है। कंपनी अनुबंधित निर्माताओं को दी जाने वाली उच्च स्तरीय आईफोन मशीनरी के स्वामित्व पर टैक्स नहीं देने के लिए यह पैरवी कर रही है। एपल का मानना है कि वर्तमान नियम भविष्य की उसकी विस्तार योजना में बाधा बन सकता है।

एपल भारत में मौजूदगी बढ़ा रही है। यह चीन से आगे बढ़कर विविधता ला रही है। काउंटरपॉइंट के अनुसार, 2022 से भारतीय बाजार में आईफोन का हिस्सा दोगुना होकर 8 फीसदी हो गया है। चीन अब भी वैश्विक आईफोन शिपमेंट का 75 फीसदी हिस्सा है। भारत का हिस्सा 2022 से चार गुना बढ़कर 25 फीसदी हो गया है। एपल की अनुबंध निर्माता फॉक्सकॉन और टाटा ने पांच संयंत्र खोलने के लिए अरबों डॉलर खर्च किए हैं, लेकिन इनमें से लाखों डॉलर का खर्च आईफोन असेंबली के लिए महंगी मशीनें खरीदने में चला जाता है। एपल भारत में

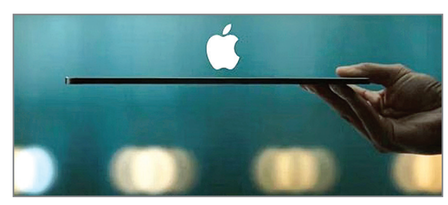

इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के विदेशी स्वामित्व से संबंधित कानून को बदलने के लिए भारत सरकार को राजी किए बिना व्यावसायिक प्रथाओं में बदलाव करती है, तो उसे अरबों डॉलर के अतिरिक्त करों का सामना करना पड़ सकता है।

भारतीय अधिकारियों के साथ की है बातचीत: एपल के अधिकारियों ने हाल में भारतीय अधिकारियों के साथ कानून में बदलाव करने के लिए बातचीत की है। उन्हें डर है कि मौजूदा कानून उनके भविष्य के विकास में बाधा डाल सकता है। अनुबंध निर्माता एक सीमा से आगे पैसा नहीं लगा सकते। अगर पुराने कानून में बदलाव किया जाता है, तो एपल के लिए विस्तार करना आसान हो जाएगा। इससे भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकता है।

सरकार सतर्क, कर रही विचार: एक अधिकारी ने कहा, एपल को प्रभावित करने वाले कराधान नियमों पर चर्चा जारी है। सरकार सतर्क है क्योंकि कानून में बदलाव विदेशी कंपनी पर कर लगाने के उसके संप्रभु अधिकार को कम कर सकता है।

भारत में चीन से अलग कानून

चीन में आईफोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें एपल खरीदती है। उन्हें अपने अनुबंधित निर्माताओं को देती है। उन पर कोई कर नहीं लगता, भले ही वह उनका मालिक हो। लेकिन भारत में यह संभव नहीं है, क्योंकि आयकर अधिनियम एपल के ऐसे स्वामित्व को तथाकथित व्यावसायिक संबंध मानता है, जिससे आईफोन से होने वाले मुनाफे पर भारतीय कर लगेगा।

मजबूत त्योहारी मांग से कारों और दोपहिया वाहन बिक्री ने पकड़ी रफ्तार

- सियाम के आंकड़े दे रहे इसकी गवाही
- कुल निर्यात 19.8 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी।
जीएसटी दरों में कटौती का लाभ सिर्फ नौ दिन मिलने के बावजूद देशभर में सितंबर, 2025 में वाहनों की थोक बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 4.4 फीसदी बढ़कर 3,72,458 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में 3,56,752 यात्री वाहन बिके थे। आंकड़ों के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की बिक्री सात फीसदी बढ़कर 21,60,889 इकाई पहुंच गई। सितंबर, 2024 में देशभर में कुल 20,25,993 दोपहिया वाहन बिके थे। वहीं, तिपहिया वाहनों की बिक्री एक साल पहले की समान अवधि के 79,683 इकाइयों की तुलना में 5.5 फीसदी बढ़कर 84,077

इकाई पहुंच गई। सियाम के अध्यक्ष शैलेष चंद्रा ने कहा, मजबूत त्योहारी मांग के दम पर सितंबर ने यात्री, दोपहिया और तिपहिया वाहनों की अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की है। जीएसटी सुधार के सरकार के ऐतिहासिक फैसले से घरेलू वाहन उद्योग को अगले स्तर पर पहुंचाने और अर्थव्यवस्था की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

निर्यात सालाना आधार पर 19.8 फीसदी बढ़कर 5,58,768 इकाई पहुंच गया

सितंबर में सभी प्रकार के वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 19.8 फीसदी बढ़कर 5,58,768 इकाई पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में देश से कुल 4,66,409 वाहनों का निर्यात किया गया था। यात्री वाहनों का निर्यात 30.3 फीसदी बढ़कर 87,762 इकाई पहुंच गया। इस दौरान 43,715 कारों का निर्यात किया गया, जो सितंबर, 2024 के 35,421 इकाइयों से 23.4 फीसदी अधिक है। दोपहिया वाहनों का निर्यात सालाना आधार पर 15.3 फीसदी की बढ़त के साथ 4,29,562 इकाईपहुंच गया।

त्योहारी सीजन के बाद भी रहेगी कारों की मांग

सियाम अध्यक्ष ने कहा, त्योहारी सीजन के बाद भी यात्री वाहनों की मांग बने रहने की उम्मीद है, क्योंकि जीएसटी कटौती से उत्साहित होकर खरीदारों का एक नया समूह डीलरशिप पर आना शुरू कर रहा है। चंद्रा ने कहा, घरेलू वाहन उद्योग 2025-26 की दूसरी छमाही में नएउत्साह के साथ प्रवेश करेगा। इसे मजबूत त्योहारी बिक्री, व्यापक आर्थिक स्थितियों और जीएसटी सुधारों से समर्थन मिलेगा। हालांकि, वैश्विक चुनौतियों और कई देशों में तनाव का जोखिम बना रहेगा। आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देशभर में कुल 10,39,200 यात्री वाहन (पीवी) बिके। हालांकि, यह आंकड़ा एक साल पहले की समान अवधि में बिके 10,55,137 यात्री वाहनों की तुलना में 1.5 फीसदी कम है।

350 तक जा सकता है मुकेश अंबानी की कंपनी का शेयर!

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुकेश अंबानी की कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयर आज गुरुवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर सुबह सपाट शुरुआत के साथ खुले और 311.80 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। बता दें कि कंपनी के जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे आज जारी होने हैं और बाजार में उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी इस तिमाही में स्थिर और संतुलित प्रदर्शन करेगी।

बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि जियो फाइनेंशियल सर्विसेज अपने लेंडिंग, इंश्योरेंस और पेमेंट्स सेगमेंट में निरंतर वृद्धि दिखा सकती है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज की सीनियर रिसर्च एनालिस्ट सीमा श्रीवास्तव के अनुसार, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की दूसरी तिमाही का प्रदर्शन स्थिर रहने की संभावना है। कंपनी के उपभोक्ता और व्यापारी ऋष्ठा पोर्टफोलियो में मजबूत वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसका श्रेय रिलायंस के डिजिटल और रिटेल इकोसिस्टम के गहरे एकीकरण को जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी का पेमेंट्स बिजनेस स्थिर लेनदेन वॉल्यूम के साथ लचीलापन दिखा सकता है। हालांकि फिनटेक सेक्टर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण मार्जिन विस्तार सीमित रह सकता है। एनालिस्ट्स का अनुमान है कि कंपनी के

म्यूचुअल फंड और बीमा कारोबार अभी विस्तार के चरण में हैं, लेकिन संचालन क्षमता में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। हालांकि, नई तकनीक में निवेश और नए उत्पाद लॉन्च के चलते मुनाफा स्थिर रह सकता है। जियो फाइनेंशियल की एसेट क्वालिटी मजबूत रहने की उम्मीद है क्योंकि कंपनी का पोर्टफोलियो डिजिटल अंडरराइटिंग और सावधानीपूर्ण जोखिम नीति पर आधारित है। चॉइस ब्रोकिंग के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुमीत बगड़िया के अनुसार, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज का शेयर तकनीकी चार्ट पर पॉजिटिव ट्रेंड दिखा रहा है। स्टॉक को 305 पर मजबूत सपोर्ट मिला हुआ है, इसलिए निवेशक इसे होल्ड रखें और त्त2 नतीजों के बाद 330 से 350 तक की तेजी की उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नए निवेशक वर्तमान स्तर (313 के आसपास) पर खरीदारी कर सकते हैं।

टैरिफ का असर: अमेरिका को भारत का निर्यात सितंबर में 12 फीसदी घटा; 5.46 अरब डॉलर पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका की ओर से ऊंचे आयात शुल्क लगाने के असर से भारत का निर्यात सितंबर में 11.93 प्रतिशत घटकर 5.46 अरब डॉलर पर आ गया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इसी अवधि में अमेरिका से भारत का आयात 11.78 प्रतिशत बढ़कर 3.98 अरब डॉलर पहुंच गया। अप्रैल से सितंबर 2025 की अवधि के दौरान भारत का अमेरिका को कुल निर्यात 13.37 प्रतिशत बढ़कर 45.82 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 9 प्रतिशत बढ़कर 25.6 अरब डॉलर दर्ज किया गया। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार, सितंबर में अमेरिका को भेजा गया निर्यात अगस्त के मुकाबले 17.9 प्रतिशत घटा, जो 2025 का अब तक का सबसे बड़ा मासिक गिरावट है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि

मई से सितंबर के बीच भारत का अमेरिका को निर्यात करीब 37.5 प्रतिशत घट चुका है, जिससे 3.3 अरब डॉलर से अधिक की मासिक शिपमेंट वैल्यू का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि इस गिरावट का सबसे ज्यादा असर टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और रासायनिक क्षेत्र पर पड़ा है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक का टैरिफ (शुल्क) लागू किया है। अमेरिका ने स्विट्जरलैंड पर अगस्त में 39 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, जो निश्चित रूप से चुनौती है। लेकिन यह अवसर भी है। हम वर्षों से बाजारों का विविधीकरण कर रहे हैं और भारत इस रणनीति में सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड भारत में रेलवे, रोपवे और सुरंग निर्माण तकनीक जैसे क्षेत्रों में निवेश और सहयोग बढ़ाने की योजना बना रहा है। इसके लिए दोनों देशों के बीच ईएफटीए और भारत मुक्त व्यापार समझौता (टीईपीए) को लागू किया गया है।

चीन को निर्यात 34.18 प्रतिशत बढ़ा

इसी बीच, भारत से चीन को निर्यात सितंबर में 34.18 प्रतिशत बढ़कर 1.46 अरब डॉलर हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में चीन को निर्यात 21.96 प्रतिशत बढ़कर 8.41 अरब डॉलर, जबकि चीन से आयात 11.25 प्रतिशत बढ़कर 62.88 अरब डॉलर दर्ज किया गया। सितंबर में यूएई, ब्रिटेन, जर्मनी, सऊदी अरब, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, ब्राजील और इटली को निर्यात में भी वृद्धि दर्ज की गई, नीदरलैंड, सिंगापुर और फ्रांस को निर्यात में गिरावट रही।

स्विट्जरलैंड ने भारत को बनाया आर्थिक साझेदार, निवेश पर जोर

स्विट्जरलैंड की सरकार ने अमेरिकी उच्च टैरिफ के बीच भारत को अपना प्राथमिक आर्थिक साझेदार करार दिया है। स्विट्जरलैंड की हेड ऑफ प्रमोशन एक्टिविटीज डाइरेक्टोरेट (एसईसीओ) मार्टिन सालाडिन ने कहा कि अमेरिकी उच्च टैरिफ स्विट्जरलैंड के लिए चुनौतीपूर्ण हैं।

द ताज स्टोरी धर्म की नहीं, भारत के इतिहास की बात है

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल अभिनीत, द ताज स्टोरी का हाल ही में एक और प्रभावशाली डायलॉग प्रोमो रिलीज़ हुआ है, जिसने दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल को देशभर में राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना दिया है। इस नए जारी किए गए डायलॉग प्रोमो में परेश रावल अपनी गूंजती आवाज़ में गहराई से अपनी बात रखते हुए कहते हैं, यह मुद्दा हिंदू या मुसलमान का नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास का है। उनके ये शब्द एक सशक्त संदेश देते हैं कि भारत का अतीत किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि साझा विरासत का प्रतीक है, जहाँ हिंदू और मुसलमान दोनों की योगदान की कहानी एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही फिल्म इस विचार को भी सामने रखती है कि इतिहास को चुनिंदा नजरिए से देखने के बजाय, सच्चाई को ईमानदारी से स्वीकारना ही असली सम्मान है। आस्था और राजनीति से ऊपर उठकर यह संवाद इस बात पर जोर देता है कि हमारा अतीत केवल तथ्यों के आधार पर समझा जाए, तभी उसका वास्तविक आदर हो सकता है। सच पूछिए तो यह संवाद फिल्म को सिर्फ एक मनोरंजकता के साथ नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आत्ममंथन के रूप में स्थापित करता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि इतिहास को अब तक कैसे बताया, लिखा और याद किया जाता रहा है।

गौरतलब है कि परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ, और नमित दास जैसे सशक्त कलाकारों से सजी यह फिल्म एक तीखा सामाजिक ड्रामा है, जो आज के समय का सबसे चुनौतीपूर्ण सवाल उठाती है और वह सवाल है आज़ादी के 79 साल बाद भी, क्या हम अब भी बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं?

द ताज स्टोरी सिर्फ एक ऐतिहासिक फिल्म नहीं, बल्कि एक सिनेमा आधारित विमर्श है, जो सामाजिक टिप्पणी और ऐतिहासिक तथ्यों की नई व्याख्या को साथ लेकर चलता है। 31 अक्टूबर 2025 को देशभर में भव्य रिलीज़ के लिए तैयार द ताज स्टोरी निश्चित रूप से दर्शकों को सोचने, सवाल करने और इतिहास तथा आज़ादी के मायनों को नए सिरे से समझने के लिए प्रेरित करेगी।

इस बात के लिए सोनम बाजवा ने ठुकरा दी थीं बॉलीवुड की कई फिल्में

हाल ही में हाउसफुल 5 और बागी 4 में नजर आ चुकीं अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि शुरुआत में उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्में ठुकरा दीं, जिसका उन्हें आज पछतावा हो रहा है। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी भूमिका पर लोग कैसी प्रतिक्रिया देंगे।

इसलिए कई फिल्मों को ठुकराया

सोनम बाजवा ने फिल्म कम्पैनियन को बताया मैंने कई बॉलीवुड फिल्मों को मना कर दिया। मुझे लग रहा था कि क्या पंजाब में लोग इसे पसंद करेंगे? मैं सोच रही थी कि मेरी फिल्मों को मेरे परिवार के लोग देखेंगे? तब मैं फिल्मों में किसिंग सीन करने से बहुत डरती थी। मैं सोचती थी कि लोग इस बारे में क्या सोचेंगे। मैं सोच रही थी जिन लोगों ने मुझे यहां तक पहुंचाया है, वह मेरे बारे में क्या सोचेंगे? क्या मेरा परिवार यह समझेगा कि यह सिर्फ फिल्म के लिए है? मेरे दिमाग में यह सारे सवाल थे।

सोनम के माता-पिता हुए राजी

सोनम ने आगे बताया कि उनके माता-पिता ने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा यह कुछ साल पहले की बात है। मैंने अपने मम्मी-पापा से इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, हां, अगर यह किसी फिल्म के लिए है, तो ठीक है। इस पर मैं बहुत हैरान थी। मैं सोच रही थी कि मैंने पहले उनसे बात क्यों नहीं की?

सोनम बाजवा का वर्कफ्रंट

सोनम के काम की बात करें तो, वह जल्द ही अपकमिंग फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आने वाली हैं। यह बॉलीवुड फिल्म 21 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्हें आखिरी बार टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बागी 4 में देखा गया था।

बॉलीवुड में सोनम का डेब्यू

सोनम ने 2013 में आई पंजाबी फिल्म बेस्ट ऑफ लक से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। वह पंजाब 1984 से मशहूर हुईं। वह तमिल और तेलुगु फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री ने 2019 में आई फिल्म बाला से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

ऋतिक रोशन से लेकर अक्षय कुमार तक, इन एक्टर्स के साथ काम कर चुकी हैं पूजा हेगड़े

साउथ फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने बॉलीवुड सिनेमाई दुनिया में काफी नाम कमाया है। एक्ट्रेस अपनी शानदार अदाकारी के लिए पहचानी जाती हैं। अभिनेत्री ने ऋतिक रोशन से लेकर अक्षय कुमार तक, जैसे सितारों के साथ काम किया है। पूजा हेगड़े के जन्मदिन के खास मौके पर जानेंगे अभिनेत्री की बॉलीवुड फिल्मों के बारे में।

आशुतोष गोवारिकर के निर्देशन में साल 2016 में मोहनजोदड़ो फिल्म रिलीज हुई थी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में थीं। एक्ट्रेस ने फिल्म में छानी की भूमिका निभाई थी। यह फिल्म गरीब किसान सरमन की कहानी दिखाती है, जो अत्याचार के खिलाफ लड़ने का फैसला करता है। यह फिल्म सिंधु घाटी सभ्यता के दौर पर आधारित ऐतिहासिक कहानी थी। भले ही फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के अनुसार सफलता नहीं मिली, लेकिन पूजा हेगड़े के प्रदर्शन को सराहा गया।

हाउसफुल 4

फरहद सामजी के निर्देशन में साल 2019 में एक्शन-कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 4 रिलीज हुई थी। इस फिल्म में अक्षय कुमार, कृति सेनन, बॉबी देओल, कृति खरबंदा के अलावा पूजा हेगड़े भी मुख्य भूमिका में थीं। इस फिल्म में पूजा हेगड़े ने राजकुमारी माला और आधुनिक काल की पूजा दोनों भूमिकाएं निभाईं। आपको बताते चलें कि यह कहानी पुनर्जन्म पर आधारित थी और इसने दर्शकों को खूब हंसाया था।

सर्कस

पूजा हेगड़े साल 2022 में रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी कॉमेडी फिल्म 'सर्कस' में नजर आई थीं। इस फिल्म में रणवीर सिंह प्रमुख भूमिका में नजर आए थे। लेकिन 'सर्कस' का हाल रोहित शेट्टी की बाकी फिल्मों से पूरी तरह से अलग रहा और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हो गई। आपको बताते चलें कि फिल्म में पूजा हेगड़े ने माला का किरदार निभाया था।

किसी का भाई किसी का जान

फरहाद सामजी के निर्देशन में साल 2023 में पूजा हेगड़े बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के साथ 'किसी का भाई किसी की जान' में नजर आई थीं।

आपको बताते चलें कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी। इस फिल्म में पूजा हेगड़े ने भाग्यलक्ष्मी की भूमिका निभाई थी।

बॉडी काउंट कमेंट्स पर एली अवराम ने तोड़ी चुप्पी

एक्ट्रेस एली अवराम जुलाई के महीने में खबरों में आ गई थीं। जब उनकी एक तस्वीर यूट्यूबर आशीष चंचलानी के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। तस्वीर वायरल होने के बाद लोग यह कहने लगे कि दोनों डेट कर रहे हैं। हालांकि बाद में पता चला कि यह केवल एक मजाक था। दोनों ने अपने नए रोमांटिक गाने चंदनिया के प्रमोशन के लिए यह तस्वीर क्लिक करवाई थी। वहीं, तस्वीर वायरल होने के बाद एली को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने उनके खिलाफ गलत कमेंट किए थे। कुछ लोगों ने बॉडी काउंट्स को लेकर नफरत भरे और गलत कमेंट्स किए थे। अब कुछ महीनों बाद एली ने ट्रोल्स पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं हमेशा ऑनलाइन टारगेट होती हैं, जबकि पुरुषों के साथ ऐसा कम होता है। उनका कहना है कि जो लोग ऐसी गलत बातें लिखते हैं, वे शायद अंदर से बहुत दुखी और परेशान होते हैं।

मुझे बॉडी काउंट का मतलब नहीं पता था

इंटरव्यू में, एली ने बताया कि उन्हें पहले बॉडी काउंट का मतलब नहीं पता था। उनके जेन-जी दोस्तों ने इसे समझाया। उन्होंने कहा कि यह शब्द बहुत घिनौना और गलत है। इसका इस्तेमाल महिलाओं को जज करने के लिए किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाएं अक्सर समाज में डेमन की तरह दिखाई जाती हैं, जबकि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया। एली ने यह भी बताया कि कैसे उर्फी जावेद ने सोशल मीडिया पर उनका सपोर्ट किया था। उन्होंने कहा कि उर्फी ने मेरे लिए स्टेटमेंट दिया, यह बहुत अच्छा था। वह ऐसी एकमात्र व्यक्ति हैं जो सच में बोलती हैं। वहीं, जुलाई के महीने में आशीष चंचलानी ने भी एली का सपोर्ट किया। जब एक यूजर ने लिखा था कि उनके प्रैंक और फैंस के चलते एली को ट्रोल किया गया।

कंगना रनौत ने शाहरुख से की अपनी तुलना

कंगना रनौत अकसर ही शाहरुख खान और बॉलीवुड के बाकी खान के साथ अपनी तुलना करती आई हैं। वह खुद को लेडी खान मानती हैं और तीनों खान के साथ काम भी नहीं करना चाहतीं। और अब कंगना ने एक बार फिर शाहरुख से अपनी तुलना की है, और कुछ ऐसा कह दिया है जो फैंस को भी हैरान कर रहा है। कंगना का कहना है कि उन्होंने शाहरुख से ज्यादा मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख को दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं।

कंगना रनौत ने शाहरुख से मुश्किल बताई अपनी जर्नी

कंगना ने कहा, मुझे इतनी सफलता क्यों मिली? शायद ही कोई और होगा जो गांव से आकर मेनस्ट्रीम में इतनी सफलता हासिल कर पाया हो। आप शाहरुख खान की बात करें। वो दिल्ली से हैं, कॉन्वेंट में पढ़े हैं। मैं एक ऐसे गाँव से हूं, जिसके बारे में किसी ने सुना भी नहीं होगा- भांबला।

घर से भागकर मुंबई आईं, फिल्मी करियर और नेशनल अवॉर्ड्स

मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बटोरी। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीते।

मैं बजट में फिट रहकर काम करती हूं

अभिनेत्री और फिल्ममेकर कोंकणा सेन शर्मा इन दिनों अपने नए शो सर्च- द नैना मर्डर केस को लेकर चर्चा में हैं। यह सीरीज मशहूर डेनिश शो द किलिंग का भारतीय रूपांतरण है, जिसने इंटरनेशनल लेवल पर खूब सराहना पाई थी। इस हिंदी एडाप्टेशन का निर्देशन रोहन सिप्पी ने किया है।

बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए अप्रोच किए जाने पर पहला रिएक्शन क्या था, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वह बहुत उत्साहित थीं। एक्ट्रेस बोलीं- आप कोई भी ओरिजनल सीरीज तभी करना चाहेंगे जब उसका स्क्रिप्ट और कहानी वाकई में अच्छी हो, वरना क्या फायदा। यह बहुत पुराने और फेमस शो का अडॉप्टेशन है। मैंने इसका अमेरिकन वर्ज़न भी देखा है, जिसके बहुत सारे प्रशंसक हैं। उस शो की जो डिटेक्टिव है, उसके तो लाखों फॉलोअर हैं। मुझे लगा कि यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, बहुत बड़ी चुनौती निभाने जैसा। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही थी कि मुझे इसका हिस्सा बनने का मौका मिला।

मैं खुद को ही अपनी पहली दर्शक मानती हूं

प्रोजेक्ट चुनते समय दर्शकों की पसंद पर ध्यान देने के सवाल पर कोंकणा ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि दर्शक क्या चाहते हैं। इसलिए मैं खुद को ही अपनी पहली दर्शक मानती हूं। जब मैं कोई काम करती हूं, लिखती हूं या अभिनय करती हूं, तो खुद से पूछती हूं, क्या मुझे ये पसंद है। अगर मुझे खुद अच्छा लगा, अगर उसमें कुछ सार दिखा, तो फिर बाकी सब ऊपरवाले पर छोड़ देती हूं। अगर मुझे अच्छा लगेगा, तो शायद दूसरों को भी लगेगा।

मैं हकीकत समझने वाली अभिनेत्री हूं और बजट में फिट हो जाती हूं

बॉक्स ऑफिस और बिज़नेस पहलू पर उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं ज्यादा रचनात्मक चीजों में दिलचस्पी रखती हूं। वैसे भी मैं बड़े बजट की फिल्मों में ज्यादा नहीं होती, तो पैसे या रिकवरी की चिंता नहीं रहती। मैं असल (हकीकत समझने वाली) अभिनेत्री हूं और बजट में फिट हो जाती हूं। वह हंसते हुए जोड़ती हैं, निर्माता जब मुझे लेते हैं, तो वे पहले ही अपना शोध कर चुके होते हैं।

मेरे लिए बस अच्छा होना जरूरी है

अंतरराष्ट्रीय शो को लेकर उन्होंने कहा कि वह कभी-कभी देखती हैं, लेकिन बहुत अधिक नहीं। मैं बहुत ज्यादा कंटेंट नहीं देखती। अगर सुनती हूं कि कोई शो या फिल्म बहुत अच्छी है, तो जरूर देखती हूं, चाहे वह विदेशी हो या भारतीय। मेरे लिए बस अच्छा होना जरूरी है।

मैं तो एक दुर्घटनावश अभिनेत्री हूं

जब उनसे पूछा गया कि क्या कभी लगा कि वह फिल्म इंडस्ट्री में फिट नहीं बैठतीं, तो उन्होंने हंसते हुए कहा, कभी नहीं। मैं तो वैसे भी एक दुर्घटनावश अभिनेत्री हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि एक्ट्रेस बनूंगी। शुरू में बस सोचा था कि ये कर लेते हैं, फिर कोई नौकरी मिल जाएगी। धीरे-धीरे दस साल बीत गए और मैंने महसूस किया कि अच्छा, मैं तो एक्ट्रेस बन गई। डर कभी नहीं लगा। मैंने अपना रास्ता खुद बनाया और आगे बढ़ गई।

मैं मां की नकल नहीं बनना चाहती, बस उनसे प्रेरणा लेती हूं

अपनी मां अपर्णा सेन की विरासत को लेकर कोंकणा का जवाब दिल छू लेने वाला था। उन्होंने कहा, ओह, यह सवाल तो बहुत बार पूछा जाता है। मुझे बहुत गर्व होता है जब लोग कहते हैं कि मैं अपनी मां जैसी लगती हूं। लेकिन हमारी यात्राएं बहुत अलग हैं, अलग समय और अलग सोच की। मैं उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं और उनकी बेटी होने पर मुझे बहुत गर्व है। लेकिन मैं उनकी नकल नहीं बनना चाहती, बस उनसे प्रेरणा लेती हूं।

कॉमेडी पसंद है, देखना भी और डायरेक्ट करना भी

आखिर में, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह सचमुच एक कॉमेडी सीरीज डायरेक्ट कर रही हैं, तो उन्होंने मुस्कुराकर कहा, हां, सही सुना आपने। मुझे कॉमेडी बहुत पसंद है, देखना भी और डायरेक्ट करना भी। लेकिन यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, इसलिए ज्यादा कुछ नहीं बता सकती। बस यही उम्मीद करती हूं कि सब अच्छा चले।

नेपाल और ओमान ने टी20 विश्व कप 2026 में जगह बनाई

मस्कट, एजेंसी। नेपाल और ओमान ने एशिया/पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफायर से आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह बना ली है। यूएई की समोआ पर जीत के साथ ही नेपाल और ओमान की विश्व कप में जगह सुनिश्चित हो गई। ग्रुप चरण में अपराजित नेपाल ने सुपर सिक्स में दो अंक हासिल किए और यूएई और कतर के खिलाफ दो

अंतिम गेंद वाले रोमांचक मुकाबले जीते। एक दिन बाद, रोहित पौडेल की टीम ने एक और शानदार प्रदर्शन किया। 148 रनों का बचाव करते हुए, नेपाल मुकाबले से बाहर लग रहा था क्योंकि कतर 12 ओवर में 97/1 पर पहुँच गया था, लेकिन संदीप लामिछाने के 5-18 के शानदार स्पेल ने कहानी पलट दी। लेग स्पिनर की धारदार गेंदबाजी ने कतर को 10 रनों से हरा दिया, जिससे नेपाल को एक यादगार जीत मिली और 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। ओमान ने नेपाल की निरंतरता को दोहराया, सुपर सिक्स चरण में भी दो अंक हासिल किए। उन्होंने कतर के खिलाफ 172 रनों का आराम से बचाव किया और फिर यूएई के खिलाफ एक कड़ा मुकाबला जीता। इस बीच, समोआ पर शानदार जीत के बाद यूएई अंतिम क्वालीफिकेशन स्थान के लिए दावेदारी में बना हुआ है, जिससे उसे 16 अक्टूबर को जापान के खिलाफ एक अहम मुकाबले में जगह बनाने में मदद मिलेगी। अमीराती टीम फिलहाल तीसरे स्थान पर है, जबकि कतर के पास अभी भी एक मौका है। उसे समोआ को हराना होगा, अन्य परिणामों की उम्मीद करनी होगी, और नेट रन रेट के आधार पर प्रतियोगिता में आगे निकलना होगा। ग्रुप चरण में पापुआ न्यू गिनी को हराने के बावजूद, समोआ लगातार हार के बाद बाहर हो गया है।

डेनमार्क ओपन 2025:

लक्ष्य सेन और सत्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कोपेनहेगन, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पुरुषों की डबल्स जोड़ी सत्विकसायराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के नाथ गुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराया, जबकि सत्विक-चिराग ने स्कॉटलैंड की जोड़ी क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमली को 17-21, 21-11, 21-17 से मात दी। लक्ष्य सेन, जो पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट हैं, ने पहले गेम में धीमी शुरुआत की और 10-21 से हार गए। लेकिन दूसरे

गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए केवल 8 पॉइंट्स गंवाए और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य सेन ने अपने आत्मविश्वास का परिचय देते हुए मैच अपने नाम किया। यह लक्ष्य सेन की नाथ गुयेन के खिलाफ चौथे मैचों में से तीसरी जीत है। पुरुषों की डबल्स में, छठे सीड सत्विक-चिराग ने पहले गेम में हार के बावजूद दूसरे गेम में वापसी की और निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

रोहित शर्मा के निशाने पर शाहिद अफरीदी का रिकॉर्ड

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और अपने जमाने के विस्फोटक बल्लेबाज शाहिद अफरीदी, जो दुनिया भर में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रहे, अब भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के निशाने पर हैं। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 से 25 अक्टूबर तक होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में रोहित सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरेंगे। यदि वे इस सीरीज में 8 छक्के लगा देते हैं, तो वे शाहिद अफरीदी के लंबे समय से कायम रिकॉर्ड को तोड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित शर्मा ने अपने वनडे करियर में 273 मैचों की 265 पारियों में 11,168 रन बनाए हैं, जिसमें 264 रनों की शानदार पारी भी शामिल है। उनके नाम 32 शतक और 58 अर्धशतक हैं। रोहित ने 1,045 चौके और 344 छक्के जड़े हैं, जिसके साथ वे वर्तमान में वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शाहिद अफरीदी के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रोहित ने अपने करियर में तीन दोहरे शतक भी बनाए हैं, जो अपने आप में एक विश्व रिकॉर्ड है। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने 398 वनडे मैचों की 369 पारियों में 8,064 रन बनाए। उनके खाते में 6 शतक, 39 अर्धशतक, 730 चौके और 351 छक्के दर्ज हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित का बल्ला चला तो पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर का यह रिकॉर्ड ध्वस्त हो सकता है। भारतीय फैंस भी चाहेंगे कि रोहित इस दौरे पर पाकिस्तानी क्रिकेटर का रिकॉर्ड ध्वस्त कर शीर्ष पर पहुंचे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह वनडे सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ

स्टेडियम में पहले मैच के साथ शुरू होगी। इसके बाद 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल में दूसरा और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में तीसरा और अंतिम वनडे खेला जाएगा। इस बार भारतीय टीम नए वनडे कप्तान शुभमन गिल के युवा नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उतरेगी। गिल, जो अब तक टेस्ट टीम की कप्तानी संभाल रहे थे, अब वनडे टीम की कमान भी संभालेंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली की करीब छह महीने बाद वनडे टीम में वापसी से भारतीय टीम को मजबूती मिली है। इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम का संतुलन और आत्मविश्वास बढ़ा है। बता दें कि आगामी सीरीज रोहित शर्मा के लिए न केवल एक रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है, बल्कि भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर अपनी बादशाहत साबित करने का भी अवसर है।

वैभव सूर्यवंशी बुरी तरह फ्लॉप

ईशान किशन ने ठोकी सेंचुरी, पहले दिन मोहम्मद शमी भी चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के मुकाबले शुरू हो गए हैं. पहला दिन अधिकांश टीमों के बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा, लेकिन ईशान किशन ने शतक लगाया, देवदत्त पडिक्कल सिर्फ 4 रन से शतक से चूक गए. वहीं इंग्लैंड टूर पर फेल रहे करुण नायर ने 73 रनों की पारी खेली. इसी बीच सबकी नजरें 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर भी थीं, जिन्हें सीजन शुरू होने से पूर्व बिहार टीम का उपकप्तान बनाया गया था. वो सीजन के पहले मैच में सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हो गए.

ईशान किशन का शतक

तमिलनाडु के खिलाफ मैच में झारखंड ने बल्लेबाजी में दम दिखाया. झारखंड की टीम पहले दिन 6 विकेट खो कर 307 रन बना चुकी है. उनकी टीम 157 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन किशन ने कप्तानी पारी खेलते हुए 125 रन बनाए और वो अब भी क्रीज पर डटे हुए हैं. मोहम्मद शमी भी बंगाल के लिए खेल रहे हैं, जिन्होंने उत्तराखंड के खिलाफ मैच में 14.5 ओवरों में 37 रन देकर 3 विकेट चटकाए. बताते चलें कि शमी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से ही टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं.

वैभव सूर्यवंशी हुए फ्लॉप

बिहार के गेंदबाजों ने अरुणाचल प्रदेश की पहली पारी सिर्फ 105 रन के स्कोर पर समेट दी थी. बिहार के लिए शाकिब हुसैन ने 6 विकेट झटके. बिहार के लिए वैभव सूर्यवंशी और अर्णव किशोर ओपनिंग करने आए. वैभव ने शुरुआत में ही ऐसे बल्ला घुमाया, जैसे वो कोई टी20 मैच खेल रहे हों. वो सिर्फ 4 गेंदों में 14 रन बना चुके थे, लेकिन यब निया की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए. सूर्यवंशी चाहे जल्दी आउट हो गए हों, लेकिन बिहार मजबूत स्थिति में पहुंच गई है. अर्णव किशोर ने 52 रन बनाए, जबकि आयुष लोहारुका 155 रन बनाकर खेल रहे हैं, दूसरी ओर कप्तान साकिबुल गनी 56 रन बनाकर नाबाद लौटे. पहले दिन स्टंप्स तक बिहार 2 विकेट के नुकसान पर 283 रन बना चुकी है और उसकी कुल बढ़त 178 रनों की हो गई है.

टेबल टेनिस

एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चीन का दबदबा, पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी। महिला वर्ग में पहले मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी

वांग मानयु ने 11वीं रैंकिंग वाली होनोका हाशिमोतो को 12-10, 11-3, 11-6, 11-3 से हराया। अगले मैच में सुन यिंगशा ने मीवा हारिमोतो को 11-9, 11-5, 11-7 से मात दी। आखिरी मैच में कुआइ मान ने जापान की हिना हयाता को 8-11, 12-10, 11-6, 11-9 से शिकस्त दी। पुरुष फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी लिन शिडोंग ने वोंग चुन तिंग को 11-8, 11-4, 11-4 से हराकर चीन को शानदार शुरूआत दी। इसके बाद दूसरे नंबर के खिलाड़ी वांग चुकिन ने चान बाल्डविन को 12-10, 11-9, 5-11, 14-12 से हराया। आखिरी मुकाबले में लियांग जिंगकुन ने यिउ कवान गो को 13-11, 11-6, 12-10 से मात दी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए अहमदाबाद का नाम प्रस्तावित

26 नवंबर को होगा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को अहमदाबाद को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए प्रस्तावित शहर के रूप में सिफारिश की है। अब इस पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में लिया जाएगा।

अहमदाबाद को मिला समर्थन

भारत को इस बार मेजबानी के लिए नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स ने नाइजीरिया की भविष्य की मेजबानी की संभावनाओं को बढ़ाने और उन्हें समर्थन देने की रणनीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें 2034 के खेलों की संभावित मेजबानी भी शामिल है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा। गुजरात का अहमदाबाद अब कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की पूरी सदस्यता के समक्ष पेश किया जाएगा और अंतिम निर्णय 26 नवंबर को लिया जाएगा।

वेक्टर एक्स बना आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का एथलीट किट पार्टनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स ब्रांड, वेक्टर एक्स ने समावेशी खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, इंडियन ब्लाइंड फुटबॉल फेडरेशन (आईबीएफएफ) के साथ साझेदारी की है। कंपनी आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के लिए अब आधिकारिक एथलीट किट पार्टनर है। इस साझेदारी को खास बनाता है वेक्टर एक्स का आईबीएफएफ के साथ चल रहा सहयोग, जिसके तहत कंपनी ने साउंड बॉल तैयार की है। यह एक ऐसी अनोखी फुटबॉल है, जो विशेष रूप से दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए बनाई गई है। इस बॉल में आवाज़ वाले उपकरण और लो-बाउंस ब्लैडर लगाए गए हैं, जिससे खिलाड़ी गेंद की आवाज़ के जरिए खेल को समझ और नियंत्रित कर सकते हैं। इस नवाचार ने देशभर के दृष्टिबाधित फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए खेल को अधिक सुलभ और रोमांचक बना दिया है। वर्ष 2016 में स्थापित आईबीएफएफ भारत में ब्लाइंड फुटबॉल की राष्ट्रीय शासी संस्था है और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अंतर्गत काम करती है। इस संस्था ने देश के 24

राज्यों में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में अहम् भूमिका निभाई है और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत की मौजूदगी को मजबूत बनाया है। आईबीएफएफ के डायरेक्टर सुनील मैथ्यू ने कहा, ब्लाइंड फुटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। वेक्टर एक्स हमारे लिए सिर्फ एक सहयोगी नहीं, बल्कि ऐसा साथी है, जो हमारे खिलाड़ियों का साथ देता है और उनके लिए लगातार नवाचार करता है। वेक्टर एक्स के मार्केटिंग हेड, बलजिंदर पाल सिंह ने कहा, हर खिलाड़ी उस उपकरण का हकदार है, जो उसे ताकत दे, प्रेरित करे और उसके प्रदर्शन को बेहतर बनाए।

वेक्टर एक्स साउंड बॉल खिलाड़ियों को आवाज़ के सहारे खेलने की सुविधा देता है, जिससे मैदान एक ऐसी सिम्फनी बन जाता है जिसमें हुनर, हिम्मत और सटीकता की झंकार होती है। वेक्टर एक्स और आईबीएफएफ मिलकर यह साबित कर रहे हैं कि समावेशिता कोई विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य है। यह साझेदारी ब्रांड्स, फेडरेशंस और प्रशंसकों के लिए एक संदेश है कि यह खूबसूरत खेल सबका है।

केन विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े

आईपीएल 2026 से पहले मिली बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी। केन विलियमसन इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स में रणनीतिक सलाहकार के रूप में शामिल हो गए हैं, टीम के मालिक संजीव गोयनका ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। फ्रैंचाइजी के मालिक गोयनका ने 35 वर्षीय पूर्व न्यूजीलैंड कप्तान के बारे में लिखा, उनका नेतृत्व, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य योगदान बनाती है। विलियमसन, जो एसए 20 लीग में डरबन टीम के साथ रहते हुए सुपर जायंट्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे हैं, ने आखिरी बार इस साल मार्च

में दुबई में भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के लिए खेला था। उन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ एक आकस्मिक अनुबंध होने के कारण, उनके खेलने की संभावना कम ही है। आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद विलियमसन को पिछले दो सीजन में एक खिलाड़ी के रूप में कुछ खास करने को नहीं मिला है। आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलते हुए उन्हें सीजन के पहले मैच में घुटने में चोट लग गई और फिर वे प्रतियोगिता में आगे नहीं खेल पाए। आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ रहते हुए, उन्होंने केवल दो मैच खेले और 27 गेंदों में 27 रन बनाए।

पाकिस्तानी टीम के ड्रेसिंग रूम में पहुंच गया फैन, बाबर आजम से मिलने के लिए तोड़ी सिक्योरिटी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में पाकिस्तानी टीम ने 93 रनों से जीत हासिल की. पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 277 रनों का टारगेट दिया, लेकिन उसकी पूरी टीम दूसरी इनिंग्स में 183 रनों पर सिमट गई. पाकिस्तानी टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम का 15 अक्टूबर (बुधवार) को 31वां जन्मदिन भी था, ऐसे में ये जीत उनके लिए किसी तोहफे से कम नहीं रही. पाकिस्तानी टीम की जीत के जश्न के बीच गद्दाफी स्टेडियम में हुई अप्रत्याशित घटना ने सबको चौंका दिया.

संक्षिप्त समाचार

बिहार एसआईआर से चुनाव आयोग ने भी ली सीख, पश्चिम बंगाल में ढील देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को लेकर उठे विवादों और कानूनी चुनौतियों के बाद, चुनाव आयोग अब इस प्रक्रिया में बड़े बदलाव करने जा रहा है। इसका उद्देश्य मतदाताओं की परेशानियों को कम करना और प्रक्रिया को मतदाता अनुकूल बनाना है। बिहार में स्ढ्ढक्र के दौरान दस्तावेजों की जटिल मांग, फॉर्म न भरने पर नामों की बड़ी संख्या में हटाई गई प्रविष्टियां (डिलीशन) और बहुत कम समय सीमा जैसी समस्याओं को लेकर मतदाताओं में असंतोष था। अब आयोग इन तीनों बिंदुओं पर लचीलापन लाने की योजना बना रहा है। बिहार में पहली बार हर मतदाता से नए दस्तावेजों की मांग की गई थी, जिससे लोगों में भ्रम और तनाव फैला। अब आयोग इस नीति में बदलाव पर विचार कर रहा है ताकि कम से कम मतदाताओं को दस्तावेज जमा करने पड़ें। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पुराने रजिस्टरों और पारिवारिक लिंक के आधार पर ऐसे मतदाताओं की पहचान कर रहे हैं जिनसे नए सिरे से प्रमाण पत्र नहीं मांगे जाएंगे। बिहार में इस साल एसआईआर के दौरान करीब 65 लाख नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे इनमें मृतक, स्थानांतरित व्यक्ति और वे लोग शामिल थे जिन्होंने एन्यूमरेशन फॉर्म या दस्तावेज जमा नहीं किए। यह प्रक्रिया पहले के रिवीजन की तुलना में असामान्य थी। अब आयोग विचार कर रहा है कि ड्राफ्ट सूची से नाम न हटाए जाएं, बल्कि हर मतदाता को अंतिम सूची प्रकाशित होने से पहले फिर से शामिल होने का अवसर दिया जाए। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया तीन महीने तक चली। 25 जून से एक महीने तक एन्यूमरेशन, फिर 30 दिन में वेरिफिकेशन, और 30 सितंबर को अंतिम सूची जारी की गई। यह कार्यक्रम विधानसभा चुनावों की घोषणा से सिर्फ छह दिन पहले पूरा हुआ। इस तंग समय सीमा ने मतदाताओं और सरकारी कर्मचारियों दोनों पर बेहद दबाव डाला। अब आयोग मानता है कि इतनी कठोर समय सीमा, वह भी चुनाव से ठीक पहले, व्यावहारिक नहीं है। इसलिए भविष्य के स्ढ्ढक्र में अवधि बढ़ाने का फैसला लिया जा सकता है। चुनाव आयोग के पास अगले एसआईआर के लिए ज्यादा समय नहीं है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मई 2026 तक नई विधानसभा बननी है। आयोग आम तौर पर फरवरी के अंत तक चुनाव कार्यक्रम घोषित करता है, इसलिए दीपावली के तुरंत बाद इन राज्यों में एसआईआर की घोषणा की संभावना है। हाल ही में बाढ़ या मौसम की विपरीत परिस्थितियों से प्रभावित राज्य तथा वे राज्य जहां स्थानीय निकाय चुनाव होने हैं, उनमें एसआईआर को अगले चरण में आयोजित किया जाएगा।

मिलावट का गंदा खेल, गाजियाबाद में कहां से आया साढ़े सात कुंतल नकली पनीर?

नई दिल्ली, एजेंसी। गाजियाबाद के खाद्य सुरक्षा विभाग ने मंगलवार देर रात अलीगढ़ से लाए जा रहे सात कुंतल मिलावटी पनीर नष्ट कराया। इसके साथ ही विभाग की अन्य टीम ने 300 किलोग्राम मिलावटी खोए के नमूने लेकर उसे भी नष्ट कराया। जिला अभिहित अधिकारी अरविंद कुमार यादव ने बताया कि मंगलवार देर रात खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम जनपद की सभी सीमाओं पर तैनात थी। यूपी गेट पर तैनात टीम ने करीब रात एक बजे अलीगढ़ से आ रहे माल वाहक वाहन को रोका और उसकी जांच की। इस दौरान 750 किलो मिलावटी पनीर के नमूने लेकर उसे मौके पर नष्ट कराया। वहीं, दूसरी टीम चौपला मंदिर के पास तैनात थी। मेरठ से माल वाहक वाहन में बोरियों में भरकर लाया जा रहा 300 किलो मिलावटी खोए को पकड़ा। नमूना लेकर इसे भी मौके पर नष्ट कराया। अधिकारी ने बताया कि विभाग द्वारा अभियान चलाकर अब तक जनपद से कुल 126 नमूने खाद्य पदार्थों के लिए जा चुके हैं। इसमें विभिन्न प्रकार जैसे खोए की मिठाई, सोनपापड़ी, बर्फी, मेवों की मिठाई के साथ अन्य खाद्य सामग्री शामिल हैं। इसके अलावा कृषि विभाग और एसटीएफ आगरा की टीम ने मुरादनगर में बंबा रोड कॉलोनी में एक गोदाम पर छापेमारी कर एक हजार से अधिक खाद के कट्टे बरामद किए। पुलिस ने गोदाम को सील कर सैंपल जांच के लिए भेज दिए। एसटीएफ आगरा को सूचना मिली कि मुरादनगर में बंबा रोड पर एक गोदाम में भारी मात्रा में नकली डीएपी उर्वरक रखा गया है।

साउथ एशियन यूनिवर्सिटी यौन शोषण का मामला

गुनहगार अब तक फरार, धमकी भरे ई-मेल से सुराग की तलाश

नई दिल्ली, एजेंसी।
साउथ एशियन यूनिवर्सिटी में बीटेक छात्रा से सामूहिक यौन शोषण के मामले में अब तक पुलिस के हाथ खाली हैं। धमकी भरे ई-मेल के आईपी एड्रेस की मदद से पुलिस आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

आशंका जताई जा रही है कि सारे ई-मेल और मैसेज एक ही लोकेशन से किए गए हैं। पुलिस अब पीड़िता के लैपटॉप और मोबाइल फोन में मौजूद डाटा की जांच कर आरोपियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की सीडीआर के अलावा यूनिवर्सिटी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और सुरक्षाकर्मियों से पूछताछ में कई टीमें जुटी हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूरी वारदात के घटनाक्रम को गहनता के साथ समझने के लिए पुलिस मंगलवार रात दोबारा पीड़िता को घटनास्थल पर लेकर गई थी। इस दौरान पीड़िता द्वारा बताए गए तथ्यों के आधार पर

वारदातस्थल के अलावा पूरे परिसर से जरूरी सुराग इत्यादि जुटाए गए हैं। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मामले में ई-मेल के माध्यम से पीड़िता को धमकी देने वाले आरोपी और वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी अलग-अलग तो नहीं हैं।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अब तक सीसीटीवी फुटेज में वारदात के वक्त और उसके आगे पीछे के समय में पीड़िता के बयान को समर्थन देने वाली कोई हरकत नजर नहीं आई है। हालांकि मामले की जांच जारी है। गौरतलब है कि यूनिवर्सिटी परिसर में रविवार रात को बीटेक की छात्रा के साथ सामूहिक यौन उत्पीड़न की वारदात सामने आई थी। मैदान गढ़ी पुलिस ने सोमवार देर रात छात्रा के बयान पर सामूहिक यौन शोषण, मारपीट और अन्य गंभीर धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर घटना की कड़ी निंदा की और स्पष्ट किया कि संस्थान में यौन उत्पीड़न और महिलाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति लागू है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बताया कि पीड़िता को फिलहाल उसके अभिभावकों की देखरेख में भेज दिया गया है और मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। यौन उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतों की जांच के लिए पहले से कार्यरत स्थायी समिति ने मामले का संज्ञान लिया है। पुलिस के मुताबिक, यूनिवर्सिटी के नॉन टीचिंग स्टाफ व सुरक्षा स्टाफ की ज्यादातर जानकारी पुलिस ने हासिल कर ली है और यूनिवर्सिटी के 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। घटना के संबंध में जिन लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं उनमें 70 गार्ड, छात्र और केयर टेकर शामिल हैं। छात्रा को भेजे गए धमकी भरे ईमेल और मैसेज की जांच का जिम्मा साइबर टीम को सौंपा गया है।

एल्विश यादव और राहुल फाजिलपुरिया की बढ़ी मुश्किलें, ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली, एजेंसी।
यूट्यूबर एल्विश यादव और गायक राहुल फाजिलपुरिया के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुग्राम स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। अदालत द्वारा इसका संज्ञान लेने के बाद दोनों को जल्द तलब किया जाएगा।

आरोप पत्र में चंडीगढ़ की कंपनी स्काई डिजिटल को भी दोषी ठहराया गया है। दोनों ने सांपों के साथ गाना शूट किया था। ईडी एल्विश व फाजिलपुरिया की करीब 55 लाख रुपये कीमत की संपत्तियों को जब्त कर चुका है। यूट्यूबर एल्विश यादव और गायक फाजिलपुरिया ने अपने गाने 32 बोर में सांपों का इस्तेमाल किया था। जिसके बाद लखनऊ स्थित ईडी के जोनल मुख्यालय ने गुरुग्राम में इस मामले में एफआईआर दर्ज की थी। दोनों के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

जांच में यह सामने आया है कि फाजिलपुरिया के गाने से यूट्यूब से 52 लाख रुपये की कमाई हुई थी। जिससे राहुल फाजिलपुरिया ने बिजनौर में कृषि के लिए तीन एकड़ जमीन 50 लाख रुपये में खरीदी थी। यही

नहीं एल्विश व फाजिलपुरिया के बैंक खातों में जमा करीब तीन लाख रुपये और चंडीगढ़ की स्काई डिजिटल कंपनी के बैंक खाते में जमा करीब दो लाख रुपये भी जब्त किए गए थे। पिछले वर्ष सितंबर महीने में एल्विश व फाजिलपुरिया को राजधानी स्थित ईडी के जोनल कार्यालय में तलब कर पूछताछ की गई थी।

यूट्यूबर एल्विश यादव कोबरा कांड का भी आरोपी है। पूर्व सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपुल्स फॉर एनिमल की ओर से एल्विश यादव सहित छह लोगों के खिलाफ नोएडा में दो नवंबर 2023 को वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था।

एल्विश पर गिरोह बनाकर सांप का जहर, जिंदा सांप नोएडा व एनसीआर के फॉर्म हाउस, नामचीन होटलों, क्लब की पार्टियों में उपलब्ध कराने का आरोप था।

अदालतों का दायरा बढ़ा, अब पूर्व सांसद-विधायक भी आएंगे रडार पर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कानून का शिकंजा अब और सख्त होने जा रहा है। राजधानी की तीन विशेष अदालतें, जो पहले केवल मौजूदा सांसदों और विधायकों के खिलाफ बाल अधिकारों और यौन अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई करती थीं, अब पूर्व सांसदों और विधायकों को भी अपने दायरे में लाएंगी। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के कार्यालय ने बुधवार को इसकी घोषणा की, जिसने कानूनी हलकों में हलचल मचा दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट में स्थित ये तीन विशेष अदालतें बाल संरक्षण अधिकार आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामलों की सुनवाई के लिए बनाई गई थीं। अब दिल्ली सरकार के प्रस्ताव को एलजी की मंजूरी मिलने के बाद इन अदालतों का दायरा बढ़ गया है। यानी, अब चाहे मौजूदा नेता हों या रिटायर्ड, अगर उन पर बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन या यौन अपराध से जुड़ा कोई आरोप है, तो इन

अदालतों में उनकी जवाबदेही तय होगी। एलजी कार्यालय के बयान के मुताबिक, इन तीन अदालतों को जुलाई 2023 में सांसदों और विधायकों के खिलाफ मामलों के लिए बनाया गया था। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के 2020 के निर्देश के बाद लिया गया था। लेकिन, पिछली केजरीवाल सरकार ने इस अधिसूचना को तीन साल से ज्यादा समय तक लटकाए रखा। अब जाकर इस दिशा में कदम उठाया गया है, जिसे कानूनी विशेषज्ञ एक बड़ा बदलाव मान रहे हैं। दिल्ली में पहले से ही आठ अन्य अदालतें बच्चों के खिलाफ अपराधों, बाल अधिकारों के उल्लंघन और पॉक्सो एक्ट के तहत मामलों की सुनवाई कर रही हैं।

दिल्ली के नए सचिवालय के लिए आईपी बस डिपो पर लग सकती है फाइनल मुहर, रेस में सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
नए सचिवालय के लिए छह स्थानों को चिह्नित किया गया है। इसमें से आईपी बस डिपो की जगह को सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। इस पर जल्द ही निर्णय होने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कुछ माह पहले दिल्ली सरकार का नया सचिवालय बनाने की बात कही थी। इसके लिए जगह चिह्नत करने की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा को सौंपी गई थी। उन्होंने दिल्ली में छह जगहों को इसके लिए चिन्हित किया था। इसमें राजघाट पावर प्लांट, आईपी पावर स्टेशन, आईपी बस डिपो, ट्वीन टावर आईटीओ, खैबर पास और गुलाबी बाग शामिल हैं। इन सभी जगहों को लेकर पीडब्ल्यूडी द्वारा अध्ययन किया गया है। इसमें

सबसे बेहतर जगह आईपी स्थित बस डिपो को माना जा रहा है।

पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि आईपी बस डिपो वाली जगह लगभग खाली पड़ी है। ऐसे में यहां अधिक तोड़फोड़ नहीं करनी पड़ेगी और निर्माण कार्य का काफी समय बचेगा। अन्य जगहों पर निर्माण कार्य के लिए उस जगह को तोड़कर पहले मलबे को हटाना पड़ेगा और इसके बाद निर्माण कार्य चालू हो सकेगा। इसमें काफी ज्यादा समय लगेगा। इसके अलावा बस डिपो के पास पांच एकड़ जमीन खाली पड़ी है। ऐसे में दिल्ली सचिवालय बनाने के लिए यहां अधिक जगह है। पीडब्ल्यूडी की ओर से अन्य जगहों का प्रस्ताव भी सरकार के पास भेजा गया है। जल्द ही इस बारे में अंतिम निर्णय ले लिया जाएगा। नए सचिवालय के निर्माण से कामकाज में तेजी आएगी। साथ ही जगह की किल्लत भी दूर हो जाएगी। आईपी बस डिपो की जगह पर नई इमारत बनाकर सरकार उसे किराए पर लगाएगी और इससे सरकार को राजस्व की प्राप्ति होगी। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि दिल्ली सरकार नया सचिवालय कम समय में बनाने वाली कंपनी को न केवल टेंडर देगी, बल्कि उन्हें समय पर काम खत्म करने के लिए प्रोत्साहन राशि भी देगी। दफ्तर तैयार होने से सरकार को इसका आर्थिक लाभ मिलेगा। नए सचिवालय में अपने दफ्तर स्थानांतरित करने के बाद इमारत की बची हुई जगह को अलग-अलग सरकारी कार्यालयों के लिए किराए पर दिया जाएगा।

इजरायल का गुस्सा आसमान पर !

धोखेबाज है हमास, अब धरती से मिटा देंगे नामोनिशान

येरूसलम , एजेंसी। इजरायल में गाजा की ओर जारी गतिरोध और बंधकों के मुद्दे ने एक बार फिर तेज मोड़ ले लिया है। सेना के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने स्पष्ट कहा है कि जब तक सभी बंधकों को वापस नहीं लाया जाता, सेना को चैन नहीं लगेगा। उनके गुस्से की वजह हमास द्वारा हाल ही में की गई वह हरकत है जिसमें उसने इजरायली बंधक के शव की जगह गलती (या धोखा) करके एक फिलिस्तीनी व्यक्ति का शव सौंप दिया। जमीर ने कहा कि बंधकों की वापसी इजरायली सेना का नैतिक, राष्ट्रीय और यहूदी कर्तव्य है।

उन्होंने बताया कि राजनीतिक नेतृत्व के साथ मिलकर सेना सभी समझौतों को लागू करने पर अडिग रहेगी, लेकिन तब तक आराम नहीं किया जाएगा जब तक

कहा-बेइज्जती की हद पार...

हर एक बंधक वापस न आ जाए।हमास ने अब तक कम-से-कम 21 मृत बंधकों के शव अपने कब्जे में रखे हुए हैं; पिछले दो दिनों में उसने केवल सात शव लौटा दिए। सोमवार को उसने 20 जीवित बंधकों को रिहा कर दिया था पर मृत बंधकों के मामले में निकासी की प्रक्रिया और पहचान विवादों में घिरती जा रही है। बुधवार को हमास द्वारा सौंपे गए चार शवों में से इजरायल के कई मीडिया और अधिकारियों का दावा है कि एक शव किसी इजरायली बंधक का नहीं बल्कि गाजा का एक फिलिस्तीनी नागरिक निकला। हिब्रू मीडिया के हवाले से एक अधिकारी ने खुलासा किया कि बरामद शवों की पहचान की जा रही है और प्रारंभिक जांच में पाया गया कि एक शव असत्यापित है। इजरायल में इससे पहले भी ऐसी घटनाएँ दर्ज हुई हैं इस साल के आरंभ में भी हमास ने एक शव सौंपने का दावा किया था जिसे बाद में इजरायली जांच में फिलिस्तीनी मनुष्य का निकला और असली अवशेष बाद में ही सौंपे गए थे।

मंत्री इतमार बेन ग्वीर का कड़ा बयान: हमास की इस हरकत पर इजरायल के कट्टर दक्षिणपंथी नेता इतमार बेन ग्वीर ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा- बेइज्जती की हद हो गई। ट्रकों को रास्ता खोलने के कुछ ही पलों बाद, हमास वापस अपनी पुरानी चाल झूठ, धोखा और शवों के साथ छल पर आ गया। नाजी आतंकवाद सिर्फ़ हथियारों की भाषा समझता है। इससे निपटने का एकमात्र तरीका है इसे धरती से मिटा देना। उनका यह अनुमानित आक्रमक वक्तव्य देश में और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तीखी आलोचना/चिंता का विषय बन सकता है, क्योंकि इससे संघर्ष और हिंसा की भाषा प्रबल होने का डर भी व्यक्त किया जा रहा है। गलत शव सौंपे जाने की बात वार्ता पर भरोसा कम कर सकती है और युद्धविराम की शर्तों पर दोबारा भरोसा बहाल करना मुश्किल बना सकती है।

संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी: भुखमरी की चपेट में आ सकते हैं 1.4 करोड़ लोग

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की खाद्य सहायता एजेंसी ने बुधवार को कहा कि उसके प्रमुख दानदाताओं द्वारा वित्त पोषण में की गई कटौती से छह देशों में उसकी गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। उसने चेताया कि इससे करीब 1.4 करोड़ लोग भुखमरी की कगार पर पहुंच सकते हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा कि इस वर्ष उसका वित्त पोषण अब तक की सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है।

डब्ल्यूएफपी ने कहा, इस चुनौती का मुख्य कारण अमेरिका (डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत) तथा अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा अनुदान में की गई भारी कटौती है। एजेंसी ने चेतावनी दी कि उसकी खाद्य सहायता प्राप्त करने वाले 1.37 करोड़ लोगों को अब आपात स्तर की भुखमरी का सामना करना पड़ सकता है। जिन देशों में मुख्य व्यवधान देखने को मिल रहे हैं, वे अफगानिस्तान, कांगो, हैती, सोमालिया, दक्षिण सूडान और सूडान हैं। डब्ल्यूएफपी ने बताया कि इस साल उसे 40 कम वित्त पोषण मिलने के आसार हैं। इस तरह उसका अनुमानित बजट 10 अरब डॉलर से घटकर 6.4 अरब डॉलर रह जाएगा।

गजब का टोपीबाज ! कमियां निकालकर 2 साल तक फ्री में खाता रहा खाना

बीजिंग, एजेंसी। आधुनिक जीवन में फूड डिलीवरी ऐप्स ने भले ही लोगों के लिए खाना मंगाना आसान कर दिया हो लेकिन जापान के नागोया शहर के एक व्यक्ति ने इसी सुविधा का फायदा उठाकर एक डिलीवरी प्लेटफॉर्म को तगड़ा नुकसान पहुंचाया है। 38 वर्षीय ताकुया हिगाशिमोतो ने कथित तौर पर दो साल तक प्लेटफॉर्म की रिफंड पॉलिसी में खामियां ढूंढकर मुफ्त में खाना खाया जिससे कंपनी को लगभग 3.7 मिलियन येन (24,000 अमेरिकी डॉलर) यानी करीब 21 लाख रुपये का चूना लगा।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार हिगाशिमोतो जो पिछले कई सालों से बेरोजगार है ने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म डेमाए-कैन की रिफंड पॉलिसी का दुरुपयोग किया। वह प्लेटफॉर्म पर ऑर्डर करता था। ऑर्डर मिलने के बाद भी वह झूठा दावा करता था कि उसे खाना नहीं मिला है। इस धोखाधड़ी से उसने दो वर्षों में 1,095 ऑर्डरों के लिए रिफंड

शख्स ने निकाला फूड डिलीवरी कंपनी का दिवाला

प्राप्त किया। हिगाशिमोतो ने इस दौरान ईल बेंटो, हैमबर्गर स्टेक और आइसक्रीम जैसी महंगी और लक्ज़री चीजें ऑर्डर कीं।

अपनी पहचान छुपाने और लगातार रिफंड पाने के लिए हिगाशिमोतो ने बेहद शातिर तरीके से काम किया। उसने डेमाए-कैन प्लेटफॉर्म पर 124 फर्जी खाते बनाए। ये सभी खाते फर्जी नामों से और गलत पतों पर पंजीकृत थे। वह इन फर्जी खातों के लिए प्रीपेड मोबाइल फोन कार्ड खरीदता था। जिसके लिए उसने फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल किया और फिर उन कार्डों को तुरंत रद्द कर देता था। एक उदाहरण के तौर पर 30 जुलाई को उसने ऐप के चैट फीचर का उपयोग करके दावा किया कि उसे अपना ऑर्डर नहीं मिला। उसी दिन उसे 16,000 येन (105 अमेरिकी डॉलर) का रिफंड मिल गया। गिरफ्तारी के बाद उसने पुलिस को बताया, पहले तो मैंने यह सिर्फ एक चाल के रूप में शुरू किया। एक बार जब मुझे इस धोखाधड़ी का फल मिलने लगा तो मैं इसे रोक नहीं सका। यह मामला स्थानीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेज़ी से वायरल हो गया। घटना सामने आने के बाद डेमाए-कैन प्लेटफॉर्म ने अपनी पहचान सत्यापन प्रणाली में सुधार करने और असामान्य लेन-देन के लिए एक चेतावनी प्रणाली लागू करने का संकल्प लिया है। सोशल मीडिया यूज़र्स ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी। एक यूज़र ने लिखा, प्लेटफॉर्म की रिफंड पॉलिसी में सुधार की ज़रूरत है। वे ग्राहकों के साथ बहुत ज़्यादा नरमी बरतते हैं। एक अन्य यूज़र ने हिगाशिमोतो के मेहनत की तरफ इशारा करते हुए कहा, वह काफी चतुर है।

ट्रंप और शी की जल्द मुलाकात तय, अमेरिका-चीन ट्रेड वार के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री ने की पुष्टि

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच जारी व्यापारिक तनाव के बीच एक बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से जल्द मुलाकात तय है। उन्होंने बताया कि यह बैठक संभवत: इस महीने होने वाले एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन के दौरान होगी। बेसेंट ने कहा कि ट्रंप इस बैठक के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दोनों नेताओं के बीच बहुत अच्छा रिश्ता है और बातचीत जारी है। बेसेंट ने कहा कि अमेरिका और चीन के बीच इस समय उच्च स्तर पर संवाद जारी है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष ढ्ढरूस्न और वर्ल्ड बैंक की वार्षिक बैठकों के दौरान भी कार्य-स्तरीय चर्चाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं चीन के साथ चल रही चर्चाओं को लेकर आशावादी हूं। हम कई स्तरों पर संवाद बढ़ा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों देशों के बीच ट्रेड वार फिर से गर्म हो गया है। हाल ही में चीन ने दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर नियंत्रण लगाया था, जिसके बाद ट्रंप ने बैठक रद्द करने की धमकी दी थी। इसके जवाब में व्हाइट हाउस ने चीन के खिलाफ नए टैरिफ पैकेज की घोषणा की। ट्रंप ने चीनी आयात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने का ऐलान करते हुए कहा था कि अब चीन को हमारे बाजारों में अनुचित लाभ नहीं मिलेगा। विश्लेषकों का मानना है कि एपीईसी सम्मेलन में होने वाली यह मुलाकात व्यापार तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम साबित हो सकती है। दोनों देशों के बीच संवाद बहाल होना, वैश्विक बाजारों में स्थिरता का संकेत दे सकता है। हालांकि, ट्रंप प्रशासन के नए 100 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क और सॉफ्टवेयर निर्यात नियंत्रण के फैसले के बाद माहौल अभी भी तनावपूर्ण है।

दीपावली एवं छठ के मद्देनजर बीएसएल ने चलाया स्वच्छता अभियान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल द्वारा आगामी दीपावली एवं छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए बोकारो टाउनशिप क्षेत्र में स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण कार्यों को और अधिक गति प्रदान की गई है. बीएसएल के पब्लिक हेल्थ विभाग द्वारा इस विशेष स्वच्छता अभियान का उद्देश्य टाउनशिप के प्रत्येक क्षेत्र को स्वच्छ, सुंदर और उत्सवमय वातावरण प्रदान करना है. यह अभियान नियमित सफाई कार्यों के साथ-साथ सतत रूप से संचालित किया जा रहा है. टाउनशिप के सभी सेक्टरों एवं सार्वजनिक स्थलों में सफाई मित्रों की समर्पित टीम द्वारा घर-घर से कचरा संग्रहण, सड़कों, गलियों एवं जलाशयों की सफाई का कार्य पूरी तत्परता से किया जा रहा है. विशेष रूप से छठ पर्व को ध्यान में रखते हुए विभिन्न तालाबों एवं जलाशयों की सफाई पर विशेष बल दिया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ जल एवं स्वच्छ परिवेश उपलब्ध हो सके. वर्तमान में टाउनशिप के विभिन्न क्षेत्रों में 650 से अधिक डस्टबिन स्थापित हैं, जिनके माध्यम से अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है. प्रतिदिन औसतन 100 से अधिक डस्टबिनों की सफाई एवं निकासी की जा रही है. इसके साथ ही बाजार क्षेत्रों, पूजा स्थलों, प्रमुख सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई एवं सजावट कार्य भी किए जा रहे हैं, जिससे टाउनशिप का प्रत्येक कोना स्वच्छता और सुंदरता की झलक प्रस्तुत कर सके. स्वच्छ एवं हरित वातावरण के प्रति अपनी गहन प्रतिबद्धता के तहत बीएसएल का यह अभियान न केवल टाउनशिप को उत्सवों के लिए तैयार कर रहा है, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और साझी जिम्मेदारी की भावना को भी सशक्त बना रहा है. बीएसएल प्रबंधन ने टाउनशिप के सभी निवासियों से अपील की है कि वे 'स्वच्छ और सुंदर बोकारो' के निर्माण में सक्रिय सहयोग दें, कचरा केवल निर्धारित डस्टबिन में डालें तथा सफाई या अपशिष्ट निस्तारण से संबंधित किसी भी सुझाव या शिकायत हेतु बीएसएल के पब्लिक हेल्थ विभाग से संपर्क करें. बोकारो स्टील प्लांट की यह पहल न केवल पर्यावरणीय स्वच्छता एवं जन स्वास्थ्य को सुदृढ़ रखने में सहायक है, बल्कि बोकारो टाउनशिप को और अधिक आकर्षक, हरित एवं स्वस्थ रूप प्रदान करने हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है.

बीएसएल के यातायात विभाग में 'यार्ड मास्टर कोऑर्डिनेशन' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

बोकारो स्टील प्लांट के यातायात विभाग द्वारा रेल भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में 'यार्ड मास्टर कोऑर्डिनेशन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस अवसर पर यातायात विभाग के महाप्रबंधक(यातायात) श्री आर. के. पात्रो, महाप्रबंधक मोहम्मद शहाबुद्दीन, महाप्रबंधक श्रीएस. पात्रा, बीपीएससीएल के उप महाप्रबंधक श्री टी. के. मंत्री, श्री आर. शर्मा सहित विभाग के अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे. कार्यक्रम की शुरूआत में कनीय प्रबंधक (यातायात) श्री कपूर रंजन ने सभी का स्वागत किया एवं कार्यशाला के उद्देश्य और रूपरेखा पर प्रकाश डाला. इसके पश्चात एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से यातायात विभाग की प्रमुख गतिविधियों, डैमरेज एवं डिटेंशन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं. इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री एस. पात्रा ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विभागीय समन्वय और कार्य दक्षता में वृद्धि के लिए अत्यंत उपयोगी हैं. उन्होंने बताया कि विभिन्न स्टेशनों पर कार्यरत यार्ड मास्टर के बीच बेहतर संवाद और सहयोग स्थापित करने, डिटेंशन समय को नियंत्रित करने तथा संयंत्र के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने में ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. उन्होंने प्रतिभागियों से सक्रिय सहभागिता और सीखने की भावना बनाए रखने का आह्वान किया. कार्यशाला में यातायात विभाग के विभिन्न स्टेशनों से कुल 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया. सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने संचालन संबंधी विचार-विमर्श किया और अपने सुझाव साझा किए.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी

सम्बंधित भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2025 के उपलक्ष्य में चल रहे तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत बीएसएल के सतर्कता विभाग द्वारा आज दिनाँक 16 अक्टूबर को डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-08/इ, में विद्यार्थियों के लिए नारा एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में विद्यालय के कुल 25 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों सतर्कता, ईमानदारी एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। विद्यार्थियों ने 'सतर्कता हमारी साझा जिम्मेदारी' विषय पर अपने विचारों को नारा एवं भाषण के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया. नारा प्रतियोगिता में शिवम् राज झा को प्रथम, सुभाष राज झा को द्वितीय, आशीष को तृतीय तथा अनिशा को सान्तवना पुरष्कार के लिए चयनित किया गया. हिंदी भाषा के भाषण प्रतियोगिता में नयनतारा को प्रथम, सिमरन को द्वितीय, खुशबु को तृतीय तथा रूबी को सांत्वना पुरष्कार एवं अंग्रेजी भाषा के भाषण प्रतियोगिता में प्रियांशु को प्रथम, अंकिता को द्वितीय, रिजवान को तृतीय तथा आयुषी को सांत्वना पुरष्कार के लिए चयनित किया गया.

इस अवसर पर बीएसएल के श्री ज्ञानेश झा, मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ, श्री शनि रंजन, सहायक महाप्रबंधक (सतर्कता) के साथ श्री अनुपाल सागर, प्राचार्य एवं सतर्कता विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण और विद्यार्थी उपस्थित थे. विद्यालय के शिक्षकों ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों में नैतिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक प्रयास बताया। कार्यक्रम का आयोजन सतर्कता विभाग की टीम द्वारा किया गया. कार्यक्रम के विजेताओं को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा. कार्यक्रम का सञ्चालन डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल, सेक्टर-08/इ की शिक्षिका श्रीमती पूर्णिमा एवं श्रीमती रौशनी के द्वारा किया गया.

सभी महिला उच्च विद्यालयों में एमएचएम लैब निर्माण का डीडीसी से दिया निर्देश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता समिति द्वारा यूनिसेफ सहयोगी आईडीफ के सहयोग से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज - 2 अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव एवं प्रबंधन तथा पर्यावरणीय स्थायित्व विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई ।

कार्यशाला में नियमित संचालन, रखरखाव और सामुदायिक सहभागिता से गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण पर विशेष जोर दिया गया। उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने सभी मुखिया एवं जलसहिया को निर्देशित किया कि सामुदायिक शौचालयों को पूर्ण रूप से कार्यरत रखा जाए और सभी महिला उच्च विद्यालय में एमएचएम लैब का निर्माण कराया जाय ताकि महिलाएं एवं लड़कियां सुरक्षित वातावरण में शौचालयों और एमएचएम लैब का उपयोग कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य पंचायतों जैसे स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से इन सभी इकाइयों का सफल संचालन प्रेरणादायक है और हमें भी इस मॉडल को अपनाने की आवश्यकता है। जिला समन्वयक यूनिसेफ सपोर्टेड आईडीएफ टीम श्री घनश्याम के द्वारा ढढळ के माध्यम से ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा किया गया। साथ ही यह बताया गया कि इन सभी संरचनाओं के सफल संचालन के लिए इन्हें ग्राम पंचायत विकास योजनाओं मे लेने की आवश्यकता है साथ ही गांव को 100% स्वच्छ (मॉडल)एवं हर घर जल से आच्छादित को ध्यान में रखते हुए टाइट फंड के अंतर्गत योजनाओं का चयन करें। समन्वयक चास के द्वारा ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन पर अभी तक के हुए कार्यों के बारे में बताया गया। कार्यशाला में उपस्थित मुखियाओं एवं जलसहिया के द्वारा अपने क्षेत्र से संबंधित कार्यों के बारे में अपना अनुभव साझा किया गया।

दीपावली को लेकर फूड इंस्पेक्टर ने की मिठाईयो की जांच

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। फूड इंस्पेक्टर प्रशांत राज एवं संजीव कुमार भैया ने चास शहर के विभिन्न मिठाई दुकानों की जांच की गई। उन्होंने दीपावली पर्व को लेकर मिठाई की बढ़ती मांग को देखते हुए दुकानों को साफ-सफाई एवं हाइजेनिक तरीके से दुकानों का संचालन का निर्देश दिया। फूड इंस्पेक्टर एवं उनकी टीम ने चास चेक पोस्ट, धर्मशाला चौक, अंतर्गत संचालित दर्जनों मिठाई दुकानों की जांच की। जांच के क्रम में सभी खाद्य प्रतिष्ठानों के फूड लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र व स्वच्छता मानकों की जांच की गई। सभी संचालकों को निर्देश दिया गया कि वे अज्ञात स्त्रोतों से प्राप्त कच्चे माल का उपयोग मिठाई या खाद्य पदार्थों के निर्माण में न करें तथा स्वीकृत और प्रमाणित सामग्री का ही उपयोग करें। वहीं, स्ट्रीट फूड वेंडर्स को खाद्य सामग्री को ढककर रखने, स्वच्छ पानी का उपयोग करने तथा अपने स्टॉल एवं कार्यस्थल की सफाई बनाए रखने का निर्देश दिए गए। मिठाई दुकानों, रिटेलर एवं मार्ट संचालकों को यह सुनिश्चित करने हेतु कहा गया कि सभी उत्पाद लेबलयुक्त एवं वैधता अवधि के साथ ही विक्रय किए जाएं।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के बच्चों ने छठ परंपरा का किया प्रभावी प्रदर्शन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर 9 बोकारो में बिहार, झारखंड एवं उत्तर प्रदेश के लोक आस्था का महापर्व छठ की प्रस्तुति विद्यालय के भैया - बहनों के द्वारा की गई । जिसमें नहाए खाए, खड़ना और साक्षात देवता भगवान सूर्य को अर्घ देते हुए झलकी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव गुप्तेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से अपने बालकों के अंदर धर्म और संस्कृति के प्रति आस्था का जागरण होता है । वहीं विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कामत ने बताया कि प्रत्येक पर्व में बालकों द्वारा इस प्रकार के प्रदर्शन करने से उन्हें उस पर्व की महत्ता का पता चलता है। आज का जो यह प्रदर्श था इसके माध्यम से विद्यालय के प्रत्येक भैया बहनों को यह जानकारी प्राप्त हुई कि छठ महापर्व है। यह एक पाव ही नहीं अपितु सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन का जीवंत उदाहरण है। जहां एक ही स्थान पर जाति पाति और अमीरी गरीबी सबको भूल कर लोग भगवान सूर्य की आराधना करते हैं । इसके लिए लोग अपने काम को छोड़कर दूर-दूर से अपने परिवार से मिलने आते हैं ।यह परिवारों को एकजुट करने का भी पर्व है। इन सभी बातों की जानकारी आज के इस प्रदर्शन के द्वारा विद्यालय के अन्य भैया बहनों को दी गई और इसके प्रति उनको जागरूक किया गया । इस कार्यक्रम की प्रमुख मीनाक्षी दीदी ने बताया कि विगत पांच दिनों में ही विद्यालय के भैया बहनों ने इस प्रस्तुति को अंजाम दिया। इसमें बहनों के द्वारा छठ गीत की प्रस्तुति विद्यालय की संगीत आचार्य सुलेखा शर्मा जी के द्वाराकराई गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी आचार्य चंदन सरकार के साथ-साथ सभी आचार्य दीदी जी और भैया - बहन उपस्थित रहे।

सेल प्रबंधन से बात कर होगा पुनर्वास : एसडीओ

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को झुग्गी-झोंपड़ी वासी सह फुटपाथ दुकानदार महासंघ के संरक्षक सह आम आदमी पार्टी के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी कुमार राकेश के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा मिलकर हवाई अड्डा से प्रभावित मीट-मुर्गा दुकानदारों को पुनर्वासित करने की मांग की। महासंघ के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मंगलवार को उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा को सौंपे गये ज्ञापन की प्रति भी सौंपी गयी। साथ ही शीघ्र ही सभी मीट-मुर्गा दुकानदारों की समस्या का समाधान करने से संबंधित लंबी वार्ता की गयी। एसडीओ चास प्रांजल ढ़ांडा ने सकारात्मक रूप से महासंघ की बातें सुनी। उन्होंने कहा कि हर हाल में बोकारो हवाई अड्डा शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। इसीलिए वर्षों से रोजगार कर रहे किसी मीट दुकानदार को हटाने से पूर्व पुनर्वासित किया जायेगा। इसके लिए सेल प्रबंधन से बात कर स्थान चिह्नित किया जायेगा। सौंपे गये ज्ञापन में पथ विक्रेता अधिनियम 2014 के तहत दुंदीबाद और सेक्टर 12 मोड़ के सभी मीट-मुर्गा दुकानों को पुनर्वासित करने, दुग्गल गेट के समीप खाली स्थान पर पुनर्वासित करने, सेल प्रबंधन से बात कर सेक्टर पांच हटिया की तरह चबूतरा बनाकर आंवटन, बिजली-पानी की सुविधाजनक व्यवस्था करने, जिला प्रशासन द्वारा सभी दुकानदारों को मीट-लाईसेंस प्रदान करने, हवाई अड्डा चाहरदीवारी से सटे झुग्गीवासियों को अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य गरीब बेघरों के शहरी भूमिहीन कानून के तहत पुनर्वासित करने आदि मांगे शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल में महासंघ के जिलाध्यक्ष श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, उपाध्यक्ष सत्येंद्र ठाकुर, दुकानदार संतोष मेहता, प्रकाश महतो, राजू महतो सहित अन्य शामिल थे।

सतनपुर उच्च विद्यालय में सिखाए प्राथमिक चिकित्सा के गुर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शुक्रवार को बोकारो के सतनपुर उच्च विद्यालय में नागरिक सुरक्षा बोकारो की ओर से एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमे भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, यातायात नियम एवं दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा देते हुए अस्पताल तक पहुंचाने से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर सेक्टर- 12 थाना प्रभारी अमीत कुमार राय एवं अवर निरीक्षक के बी अविनाश अवर निरीक्षक तथा प्रवीण शंकर तथा यातायात के तरफ से सहायक अवर निरीक्षक श्री बबलू कुमार राम तथा नागरिक सुरक्षा बोकारो के डिविजनल वॉर्डन सह राज्य प्रशिक्षण पदाधिकारी डॉक्टर एस पी वर्मा, मुरारी मोहन झा, जय प्रकाश सिंह ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिविल डिफेंस के डिविजनल वार्डन डॉ एस पी वर्मा ने सर्पदंश से बचने के उपाय तथा प्राथमिक उपचार के बारे में तथा सड़क दुर्घटना में घायल हुए व्यक्ति को प्राथमिक चिकित्सा की जानकारी दी।

ज्ञातव्य रहे कि जिले के सभी सरकारी उच्च विद्यालयो एवं इण्टर कॉलेजों के विद्यार्थियों इस तरह का प्रशिक्षण देने की पहल उपायुक्त अजय नाथ झा ने की है। इसी क्रम में आज सतनपुर विद्यालय में अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा के आदेशानुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम कराया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

सांसद ढुलू महतो ने किया मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के बाबूडीह स्थित मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन गुरुवार को धनबाद सांसद ढुलू महतो ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, आंगनबाड़ी सेविकाएं, सहायिकाएं और समाज कल्याण विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सांसद ढुलू महतो ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र बच्चों के भविष्य की पहली पाठशाला है। सरकार लगातार बच्चों के शैक्षणिक और मानसिक विकास के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र इसका बेहतरीन उदाहरण है। धनबाद की जिला समाज कल्याण पदाधिकारी स्नेहा कश्यप ने बताया कि जिले में कुल 25 मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र बनकर तैयार हो चुके हैं। इन केंद्रों में बच्चों के लिए पठन-पाठन की उत्कृष्ट व्यवस्था के साथ-साथ खेल-खेल में सीखने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि केंद्रों की दीवारों पर शिक्षाप्रद चित्र बनाए गए हैं, जिससे बच्चों को अक्षर, संख्या और सामान्य ज्ञान की बातें सिखाना आसान होगा। साथ ही मानसिक और शारीरिक विकास के लिए विभिन्न मनोरंजन सामग्री और खिलौने भी उपलब्ध कराए गए हैं। इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि यह पहल इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज के अंतर्गत संचालित की जा रही है। यह बच्चों के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में समाजसेवी, पंचायत प्रतिनिधि और आंगनबाड़ी कर्मियों ने भी हिस्सा लिया। अंत में बच्चों के बीच मिठाई और शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया।

लुगुबुरु घंटाबाड़ी दो दिवसीय राजकीय महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी दो दिवसीय राजकीय महोत्सव की तैयारी को लेकर ललपनिया स्थित श्यामली गेस्ट हाउस में अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो तेनुघाट मुकेश मछुआ की अध्यक्षता में दोनों पूजा समिति लगुबुरु घंटाबाड़ी धोरोमगाढ़ पूजा समिति एवं लगुबुरु घंटाबाड़ी पुण्यथान कमिटी के सदस्यों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में महोत्सव के सफल आयोजन हेतु विभिन्न विभागों की तैयारियों की समीक्षा की गई तथा आयोजन स्थल पर की जाने वाली व्यवस्थाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही बैठक के दौरान दिशोम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन की प्रतिमा लगाने हेतु उपयुक्त स्थान का चयन हेतु चर्चा किया गया। इस अवसर पर कमिटी के सदस्यों ने सुझाव दिया कि मूर्ति की स्थापना ऐसे स्थान पर की जाए, जहाँ श्रद्धालु एवं आमजन आसानी से पहुँच सकें और दिशोम गुरु के योगदान को याद कर सकें।

जिले की आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा एवं स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने -

बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो तेनुघाट मुकेश मछुआ ने बताया कि राजकीय महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोक कला प्रदर्शनी, हस्तशिल्प मेला तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रदर्शनी स्टॉल लगाए जाएंगे। महोत्सव के माध्यम से राज्य व जिले की आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा एवं स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने का उद्देश्य है। उन्होंने आगे बताया कि बैठक में यह भी तय किया गया कि सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग, स्वच्छता एवं यातायात प्रबंधन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी पूर्व निर्धारित योजना के तहत कार्य करेंगे। अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो तेनुघाट ने बताया कि पूजा समिति के वॉलेंटियर को टैक शूट दिया जाएगा, जिसमें लगुबुरु घंटाबाड़ी धोरोमगाढ़ ललपनिया लिखा रहेगा। जैसा कि पूजा कमिटी का सुझाव होगा।

निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए-

बैठक के बाद सभी अधिकारीगण एवं पूजा कमिटी द्वारा निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया एवं संबंधित एजेंसियों को कार्य समय से पूर्व सम्पन्न करने का निर्देश दिया। साथ ही निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए। बैठक के दौरान जिला नजारत उप समाहर्ता सह भूमि सुधार उप समाहर्ता चास प्रभास दत्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, बीडीओ गोमिया महादेव महतो, अंचलाधिकारी गोमिया मो आफताब आलम, पूजा समिति के अध्यक्ष श्री बबली सोरेन एवं अन्य प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन पर की गई सख्त कार्रवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला प्रशासन द्वारा खनन विभाग एवं पुलिस बल के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को अवैध खनन और खनिज परिवहन के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया गया। चीरा चास थाना अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय, चीरा चास के समीप चलाए गए अभियान में अवैध रूप से बालू खनिज का उत्खनन एवं प्रेषण करते हुए दो ट्रैक्टरों को पकड़ा गया। पकड़े गए दोनों ट्रैक्टरों को विधिवत जप्त कर चीरा चास थाना को सुपुर्द किया गया तथा इस संबंध में थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। वहीं, पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के कंजकीरो क्षेत्र में भी छापामारी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान कंजकीरो बस्ती के समीप पहाड़ पर अवैध पत्थर खदान पाया गया। मौके से एक स्टोन बोल्डर लदा ट्रैक्टर भी पकड़ा गया। हालांकि, उक्त ट्रैक्टर को थाना लाने के क्रम में वाहन मालिक एवं अन्य लोगों द्वारा भीड़ जुटाकर ट्रैक्टर को बलपूर्वक छुड़ाया गया और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की गई। इस अवैध गतिविधि में संलिप्त वाहन मालिक एवं अन्य लोगों के विरुद्ध पेक नारायणपुर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दोनों अभियानों में खान निरीक्षक सीताराम टुडू, खान निरीक्षक अजय कुमार महतो तथा पुलिस बल की सक्रिय उपस्थिति रही। जिला खनन पदाधिकारी श्री रवि कुमार ने कहा है कि अवैध खनन, परिवहन एवं खनिज चोरी के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K